



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ८] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी २१, १९७६ (फाल्गुण २, १८९७)
No. ८] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 21, 1976 (PHALGUNA 2, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड I 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 24 जनवरी 1976

म० ए० 38013/1/75-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी सहायक तथा स्थानापन्न अनुपाग अधिकारी श्री ए० के० पोद्दार को, वार्षिक निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर राष्ट्रपति द्वारा कार्मिक विभाग के का० ज्ञा० स० 33/12/73-स्था० (क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की शर्तों के अनुसार 31 दिसम्बर, 1975 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति दी जाती है।

स० ए० 38013/2/75-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी सहायक तथा स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी श्री के० एम० भट्टाचार्य को, वार्षिक निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर राष्ट्रपति द्वारा कार्मिक विभाग के का० ज्ञा० स० 38/12/73-स्था० (क) दिनांक 24 नवम्बर 1973 की शर्तों के अनुसार 31 दिसम्बर, 1975 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति दी जाती है।

दिनांक 31 जनवरी 1976

स० ए० 32013/1/75-प्रशा० १—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड बी

466GI/75

राष्ट्रीय अधिकारी कुमारी एस० टी० के सेवानी को राष्ट्रपति द्वारा 1-2-11-1975 से 29-2-1976 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए या नियमित अधिकारी के कार्यभार सभालने तक, दोनों में जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

प्र० ना० मुख्यर्जी, अवर सचिव
(प्रशासन प्रभारी)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 24 जनवरी 1976

म० ए० 12025 (II)/1/75-प्रशा० III—इस कार्यालय के अधिसूचना संख्या ए० 32014/1/75-प्रशा० III दिनांक 1-2-6-75 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री धनीश चन्द्र को, राष्ट्रपति द्वारा 1-1-76 से आगामी आदेशों तक उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

प्रभात नाथ मुख्यर्जी,
अवर सचिव

मन्त्रिमंडल सचिवालय
(कार्मिक तथा प्रशासनिक सूधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 22 जनवरी 1976

सं० ए०-19037/1/76-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना ना अपने प्रसाद से श्री आर० सी० गुप्ता, ए० सी० आई० इ००० (श्रेणी-1) को दिनांक 9-1-76 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अंगुलि छाप ब्यूरो, कलकत्ता/केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में स्थानापन्थ केन्द्रीय उप-आमूचना अधिकारी के रूप में प्रीति करते हैं।

कै० कै० पुरी,
उप-निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1976

सं० ए०-31014/2/75-प्रशासन-1—केन्द्रीय सि विल सेवाएं (वर्गीकरण, नियन्त्रण तथा अपील) नियमावली, १३६५ के नियम ९(२) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, श्री एस० कै० दासगुप्ता को दि नांक 1-3-73 से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, केन्द्रीय न्याय बैद्यक वि ज्ञान प्रयोगशाला में मूल रूप में कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (फोटो) नियुक्त करते हैं।

दिनांक 31 जनवरी 1976

सं० ए०-19021/ /76-प्रशासन-5—राष्ट्रपति रूपने प्रसाद से श्री एच० ज० डोरा (भारतीय पुलिस सेवा-अधीक्षण-प्रदेश) को दिनांक 17-1-1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में पुंलेस अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 3 फरवरी 1976

सं० डी०-7/73-प्रशासन-5—प्रतिनियुक्ति की अधिकारी समाप्त हो जाने पर, श्री डी० आचार्य (भारतीय पुलिस रेखा, उत्तर प्रदेश) पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो की सेवाएं दिनांक 24-12-75 से उत्तर प्रदेश राज्य सरकार को वा. प्रसादीपी जाती हैं।

सं० पी० एफ०/एम०-९७/६८-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुंलेस स्थापना, एतद्वारा, मध्यप्रदेश राज्य से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्ति श्री एम० जी० मिश्रा, लोक-अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 1 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में वर्ती रेष्ट लोक-अभियोजक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 6 फरवरी 1976

सं० ए०-35018/15/75-प्रशासन-5—पुलिस उप-हानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, श्री प्रनव कुमार

रूप, पुलिस उप-निरीक्षक, कलकत्ता पुलिस, को दिनांक 22 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग, कलकत्ता शाखा में अस्थायी रूप में प्रतिनियुक्ति पर पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल,
प्रशासन अधिकारी (स्थान)

सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान

(परीक्षा स्कन्ध)

नई दिल्ली-110022, दिनांक 21 फरवरी 1976

विज्ञप्ति

लिपिक श्रेणी परीक्षा (चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए),
1976

सं० 13/8/75-प्रबन्ध—उपर्युक्त विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा संस्थान द्वारा 2 सितम्बर, 1976 को दिल्ली तथा विदेशी में स्थित चुने हुए भारतीय मिशनों में केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा, सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा के अवर ग्रेड में, भारतीय विदेश सेवा (ब) की श्रेणी में तथा संसदीय कार्य विभाग नई दिल्ली में लिपिकों के पदों में अस्थायी रिक्तियों को भरने के लिए ली जायेगी। यह परीक्षा उपर्युक्त सेवाओं में आने वाले मन्त्रालयों/विभागों/कार्यालयों में काम करने वाले चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के कुछ वर्गों के लिए ही सीमित है जो कि निम्नलिखित शर्तों को पूरा करते हैं :—

(क) सेवा अवधि : ये 1 जनवरी 1976 को चतुर्थ श्रेणी में या उससे ऊंचे पद पर कम से कम पांच वर्ष की प्रमाणित और लगातार सेवा कर चुके हैं।

(ख) आयु : 1 जनवरी, 1976 को 45 वर्ष से अधिक नहीं हो। अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जाति के उम्मीदवारों के लिए ऊपरी आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट होगी।

(ग) शैक्षणिक योग्यता : वे मैट्रिक्युलेशन या उसके समकक्ष परीक्षा पास कर चुके हैं।

इस परीक्षा के लिए उम्मीदवारों को कोई फीस नहीं देनी होगी।

पूरे विवरण तथा आवेदन पत्र सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान (परीक्षा स्कन्ध) पश्चिमी ब्लाक 1, रामकृष्ण-पुरम, नई दिल्ली-110022 को 1-00 रुपया (रजिस्ट्री द्वारा आवेदन पत्र मंगवाने के लिए 2-00 रुपये) के रेखित (प्राप्त कर्ता लेखा) भारतीय पोस्टल आर्डर, जो सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान (परीक्षा स्कन्ध) को रामकृष्णपुरम, (वितरण) डाकघर, नई दिल्ली पर देय हो, भेजकर अथवा संस्थान के कार्यालय के बिश्री काउन्टर पर नकाद भुगतान करके प्राप्त कर सकते हैं।

भरे हुए आवेदन-पत्र संस्थान को 21 अप्रैल, 1976 (विवेशों में तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूहः नथा लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के लिए 5 मई, 1976) तक अवश्य पहुंच जाने चाहिए।

मदन लाल,
निदेशक (पर्व १४)

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी

मसूरी, दिनांक 28 जनवरी 1976

सं० 7/2/73-ई० एस० टी०—अधिसूचना सं० 3/30 /73-ई० एस० टी० दिनांक 30-8-1974 का अधिक्रमण करे हुए श्री तिलक राज सूरी, स्थाई अधीक्षक लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी की लेखा अधिकारी के पद पर रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन क्र० १ में स्थानापन्न रूप से दिनांक 17-8-74 अपराह्न से दूसरे इावेश मिलने तक नियुक्त किया जाता है।

स० पा० सिह,
उप प्रशासन अधिकारी

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 4 फरवरी 1976

सं० 2/47/75-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद् द्वारा श्री श्री निवास, केन्द्रीय सतर्कता आयोग के एक स्थाई अनुबाग अधिकारी को 31 जनवरी, 1976 के अपराह्न से अगले आदेश तक आयोग में स्थानापन्न रूप से अवर, सचिव नियुक्त करते हैं।

क० ए० रामासुब्रमण्यम्,
सचिव,

कुते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 24 जनवरी 1976

सं० 2/37/75-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद् द्वारा श्री यू० एस० जोशी, भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी को 20 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक केन्द्रीय सतर्कता आयोग में स्थानापन्न रूप से उप-सचिव नियुक्त करते हैं।

बी० व्ही० दिघे,
अवर सचिव,

कुते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मन्त्रालय

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 30 जनवरी 1976

सं० O-II-1046/76-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर एम० श्रीनिवासन रेडी को उदर्ध्य रूप में केवल 3 माह के लिए केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनकी 14-1-76 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

डाक्टर एम० श्रीनिवासन रेडी को सैकन्ड बैस हास्पिटल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में नियुक्त किया जाता है।

सं० O-II-971/74-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी बंगी परकासम सैकन्ड बैस हास्पिटल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, हैदराबाद का त्याग पत्र दिनांक 1-12-75 पूर्वाह्न से स्वीकृत कर लिया।

सं० ओ०-II-855/72-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी कुमारी के० सुजाता ग्रुप सेंटर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल देवली का त्याग पत्र दिनांक 18-11-75 पूर्वाह्न से स्वीकृत कर लिया।

सं० ओ०-II-1010/75 स्थापना—डाक्टर दिविन्द्रा कुमार प्रधान ने उनके त्याग पत्र के स्वीकृत होने पर बैस हास्पिटल केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, नई दिल्ली से कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी पद का त्याग 7-11-75 पूर्वाह्न से कर दिया।

सं० ओ०-II-932/73-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी सिसिर कुमार घोष ९ बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल का त्याग पत्र दिनांक 26-10-75 पूर्वाह्न को स्वीकृत कर लिया।

सं० ओ०-II-877/72-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी बी० राम० मोहन राव सैकन्ड बैस हास्पिटल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल हैदराबाद का त्यागपत्र दिनांक 30-11-75 अपराह्न से स्वीकृत कर लिया।

सं० ओ०-II-715/69-स्थापना—डाक्टर एस० भाजी ने स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मन्त्रालय (स्वास्थ्य विभाग) नई दिल्ली में प्रत्यावर्तन के फलस्वरूप 7-1-76 के अपराह्न से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस के जी० जी० ओ० ग्रेड-१ के पद का कार्य भार छोड़ा।

सं० ओ०-II-1038/75 स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर श्रीमती ऊषा जैन को उदर्ध्य रूप में केवल 3 माह के लिए केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनकी 17-1-76 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

डाक्टर श्रीमती ऊषा जैन को ग्रुप सेंटर नं० २ केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, अजमेर में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 3 फरवरी 1976

सं० ओ० दो० 255/69-स्थापना—श्री यू० सी० रामाकृष्णन ने अपने मूल राज्य सरकार तामिलनाडु को प्रत्यावर्तित होने के कारण केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल की 4 बटालियन में सहायक कमान्डेन्ट का कार्यभार 15 जनवरी, 1976 अपराह्न को त्यागा।

सं० O-II-1041/75 स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर कुमारी बीना बैन्जामिन को उदर्ध्य रूप में केवल 3 माह के लिए केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनकी 17-1-76 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

डाक्टर कुमारी बीना बैन्जामिन को प्रूप सेन्टर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल विवेन्द्रम में नियुक्त किया जाता है।

सं० सी० 9-13/75-स्थापना—राष्ट्रपति, सूचेश्वर बलवन्त सिंह को पदोन्नति पर अल्पकालीन रिक्त स्थान में उप पुलिस अधीक्षक के पद पर अस्थायी रूप में अगले आदेश जारी होने तक 3-12-75 पूर्वाह्न से के० रि० पु० दल में नियुक्त करते हैं।

2. वे पहली बैतार वाहनी के० रि० पु० दल में तैनात किए जाते हैं तथा उन्होंने अन्ते पद का कार्यभार 3-12-75 पूर्वाह्न से सम्भाल लिया है।

ए० के० बन्दोपाध्याय,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 21 जनवरी 1976

सं० ई०-31013(2)/3/75 प्रशा० 1—राष्ट्रपति, श्री एन० एम० गुप्ता को दिनांक 29 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट, का स्थानापन्न रूप में सहायक कमांडेट नियुक्त करते हैं और उन्होंने उसी दिनांक में उक्त पद का कार्यभार कलकत्ता में सम्भाल लिया।

दिनांक 22 जनवरी 1976।

स० ई०-16014(4)/2/75 प्रशा० 1—प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरित होने पर, श्री पी० ए० झाला, पुलिस उपाधीक्षक, गुजरात राज्य पुलिस, ने दिनांक 29 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, आई० पी० सी० एल०, बड़ौदा के सहायक कमांडेट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 23 जनवरी 1976

सं० ई०-32015 (2)/7/74 प्रशा० 1—दिनांक 5 दिसम्बर 1975 की सम्मिलिति की हमारी अधिसूचना में निम्नलिखित संशोधन किया जाए:—

सीरियल (डी) के सामने “हरविन्दरजीत सिंह” के लिए “हरविन्दरजीत सिंह पनू” पढ़ा जाए।

दिनांक 27 जनवरी 1976

सं० ई०-31013(2)/3/75 प्रशा० 1—राष्ट्रपति, श्री एम० एम० बोस को दिनांक 9 जनवरी 1976 के पूर्वाह्न में आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, राउरकेला इसात सन्तान, राउरकेला, का स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेट नियुक्त करते हैं और उन्होंने उसी दिनांक से उक्त पद का कार्यभार राउरकेला में सम्भाल लिया।

दिनांक 4 फरवरी 1976

सं० ई०-31013(2)/1/76-प्रशा० 1—राष्ट्रपति, निरीक्षक जो० एन० जुतपी को दिनांक 12 जनवरी 1976 के अपराह्न

से अप० तामी आदेश जारी होने तक हिन्दुस्तान इंस्पेक्टरीसाइडेंस लिमिटेड, नई दिल्ली, का स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेट नियुक्त करते हैं, जिन्होंने उक्त पद का कार्यभार उसी दिनांक से सम्भाल लिया।

ए० ए० विष्ट,
महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 3 फरवरी 1976

सं० पी०/एम० (24)-प्रशा० 1—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा इंस्पेक्टरी की सिफारिश पर श्री विजय प्रसाद महापाल को तारीख 19 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, सहायक महापंजीकार (भाषा) के रूप में अस्थाई तौर पर नियुक्त करते हैं।

श्री महापाल का मुख्यालय कलकत्ता में होगा।

सं० 25/6/74-म० प० (प्रशा० 1)—राष्ट्रपति, इस कार्यों तथा की अधिसूचना सं० 25/6/74-म० प० (प्रशा० 1) तारीख 1 अप्रैल, 1975 के अनुक्रम में, श्री आर० सी० कथूरिया की जनगणना कार्य (तकनीकी) के सहायक निदेशक के रूप में तदर्थि नियुक्ति को भारत के महा पंजीकार के कार्यालय में 1 जनवरी, 1976 से 31 दिसम्बर, 1976 तक, एक वर्ष की ओर अधिक विधि के लिए या जब भी उक्त पद का नियमित आधार पर भरा जाएगा, इनमें जो भी पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

बद्री नाथ,
उप-महापंजीकार तथा
पदेन उप-सचिव

वित्त मन्त्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 29 जनवरी 1976

सं० बी० एन० पी०/ई०/एच-4—श्री के० सी० हिन्डोल, स्थायी नियन्त्रण निरीक्षक, चलार्थ पत्र मुद्रणालय, नासिक रोड की, बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में उप नियन्त्रण अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति पर की गई नियुक्ति दिनांक 28-1-76 (पूर्वाह्न) से 31-3-76 (अपराह्न) तक नियमित आधार पर निरन्तर की जाती है।

डी० सी० मुख्यी,
महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली, दिनांक 31 जनवरी 1976

सं० प्रशासन I/कार्यालय आदेश 895/5-5/पदोन्नति/74-76/3656—श्रीमान् महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व ने

इस कार्यालय के निम्नांकित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को उनके नाम के समन्वय प्राप्ति की गई तिथियाँ से सम्बद्ध-बेतनमन सं 840-1200 में अन्दर आदेश होने तक लेखा अधिकारी के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने हेतु नियुक्त किया है—

नाम	लेखा अधिकारी के रूप में पदोन्नति की तिथि
1 श्री एन० मुखर्जी अनुभागाधिकारी	21-1-76 (पूर्वाह्न)
2 श्री एस० एल० रामड़ अनुभागाधिकारी	23-1-76 (पूर्वाह्न)

एच० एम० डुगल,
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)

रायांतम महालेखाकार एन०, मध्य प्रदेश, ग्वालियर

ग्वालियर दिनाक 27 जनवरी 1976

ऋग्माक प्रशासन 1/292—महालेखाकार म० प्र० 1, ग्वालियर ने निम्नांकित स्थाई अनुभाग अधिकारी को स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर उनके नाम के आगे दर्शायी गई तारीख से नियुक्त किया है।

श्री शशरत्नलाल गमा (02/0189) 19-1-76
(पूर्वाह्न)
एस० एल० मलहोत्रा
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार, राजस्थान, जयपुर

जयपुर, दिनाक 30 जनवरी 1976

स० प्रशासन 2/जी० न० स० स०.—महालेखाकार कार्यालय राजस्थान के निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को उनके आगे दी हुई तिथियों में अग्रतर अंदेशों के जारी होने तक इसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

ऋग्माक	नाम	तिथि जब से स्थानापन्न लेखाधिकारी किया गया
सर्वश्री		
1 नन्द स्वरूप सरोना	3-1-76 (पूर्वाह्न)	
2 मन मोहन लाल सेटी	9-1-76 (पूर्वाह्न)	
3 अमर लाल माथुर	15-1-76 (पूर्वाह्न)	

र० श्र० बोरकर
वर्गिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार, वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध नई दिल्ली, दिनाक 31 जनवरी 1976

का०आ०स० प्रशासन-1/321—इस संस्था के स्थायी लेखा अधिकारी, श्री एन० सी० राय (प्रथम) के पुनः ग्रहण अधिकार (लियन) को 31-10-75 से उनके लिए अतिरिक्त स्थायी पदों में से सृजित एक पद पर अतिरिक्त किया जाता है।

2 इस संगठन के निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तिथि से लेखा अधिकारी सर्वर्ग में मौजिक स्थाई रूप से नियुक्त किया जाता है:—

ऋग्माक	नाम	मौजिक रूप के स्थान पर से नियुक्ति की तिथि
--------	-----	---

सर्वश्री	1 वी० बी० गुलाटी	21-6-73 एक अतिरिक्त स्थायी पद के स्थान पर।
2 एच० सी० ठकराल	31-10-75 एन० सी० राय प्रथम के द्वारा रिक्त स्थान पर।	
3 टी० बैकटाचारी	1-11-75 श्री बी० एस० चेलापा के सेवा निवृत्त होने पर।	
4 वी० बी० अग्रवाल	1-11-75 श्री सुखदेव के सेवा निवृत्त होने पर।	

ग० न० पाठक,
महालेखाकार

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियन्त्रक

नई दिल्ली-22, दिनाक 30 जनवरी 1976

स० 86016(13)/75/प्रशा०-II—श्री बी० के० बनर्जी भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक अधिकारी, वित्त मन्त्रालय, व्यविधान विभाग (रक्षा प्रभाग) में अपर वित्तीय सलाहकार और संयुक्त सचिव के रूप में प्रतिनियुक्ति पर सेवारत, जो वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के II स्तर में स्थानापन्न थे, को 9 सितम्बर 1975 के अपराह्न से कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड में प्रत्यावर्तित कर दिया गया है।

एस० बी० सुन्दरम्,
रक्षा लेखा अपर महा नियन्त्रक (प्रशासन)

रक्षा मन्त्रालय

महानिदेशालय, आर्डनैन्स फैक्टरिया

भारतीय आर्डनैन्स फैक्टरिया सेवा

कलकत्ता-700016, दिनाक 19 जनवरी 1976

स० 5/76/जी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक के पद पर, उनके सामने दर्शायी

गई तारीख से, आगामी आदेश न होने तक, नियुक्त करते हैं :—

1. श्री आर० वासुदेवन, स्थायी फोरमैन 9 मार्च, 1974
2. श्री पी० एन० सुश्रामानियम, स्थायी 25 मार्च, 1974

फोरमैन

2. सर्वश्री आर० वासुदेवन एवं पी० एन० सुश्रामानियम, स्थायी फोरमैन का, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक के पद पर, दिनांक 27 फरवरी, 1974 से पदोन्नति इस कार्यालय के पत्र सं० 381/ए/जी, दिनांक 15-7-74 के अन्तर्गत इस महानिदेशालय के गजट अधिसूचना सं० 35/74/जी में प्रकाशित सूचना, रद्द की जा रही है।

सं० 6/76/जी—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक/टी० एस० ओ० के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश न होने तक नियुक्त करते हैं :—

1. श्री जी० राजाराम, स्थायी फोरमैन —26 मई, 1975
2. श्री ए० आर० इरानी, स्थायी फोरमैन—26 मई, 1975
3. श्री टी० डी० मेलो, स्थायी फोरमैन —17 मई, 1975
4. श्री एस० एस० बासु, स्थायी फोरमैन —17 मई, 1975
5. श्री एस० कृष्णस्वामी,
स्थायी फोरमैन 17 मई, 1975
6. श्री एल० एस० लटकर,
स्थायी फोरमैन —27 मई, 1975
7. श्री के० रामानाथन, स्थायी फोरमैन —27 मई, 1975

दिनांक 29 जनवरी 1976

सं० 8/76/जी—राष्ट्रपति ने श्री बी० कृष्णन, स्थानापन्न महाप्रबन्धक ग्रेड-I (मौलिक एवं स्थायी महाप्रबन्धक ग्रेड-II/उप-महाप्रबन्धक) का त्याग पत्र दिनांक 28 जून, 1975 (अपराह्न) से स्वीकृत किया।

सं० 9/76/जी—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर, श्री के० एन० बोस, स्थायी सहायक प्रबन्धक, दिनांक 31 दिसम्बर, 1974 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 10/76/जी०—सेवा निवृत्ति पूर्वे अवकाश वी समाप्ति पर, श्री जे० आर० दाते, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (स्थायी फोरमैन) दिनांक 31 अक्टूबर, 1975 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

दिनांक 30 जनवरी 1976

सं० 11/76/जी—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर, श्री टी० एन० रामन राव, स्थानापन्न उप-प्रबन्ध (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 30 नवम्बर, 1975 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

म० पी० आर विलाय,
सहायक महानिदेशक

थ्रम मन्त्रालय

कल्याण आयोजन का कार्यालय

कर्नाटक सम्बन्धी लोहा अयस्क खान थ्रम कल्याण निधि सलाहकार समिति

बंगलौर-52, दिनांक 29 जनवरी 1976

सं० ईस्ट/आई० ओ० एम०/233/75-76—भारत सरकार, थ्रम, रोजगार और पुनर्वास मन्त्रालय द्वारा जारी किया गया पत्र संख्या-10/2/69-एम-3, दिनांक 31-3-1969 के साथ पठित प्रत्यायोजन आदेश दिनांक 1 जून, 1962 और वित्तीय शक्तियां प्रत्यायोजन विनियम, 1958 के नियम-10 की अनुसूची-तीन में निहित शक्तियों के अधीन कल्याण आयुक्त, कर्नाटक सम्बन्धी लोहा अयस्क खान थ्रम कल्याण निधि सलाहकार समिति, बंगलौर, डाक्टर आर० शशि रानी, एम० बी० बी० एस० को हासपेट के पास कारीगानुर मुख्यालय में इस संगठन में लेडी चिकित्सा अधिकारी (श्रेणी-2) के अस्थाई रूप में कार्य करने के लिए केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों को लागू नियमों के अधीन ग्राह्य किए न करने का भत्ता तथा अन्य भत्तों के साथ वेतनमान 650-30-740-35-880-40-1200 रुपये (संशोधित वेतन मान) में 30-9-1975 पूर्वाहन से छः माह की अवधि के लिए सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सिद्धार्था पुरानिक,
कल्याण आयुक्त

वाणिज्य मन्त्रालय

मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1976

आयात तथा निर्यात व्यापार नियन्त्रण

(स्थापना)

सं० 6/431/56-प्रशा० (जी०) 1—राष्ट्रपति, संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में श्री एन० के० जगताप, नियन्त्रक, द्वितीय श्रेणी को 29 अक्टूबर, 1975 के दोपहर पूर्व से आगला आदेश जारी होने तक, उसी कार्यालय में उप-मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 जनवरी 1976

सं० 6/928/71-प्रशा० (जी) 1—सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त होने पर, श्री ए० के० मित्रा ने संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में दिनांक 31-12-75 (दोपहर बाद) नियन्त्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 31 जनवरी 1976

सं० 6/337/56-प्रशा० (राज०) 1—राष्ट्रपति, श्री एन० पी० बी० नाथर, नियन्त्रक, प्रथम श्रेणी को दिनांक 1-1-76 के (दोपहर पूर्व) से आगे के आदेश होने तक, एनक्युलम से उप-मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 6/470/57-प्रश्ना० (राज०) 1—राष्ट्रपति, उप-मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, राज्यकृतम में, श्री पू० बालागृहणन पिल्ल, नियन्त्रक को दिनांक 9-1-1976 के दोपहर पूर्व से अगले आदेशों के होने तक, फरीदाबाद में उप-मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात (लोहा तथा इस्पात), के रूप में नियुक्त करते हैं।

डी० डी० जोशी,
मुख्य नियन्त्रक

नई दिल्ली, दिनांक 29 जनवरी, 1976

सं० 6/94/54-प्रशासन (राज०) 1—सेवा निवृति की आयु होने पर, श्री कुंवर लाल ने इस कार्यालय में 31 दिसम्बर, 1975 के दोपहर बाद, उप-मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात वै-पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 6 फरवरी, 1976

सं० 6/96/54-प्रशासन (राज०) 1—राष्ट्रपति, भूम्पूर्व उप-मुख्य नियन्त्रक, आयात निर्यात, श्री कुंवर लाल को 1 जनवरी, 1976 के दोपहर पूर्व से छः महीने की अवधि के लिए इस कार्यालय में वरिष्ठ प्रशासनिक विशेषक के रूप में पुनः नियुक्त करते हैं।

पी० के० कौल, मुख्य नियन्त्रक

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 26 जनवरी, 1976

सं० ई० एस० टी० 1-2(401)—बुनकर सेवा केन्द्र, मद्रास के स्थानापन्न निदेशक (स्थायी उप निदेशक) डा० व्यंकटेश पाण्डुरंग कुलकर्णी को, जो 21 जुलाई 1971 के पूर्वाह्न से राष्ट्रीय वस्त्र निगम (दक्षिण महाराष्ट्र) मर्यादित, बम्बई में प्रतिनियुक्त थे, उसी कार्यालय में स्थायीरूप से समाहूत हो जाने पर, 21 जुलाई, 1974 के पूर्वाह्न से सरकारी सेवा से त्यागपत्र देने की अनुमति दी गई।

सं० ई० एस० टी० 1-2(414)—वस्त्र आयुक्त कार्यालय, बम्बई के स्थानापन्न उप निदेशक श्री वामुदेव मुखर्जी, जो 18 दिसम्बर, 1975 पूर्वाह्न से 31 दिसम्बर, 1975 तक अधिकारी भारत सहकारी कंताई मिल महासंघ मर्यादित, बम्बई में प्रति नियुक्त थे, 31 दिसम्बर, 1975 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

दिनांक 29 जनवरी, 1976

सं० ई० एस० टी०-1(476)—वस्त्र आयुक्त के कानपुर स्थित प्रादेशिक कार्यालय के सहायक निदेशक, प्रथम श्रेणी, (नानाटेकनीकल श्री मदन मोहन सैनी सेवा निवृति की आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31 दिसम्बर, 1975 के अपराह्न से भेवा निवृत्त हो गये।

राजेन्द्र पाल कपूर, वस्त्र आयुक्त

बम्बई-400020, दिनांक 14 जनवरी, 1976

सं० सी० ई० आर०/3/76—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश 1948 के खंड 22 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्-

द्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आर०/3/69 दिनाक 19 मितम्बर, 1969 वे निम्नांकित अतिरिक्त नियंत्रण करता हू, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना मे :—

पैराग्राफ दो के उप प्रेरणापाक (3) के नीचे के दूसरे परतुक के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित किया जाएगा अर्थात् :—

“बश्यते कि कोई विनिमति, यदि वह चाहे तो, अनियंत्रित वस्त्र पर अपने विक्रय मूल्य की मुहर लगा सकेगा” जिसके पहले “मिल मूल्य” ये शब्द रहेंगे।

गौरी शंकर भार्गव, संयुक्त वस्त्र आयुक्त
(सं० सी० ए० बी० 1/1/2/75)

पटसन आयुक्त का कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक 31 जनवरी, 1976

सं० जूट(ए०)/147/65—पटसन आयुक्त, के० पी० दास के सहायक निदेशक (विषयन) श्रेणी 1 के पद पर तदर्थ रूप में पदोन्नत होने से श्री एस० के० हाजरा, निरीक्षक (अतक०) को उसी कार्यालय में, तदर्थ स्थानापन्न रूप मे, 1 दिसम्बर, 1975 (पूर्वाह्न) से 31 जनवरी, 1976 तक रु० 650—1200 वेतन दर पर सहायक निदेशक (निर्यात) श्रेणी II के रूप मे नियुक्त करते हैं।

एन० के० राय, प्रशासनाधिकारी
कूसे पटसन आयुक्त

औद्योगिक लागत तथा कीमत ब्यूरो

नई दिल्ली, 110001 दिनांक 4 फरवरी, 1976

सं० ए०-19016/2/76-वी० आई० सी० पी०—तकनीकी विकास महानिदेशालय मे स्थानान्तरण होने पर उद्योग संवर्ग मे केन्द्रीय सचिवालय सेवा के चतुर्थ खेड के स्थायी अधिकारी श्री लाजपत राय खेडा को 31 जनवरी, 1976 (अपराह्न) से आगामी आदेश होने तक औद्योगिक लागत तथा कीमत ब्यूरो मे प्रतिनियुक्ति के आधार पर अधीक्षक के पद पर नियुक्त किया जाता है।

एस० एस० मराठे, अध्यक्ष

उद्योग व नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग)

नई दिल्ली, दिनांक 22 जनवरी, 1976

सं० ए० 19018/228/75-प्रशासन (राजपत्रित)—विकास आयुक्त लघु उद्योग, नई दिल्ली अपने ही कार्यालय के स्थायी हिन्दी

अनुवादक श्री जिनेश चन्द्र जैन को उसी कार्यालय में 30-6-76¹ तक की अवधि के लिये तदर्थं आधार पर स्थानापन्थ सहायक सम्पादक (ग्रेड II) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

उन्होंने दिनांक 16-1-1976 के पूर्वाह्नि में सहायक सम्पादक (अंग्रेजी) के पद वा कार्यभार संभाल लिया।

सं० १० १९०१८/२२९/७५-प्रशासन (गजपत्रित) — विकाम आयुक्त लघु उच्चोग, नई दिल्ली अपने ही कार्यालय में रखायी हिन्दी अनुवादक श्री सद्गुरु प्रसाद को उसी कार्यालय में 30-6-1976 तक की अवधि के लिये तदर्थं आधार पर स्थानापन्थ सहायक सम्पादक (हिन्दी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

उन्होंने दिनांक 16-1-76 के पूर्वाह्नि में सहायक सम्पादक (हिन्दी) के पद वा कार्यभार संभाल लिया।

बी० वैकटगायलु, उप निदेशक
(प्रशासन)

विस्कोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 27 जनवरी, 1976

सं० ई०-११(७) — इस विभाग की अधिसूचना सं० ई० ११ (७) दिनांक 11 जुलाई, 1969 में।

वर्ग 3—प्रभाग 1 के अधीन—

(1) प्रविष्टि “इम्प्रूट बलिस्टाइट” के बाद में आए हुए शब्द और संख्या एन जी-101 और एन जी-201” के स्थान पर शब्द “अल्फाजैक्स और अल्काप्रूफ” प्रतिस्थापित की जाएगी।

वर्ग 6—प्रभाग 3 के अधीन :

(2) प्रविष्टि “डिटोनेटिंग रिलेज” के बाद में आए हुए शब्द श्री० संख्या “डिटोनेटिंग रिलेज, टाईप पी० ई० ई० पर्सिका डेक्स 31 मार्च 1975 तक” को निकाल दिया जाएगे।

इंगुव नरसिंह सृति, मुख्य विस्कोटक नियंत्रक

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली, दिनांक 24 जनवरी, 1976

सं० प्र०-११/१/(७६४) — श्री आर० वी० मिह ने सहायक निदेशक ग्रेड II (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड II) के पद पर अवनति होने पर दिनांक 6 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्नि से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली के निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड II) का पद भार छोड़ दिया।

दिनांक 28 जनवरी, 1976

सं० प्र० ११/१(५७०) — निरीक्षण निदेशक, उत्तरा निरीक्षण मंडल, नई दिल्ली, कार्यालय में स्थायी सहायक निदेशक (प्रशासन) श्री० मी० ए८० चावला दिनांक 31 दिसंबर, 1975 के अपराह्न में निवर्तन आयु (५८ वर्ष) होने पर सरकारी सेवा में निवृत हो गए।

दिनांक 31 जनवरी, 1976

सं० प्र० ११/१(१०४५) — महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में अवर प्रगति अधिकारी श्री राम किशन को दिनांक 7 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्नि से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय नई दिल्ली में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड II) के पद पर तदर्थं आधार पर स्थानापन्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

2 श्री राम किशन की सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड II) के पद पर नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी तथा श्री ए८० कुपुस्वामी द्वारा उच्च न्यायालय दिल्ली में दायर दीवानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के अधीन होगी।

सं० प्र० ११/१(१०४४) — महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में अवर प्रगति अधिकारी श्री बलबीर सिंह को दिनांक 3 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्नि से तथा आगामी आदेशों तक के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड II) के पद पर तदर्थं आधार पर स्थानापन्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री बलबीर सिंह की सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड II) के पद पर नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी तथा उच्च न्यायालय दिल्ली में श्री ए८० कुपुस्वामी द्वारा दायर दीवानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के अधीन होगी।

के० ए८० कोहली,
उप निदेशक (प्रशासन)
कूसे महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 31 जनवरी 1976

सं० प्र० ११/१(१०४६) — महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशक कलकत्ता के कार्यालय में अधीक्षक श्री० ए० के० शोमे को दिनांक 1 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्नि से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय, कलकत्ता में सहायक निदेशक ग्रेड II के पद पर तदर्थं आधार पर स्थानापन्थ रूप से नियुक्त बनाते हैं।

श्री० ए० के० शोमे की सहायक निदेशक (ग्रेड II) के पद पर नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी तथा श्री० ए८० कुपुस्वामी द्वारा उच्च न्यायालय, दिल्ली में दायर दीवानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के अधीन होगी।

सं० प्र० ११/१(९५२) — महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में अधीक्षक, स्तर II श्री० बी० पद्मन को दिनांक 2 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्नि से पूर्ति तथा निपटान निदेशक, बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड II) के पद पर स्थानीय तदर्थं आधार पर स्थानापन्थ रूप से नियुक्त करते हैं। श्री० पद्मन की यह नियुक्ति श्री० बी० वी० बोस सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड II) जिनका 12-12-1975 को निधन हो गया था के स्थान पर आगामी आदेशों के जारी होने तक की गयी है।

के० ए८० कोहली, उप निदेशक
(प्रशासन)

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर कार्यालय

दिनांक 23 जनवरी, 1976

निरेश सं० 1443—यतः मुझे रवींद्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 389 मई, 1975 में गांव बढ़ोत (नवांशहर) में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवांशहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिस्में भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारों, अर्थात्—

2—466GI/75

1. श्री ज्ञान मितर सुपुत्र श्री हरप्रकाश और श्रीमति शीला वति पति श्री ज्ञान मितर, उमिल कुमारी बीना कुमारी, निर्मल कुमारी, रत्न कुमारी सपुत्रियां श्री ज्ञान मितर निवासी राहों तहसील नवांशहर (अन्तरिती) ।

2. श्री गुरबख्श सिंह सपुत्र पंजाब सिंह गांव बिरक वर्तमान पता-राहों तहसील नवांशहर

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हुचि रखता है । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 389 मई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर में लिखा है ।

रवींद्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ।
अर्जन रेज जालन्धर ।

तारीख 23-1-1976

मोहर :

प्रस्तुत ग्राही ० टी० एन० एस०——

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 23 जनवरी 1976

निवेश सं० 1444—यतः मुझे रवीद्र कुमार;
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 389 मई, 1975 में राहों (नवांशहर) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवांशहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कथ से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के कायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः यब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ज्ञान मितर सुपुत्र श्री हर प्रकाश, शीला वती पत्नी श्री ज्ञान मितर, निर्मल कुमारी, उमिल कुमारी बीना कुमारी, रत्न कुमारी, सुपुत्रियां श्री ज्ञान मितर निवासी राहों तहसील नवांशहर (अन्तरिती)।

2. श्री गुरवक्ष सिंह सुपुत्र श्री पंजाब सिंह गांव विरक वर्तमान पता राहों तहसील नवांशहर (अन्तरिती)।
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वरुसूची

भूमि जसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 389 मई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर में लिखा है।

रवीद्र कुमार
समक्ष प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर
तारीख 23-1-1976।
मोहर

प्रस्तुप ग्राइंड टी०एन०एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर कार्यालय

दिनांक 23 जनवरी 1976

निवेश सं० 1445—यतः मझे रवींद्र कुमार

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 504 जून 75
में है तथा जो नकोदर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन जून 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,
उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कमलेश्वर सिंह सपुत्र श्री इकबाल सिंह सपुत्र श्री लक्ष्मण
(अन्तरक)
2. श्रीमति सुखजीत कौर पत्नी गुरदेव सिंह ग्रवाल निवासी
सिवल लाईनज लुधियाना (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।
- 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिसके
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 504 जून 1975 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है।

रवींद्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 23-1-1976

मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 23 जनवरी 1976

निवेश सं० 1446—यतः मुझे रवींद्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की घारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1309 मई
1975 में हैंतथा जो जालन्धर में रित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख मई 1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1)
के अर्द्धान निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थि:—

1. श्री गुरु अमरजीत सिंह सपुत्र गुरु सरदूल सिंह निवासी
करतार पुर जिला जालन्धर (अन्तरक)
2. श्रीमति सुदेश धोपड़ा पत्नी श्री विजय कुमार मकान नं०
ई० आर० 129 पक्का बाग जालन्धर (अन्तरिती)।
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिसके
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिष्ठित बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुमति

मकान नं० 129 पक्का बाग जालन्धर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 1309 मई 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
जालन्धर में लिखा है।

रवींद्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक: 23 जनवरी 1976।

मोहर :

प्रृष्ठ प आई० टी० एन० एस०—————
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, जालन्धर
 जालन्धर, दिनांक 24 जनवरी, 1976

निदेश सं० 1447—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
 की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जेसी की अनुसूची में है तथा जो गुराया में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय फिल्हीर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्सरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुरदीप सिंह सुपुत्र श्री प्यारा सिंह सुपुत्र इन्हें सह गांव गुराया तहसील फिल्हीर। (अन्तरक)।
2. मैंसर्ज गुरवद्धा फाईनैम प्राइवेट लिमिटेड फगवाड़ा मार्फत श्री साधु सिंह मैनेजिंग डायरेक्टर फगवाड़ा (अन्तरिती)।
3. जैस, कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 540 मई 1975 को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
 सक्षम अधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख । 24-1-1975

मोहर :

प्र० र० ग्राइंटी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जनवरी 1976

निदेश सं० 1448—यतः मुझे रवींद्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 746 मई 1975
में है तथा जो गुराया में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय फिल्लौर मेर रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख मई 1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरके के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री रघुवीर सिंह पत्नी श्री प्यारा सिंह निवासी गुराया
तहसील फिल्लौर (अन्तरक)।
2. मैसर्ज गुरबख फाईनेंस प्राइवेट लिमिटेड गुराया मार्फत
श्री साधु सिंह मैनेजिंग डायरेक्टर (अन्तरिती)।
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता है (वह व्यक्ति
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 746 मई 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर में लिखा है।

रवींद्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 24-1-1976

मोद्दर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़ दिल्ली-1

4/14-ए आसफ अली रोड, नई दिल्ली।

दिनांक 22 जनवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/362/1024/75-76-
यतः मुझे एम० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी खसरा सं०
244 है जो कर्वल नगर गांव शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अन्यसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ के
अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथाति:—

1. श्रीमति अन्द्रो विधवा पत्नी श्री बाइले निवासी कर्वल
नगर गांव इलाका शाहदरा दिल्ली (ग्रन्तरक)।
2. मै० हिंदुस्तान रबर इन्डस्ट्रीज शाहदरा दिल्ली-32
(13ए० मानसरोवर पार्क) श्री श्रीम प्रकाश अरोडा के
द्वारा सुपुत्र श्री चान्द दास तथा श्री सुरेन्द्र पाल सुपुत्र श्री
चान्द दास निवासी 23, राज ब्लाक शाहदरा दिल्ली-32
तथा श्री आर० एस० साहनी सुपुत्र श्री माखन सिंह
निवासी 7/82, सुभाष नगर, नई दिल्ली-27 (ग्रन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट जो कि 1000 वर्ग गज है जिसका खसरा नं० 244
है कर्वल नगर गांव इलाका शाहदरा दिल्ली में निम्न प्रकार से
स्थित है:—

पूर्व : औरों के प्लाट
पश्चिम : विक्रेता की जमीन
उत्तर : गली
दक्षिण : सड़क 50 फुट

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़ 2 दिल्ली/नई दिल्ली

दिनांक 22 जनवरी 1976

मोहर :

प्रख्युक्त शार्दूली०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14ए, आसफ शर्ली रोड, नई दिल्ली

दिनांक 22 जनवरी 1976

निर्देश सं० शार्दूली०एन०एल० एक्य०/II/2155/1025/75-76-
यतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० ए-8/15 का 1/3 का 1/2 भाग है जो राना प्रताप
बाग दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावढ़ अन्तर्मुची में पूर्व रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1098 (1908 का 16) के अधीन
जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों), और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति कृष्णा प्यारी, पत्नी स्वर्गीय श्री बदरी नाथ
बजाज अपने तथा नाबालिंग पुत्र सुशील कुमार के लिए
(2) श्री राजिंदर कुमार बजाज (3) सुरीन्द्र कुमार बजाज
(4) विजय कुमार बजाज (5) नारिंद्र कुमार बजाज
(6) कुमारी उषा बजाज, सुपुत्री स्वर्गीय श्री बदरी नाथ
बजाज, निवासी ए-89, गुजरावला टाउन कालौनी, जी०
टी० रोड, पार्ट-1 दिल्ली । (अन्तरक) ।
2. श्री अजीत सिंह सुपुत्र श्री भाग सिंह 7-सी०/7 राना प्रताप
बाग, दिल्ली (अन्तरिती) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक मंजिला मकान का 1/3 भाग का 1/2 भाग जो 230
वर्ग गज क्षेत्रफल (कुल क्षेत्रफल-690 वर्गगज) प्लाट पर बना
हुआ है और जिसका नं० ए-8/15, राना प्रताप बाग दिल्ली में निम्न
प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : जायदाद नं० ए-8/15ए

पश्चिम : जायदाद नं० ए-7/16

उत्तर : अन्य जायदाद

दक्षिण : रोड़

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली; नई दिल्ली

तारीख : 22 जनवरी 1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

दिनांक 22 जनवरी 1976

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एस०-II/2154/1026/75-76-

यतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापत सम्पत्ति, जिसका

उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० ए-8/15 के 1/3 का 1/2 भाग है जो राना प्रताप बाग दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों अधिकारी :—
3-466GI/75

1. श्रीमति कृष्णा प्यारी पत्नी स्वर्गीय श्री बदरी नाथ बजाज अपने तथा नामालिंग पुत्र श्री सुशील कुमार के लिए (2)

श्री राजिंद्र कुमार बजाज (3) सुरीद्र कुमार बजाज (4) विजय कुमार बजाज (5) नारिंदर कुमार बजाज (6) कुमारी उषा बजाज, सुपुत्री स्वर्गीय बदरी नाथ बजाज निवासी ए-89, गुजराताला टाउन, कालोनी जी० टी० रोड पार्ट-1, दिल्ली जगदीश सिंह सुपुत्र श्री भाग सिंह, 7-सी०/7 राना प्रताप बाग दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिये कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवित्रियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवित्रियों में से किसी व्यक्तिका;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाथर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यवित्रियों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान के 1/3 भाग का 1/2 भाग जो 230 वर्ग गज क्षेत्रफल (कुल क्षेत्रफल 690 वर्ग गज) प्लाट पर बना हुआ है और जिसका नं० ए-8/15 राना प्रताप बाग, दिल्ली में निम्न प्रकार में स्थित है :—

पूर्व : जायदाद नं० ए०-8/15

पश्चिम : जायदाद नं० ए-8/16

उत्तर : अन्य जायदाद

दक्षिण : रोड

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली नई दिल्ली

दिनांक : 22 जनवरी 1976

मोहर :

प्रस्तुत आर्ड० टी० पून० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

नार्यनिय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, दिल्ली-1
4/14-ए, आमक अली रोड, नई दिल्ली

दिनांक 22 जनवरी 1976

निदश सं० आर्ड० ए० सी०/एक्य०/II/2114/1027/75-76—प्रतः मुझे एस० पून० एक्य० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० सी०-4/1-बी है, जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपाखण्ड अनसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिन की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वरने में सुविधा के लिए; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तर्स्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीति --

1. दीना नाथ जुनेजा, सुपुत्र श्री इश्वर दास जुनेजा, निवासी
810 सेक्टर 16-डी, चंडीगढ़ (अन्तरक)।

2. श्री गुरबक्ष सुपुत्र श्री इश्वर दास जुनेजा, सी-4/1, माडल
टाउन, दिल्ली (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो 133 वर्ग गज क्षेत्रफल फीहोल्ड प्लाट पर बना
है, जिसका न० सी०-4/1-बी तथा पीछे वा भाग प्लाट न० 1 तथा
ब्लाक न० सी०-4 है, जो कि कुल क्षेत्रफल 370.57 वर्ग
गज का है और माडल टाउन, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :-

पूर्व : मकान न० सी०-4/2

पश्चिम : रोड़

उत्तर : मकान न० सी०-4/21

दक्षिण : प्लाट का बाकी भाग

ए० पून० एल० एल० अग्रवाल
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 22 जनवरी, 1976

मोहूर :

प्रख्युप आई० टी० एन० एस०——
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज दिल्ली-1

4/14-ए, आसफगढ़ी रोड,

नई दिल्ली दिनांक 22 जनवरी, 1976

निर्देश म० आई० ए० सी०/ एक्य०/ 11/354/1028/

75-76 :—यतः मुझे, एम० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी म० सी०-9/7 (बीच का भाग) है। जो कृष्ण नगर, शहदरा, दिल्ली में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती लालवन्ती, पत्नी श्री मनोहर लाल, 4844, दिल्ली गंज, दिल्ली - 6

(अन्तरक)

(2) श्री मावन्ता राम, सुपुत्र श्री गंगन्दा राम तथा श्री० महिन्द्र कुमार, सुपुत्र श्री मावन्ता राम, निवासी 3/377 पठान पुरा, शहदरा, दिल्ली - 32

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फीहोन्ड प्लाट जिसका नं० 7 है जोकि कुल क्षेत्रफल 464.6 वर्गगज का 128.2 वर्गगज है, ब्लाक नं० सी०, खसरा नं० 518 (487) है, कृष्ण नगर, शहदरा इलाका, दिल्ली में निम्न प्रकार में स्थित है :—

पूर्व:	प्लाट नं० सी०-9/7 का बाकी भाग
पश्चिम:	सी०-9/7 का बाकी भाग
उत्तर:	सी०-10/6
दक्षिण:	6 रोड

एम० एन० एल० अग्रवाल
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2 दिल्ली, नई दिल्ली,

तारीख 22 जनवरी, 1976

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०-----

(1) श्रीमती सरला कोहली, पत्नी श्री मदन मोहन, 1439-ए/41, बलबीर नगर, शाहदरा, दिल्ली

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, दिल्ली-1

दिल्ली, दिनांक 22 जनवरी 1976

(2) श्री मलिक राम आनन्द, सुपूत्र श्री नानक चन्द्र आनन्द, 1439-ए/41, बलबीर नगर, गली नं० 6 शाहदरा, दिल्ली -32

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनूसूची

एक डेढ़ मंजिला मकान 66 वर्ग गज क्षेत्रफल प्लाट पर बना हुआ है, जिसका नं० 4-ए, इलाका शाहदरा, ब्लाक केसर, बलबीर नगर, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :--

पूर्व :	रोड
पश्चिम :	अन्य प्लाट नं० 4
उत्तर :	प्लाट नं० 3 पर मकान
दक्षिण :	बना मकान

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2 नई दिल्ली-1

तारीख : 22 जनवरी 1976

मोहर :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री राज कुमार सुपुत्र श्री विश्वनाथ दास, दुकान नं० 65, गोखले मार्किट, तीस हजारी के सामने, दिल्ली
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 22 जनवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य०/II/2163/1030/
75-76/ :—यतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 65, गोखले मार्किट है, जो तीस हजारी के सामने, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः श्रब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्रीमती द्वारकी देवी, पत्नी श्री धनपत राय (2) श्री फूल चन्द, सुपुत्र श्री धनपत राय, निवासी आर-117, माडल टाउन, करनाल (हरियाणा)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 65 जो गोखले मार्किट, तीस हजारी कोट के सामने, दिल्ली में है, क्षेत्रफल 563 वर्गगज है, जिसमें से 2/3 निम्न मंजिल का तथा 1/3 पहली मंजिल का है।

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 22-1-76

माहर :

प्रकृत आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 जनवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एश्य० II/2095/1031/
75-76/ यतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विधावास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,
और जिसकी सं० ए-1/19 है, जो सत्यावती नगर, दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली भारतीय रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विधावास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल वा पम्ब्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत
उक्त अधिनियम के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य
आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनावै अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विलोक चन्द जैन, सुपुत्र श्री चिरवर, निवासी
बालमिक बस्ती, न्यू चन्द्रावल, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमला देवी, पत्नी श्री चिरनजी लाल कौशिक,
28/12, शक्ति नगर, दिल्ली-7

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

एक प्लाट जिसका क्षेत्रफल 150 वर्गमील है और न० 19,
ब्लाक ए-1 है तथा जोकि सत्यावती नगर कालौनी, साधोरा कालौन
गांव, दिल्ली में है। यह प्लाट निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व: मविस लेन

पश्चिम: रोड

उत्तर: प्लाट न० ए-1/20

दक्षिण: प्लाट न० ए-1/18

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख . 22-1-976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(1) श्रीमती मंगलो देवी, पन्नी श्री नश्वाशी लाल, 5423-ए, बालमिकी बस्ती, न्यू चन्द्रावल, दिल्ली
(अन्तरक)(2) श्री चन्द्र जैन, सुपुत्र श्री लाला बारू मल जैन, 23/9, शक्ति नगर, दिल्ली-7
(अन्तरिक्षी)

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड; नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 जनवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० 11/2126/1032/

75-76:—यतः, मुझे, एस० गन० एल० अग्रवाल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० ए-15 है, जो सत्यावती नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से द्वारा किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में मापात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट जिसका नं० 15, ब्लाक 'ए' है, 150 बर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर, सत्यावती नगर कालानी, साधोरा कालान गांव, रेलवे कासिंग के पास, नं० 3, दिल्ली में है। यह प्लाट निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व:	गोड 30' चौड़ी
पश्चिम:	सर्विस लेन
उत्तर:	प्लाट नं० 16-ए
दक्षिण:	प्लाट नं० 14-ए

एस० गन० गन० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

महायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1।

तारीख : 22-1-1976

मोदूर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 जनवरी 1976

निवेदन सं० ए० सी० क्य० 23-1-668 (259)/1-1/ 75-76—
अतः मुझे, जे० कथुरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 11/1, टी० पी० एस० नं० 18 एफ० पी० नं० 22 है, तथा जो राजपुर-हीरपुर (रायपुर दरवाजे के बाहर) अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-6-1975 को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्णकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यात् :—

- (1) श्रीमती अश्वपूर्णा, जगदीश चन्द्र अमर प्रसाद पासा-वाला की धर्मपत्नी, लंबापाड़ा नी पोल, रायपुर, अहमदाबाद (अन्तरक)
(2) दी अहमदाबाद न्यु काटन मिल्स को० लि०, रायपुर दरवाजा के बाहर, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधीय व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान, जो 605 वर्गगज जमीन पर स्थापित हैं तथा जिसका सर्वे नं० 11/1, टी० पी० एस० नं० 18, एफ० पी०, नं० 22, तथा जो राजपुर-हीरपुर (रायपुर दरवाजे के बाहर) अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथुरिया
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 24-1-1976

मोहर :

प्ररूप० प्राई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजल-रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 जनवरी 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य०-23-I-717 (258)/1-1/75-76

—यतः मुझे, जे० कृथूरिया

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 4304, 4305 तथा 4306, शीट नं० -12, है, जो पांच-कुवा, मिर्धा वाड, कालूपुर वार्ड नं० -I, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-7-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों), और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मौसर के स्वाणी आदर्स की ओर से भागीदार :—

- (i) श्री एलदास भगवान दास के स्वाणी,
- (ii) श्री गोपीचन्द्र भगवानदास के स्वाणी,
- (iii) श्री पूरण चन्द्र भगवानदास के स्वाणी,

(iv) श्री वासुदेव परमराम के स्वाणी,

(v) श्री पोकर दास द्वारकादास के स्वाणी, कटलरी मरन्चंट्स, के स्वाणी विलिंग, मिर्धा वाड, पांचकुवा, अहमदाबाद-1

(अन्तरक)

(2) मौसर शारद, ब्रदर्स एण्ड को० की ओर से भागीदार :—

(i) श्री शरदभाई पुरषोत्तमदास पटेल, 9, आनंदपार्क, नारायणपुरा, अहमदाबाद-13.

(ii) श्री पुरषोत्तमदास उमेदभाई पटेल 9 आनंदपार्क, नारायणपुरा, अहमदाबाद-13.

(iii) श्री जयंतीभाई, पुरषोत्तमदास पटेल, 558, अडेनवाला रोड, बम्बई-19,

(iv) श्रीमती इन्दिराबन चन्द्रकान्त पटेल 136, मणीलाल मेन्नान, 9-ए, रोड, वडाला, बम्बई-13.

(v) श्रीमती मीनाबेन रसीकभाई पटेल, 143, भुवा कोटेज, 9-ए, रोड वडाला, बम्बई-13

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चार दुकानें जिनका रवानगी नं० 1 से 4 तक हैं तथा जिसका कुल क्षेत्रफल 446 वर्गफुट है तथा जो "परमराम चैम्बर्स" के नाम से प्रख्यात है तथा जिसका सी० टी० एस० नं० 4304, 4305, 4306, शीट नं० 12 है तथा जो कालूपुर वार्ड नं० -I, पांचकुवा, मिर्धा रोड वाड, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कृथूरिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख : 21-1-76

मोहर :

प्रलूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 20 जनवरी 1976

सं० आर० ए० सी० 229/75-76 :—यतः मुझे के० एस० वेक्टरामन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० प्लाट नं० 17/156 से 159 सरदार पटेल रोड है, जो सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-6-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फ़द्दहु प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथै अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती हश्मनुशीसा-156 से 159 (2) जयनारायण मिश्रा, 26-ए, सरदार पटेल रोड सिकन्दराबाद (अन्तरक)

(2) श्रीमती वित्ता सरोजा लक्ष्मी नारायण 1-2-4112/2 गगन महल कालोनी, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 17, नं० 156 से 159, सरदार पटेल रोड, सिकन्दराबाद, क्षेत्रफल 558 वर्गमील।

के० एस० वेक्टरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 20-1-76
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 20 जनवरी 1976

सं० आर० ए० सी० 231/75-76:—गत: मुझे, को० एस०
बैकटरामन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 9/156 से 159 सरदार पटेल
रोड है, जो सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपार्ड अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्टीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-6-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वारस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

गत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्षियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती हश्मनुशीसा बेगम, पैंगा हाउस (2) जयनारायण
मिश्रा, सरदार पटेल रोड, सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री ए० महेन्द्र रेडी 3-6-361/24 बशीरखाग, हैदरा-
बाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अधिक या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

ल्पव्याप्तिकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्लाट नं० 9, नं० 156 से 159 का भाग, सरदार पटेल रोड,
सिकन्दराबाद क्षेत्रफल 432.21 वर्ग मोर्टर्स।

के० एस० बैकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 20-1-76

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस० —————

(1) श्रीमती हरमनुष्ठीसा बेगम, 156 से 159 (2)
श्री जयनारायण मिश्रा 26 ए, सरदार पटेल रोड
सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 20 जनवरी 1976

सं० आर० ए० सी० 228/75-76:—यतः मुझे, के०
ए० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा
गया है), की धारा 269-व(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 10/156 सरदार पटेल रोड,
जो सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए ; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1)
के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व(1) की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(2) श्रीमती आर० नागराजन, वी० -35 एफ० 2, विद्यान-
पुरी, विद्यानगर, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि था, तस्वीरें व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि थाएँ भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में विस-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकगे ।

लक्ष्योकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं० 10 (516.80 वर्गगज) नं० 156 से 159,
सरदार पटेल रोड, सिकन्दराबाद ।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 20-1-76

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 20 जनवरी 1976

निवेश सं० आर० ए० सी० 230/75-76—प्रतः मुझे के०
एस० वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 8/156 से 159 सरदार पटेल
रोड है, जो सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उत्तरदूर अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 11-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती हृष्मनुशीसा बेगम, पैगा हाऊस (2) श्री
जयनारायण मिश्रा, सरदार पटेल रोड सिकन्दराबाद
(अन्तरक)

(2) श्री ए० महेन्द्र रेडी 3-6-361/24 बशीर बाग, हैदरा-
बाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त-
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 8/156 से 159, सरदार पटेल रोड, सिकन्दराबाद
(क्षेत्रफल 460.35 वर्गगज)।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 20-1-76

मोहर :

प्रृष्ठ आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 20 जनवरी 1976

सं० आर० ए० सी० 233/75-76:—यतः मुझ के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 6/156 से 159 है जो सरदार पटेल रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) (1) श्रीमती हरमनुप्रीता ब्रेगम् 156 से 159 (2) श्री जयनारायण न मिश्रा, 26-ए० सरदार पटेल रोड सिकन्दराबाद
(अन्तरक)

(2) (1) श्रीमती ईश्वरी बाई खानचन्द (2) रुक्मानी बाई धनश्याम दास लालबानी, तुलसी भवन, पान बाजार, सिकन्दराबाद, (3) नारेदास हस्सोमल (4) गंगाबाई मोहन लाल (5) इन्द्र लाल मोहन लाल भारवानी नल्ला गुटा, सिकन्दराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उससंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 6/156 से 159 (2-11-30) सरदार पटेल रोड, सिकन्दराबाद, क्षेत्रफल 757.77 वर्ग गज।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 20-1-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 20 जनवरी 1976

सं० आर० ए० सी० 235/75-76:—यतः मुझे, के० एस०-
बैकटारामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ष(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 22/156 से 159 सरदार पटेल
रोड है, जो सिकन्दराबाद में स्थित है (ग्रीड डस्टे उपावड़ अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपनारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों प्रथातः—

(1) श्रीमती हस्मनुजीसा वेगम् 156 से 159 (2) जयना-
रायन मिश्रा 26-ए, सरदार पटेल रोड, सिकन्दरा-
बाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बी० शारदा बाई पत्नी बी० भूमध्या 2-4-
430, रामगोपाल पेट, सिकन्दराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 22, घर नं० 156 से 159, पैगा हाउस, सरदार
पटेल रोड, सिकन्दराबाद क्षेत्रफल 334.40 वर्ग मीटर्स।

के० एस० बैकटारामन
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 20-1-76
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 20 जनवरी 1976

सं० आर० ए० सी० 234/75-76—प्रतः मुझे, के० एस०
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 34/156 से 159 सरदार पटेल रोड है, जो सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाख्य अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 23-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तर्थ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती हरभन्दीसा बेगम, 156 से 159 (2) जय-नारायण मिश्रा, 26-ए, सरदार पटेल रोड सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चतुरी गोपेलालवानी त्रेडं ब्रास्ट रोड, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 34 (389. वर्ग गज) 156 से 159, सरदार पटेल रोड, सिकन्दराबाद।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 20-1-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 20 जनवरी 1976

स० आर० ग० सी० 232/75-76:—यतः मुझे, के० एस० वैकटरामन

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट न० 7/156 से 159 है जो सरदार पटेल रोड सिकन्दराबाद मे स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची मे और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(अ) अन्तरण मे हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में वर्मी वरने या उगासे वरने मे सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, इषपाने मे सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण मे, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

5—466GT/75

(1) श्रीमती हरेमनुबीसा वेगम्, 156 से 159 (2) श्री जगनागायणन गिथा, 26-ए, नृदार पटेल गोपनीयिकाद-गवाद

(अन्तरक)

(1) श्रीमती ईश्वरी बाई खान चन्द, (2) श्रीमती मुकमानी-बाई घनेश्वर मदास लालबानी, तुलसी भवन, (3) श्री नारेदास हस्सोमल, पान बाजार, मिकन्दराबाद (4) श्रीमती गंगाबाई मोहन लाल, नल्लारुद्दां (5) श्री इन्द्र लाल मोहन लाल शार्वानी, नल्लारुद्दा० सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किये जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति—प्लाट न० 7/156 से 159 सरदार पटेल रोड, मिकन्दराबाद, क्षेत्रफल 806.66 वर्गगज।

के० एस० वैकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 20-1-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),

अर्जन रेज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 15 जनवरी 1976

निवेदण सं० 312/एकुरे III/75-76/कलकत्ता ---अतः
मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 25/1 है तथा जो तपसिया रोड में स्थित
है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलिपुर म. रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-6-
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है—

(क) अन्तरण ने हुई किसी आय की बाबत,
'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी विसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
पर, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें
में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा
269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित
व्यक्तियों अवक्ति:—

(1) श्रीमती आलेमा खातुन 21/1 तिलजला रोड, 24
परगणा।
(अन्तरक)

(2) श्री मनजुरुल इसलाम, मिनहाजुल इसलाम,
मामिहुल इसलाम और नुरुल इसलाम, गबका पता
4, राजमोहन स्ट्रीट, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यावहीं शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्द किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 15 बड़ा 2 छटांक 18 स्को० फुट जला जमिन जो
मौजा कुछिया, थाना यादबपुर, 24 परगणा पर अब स्थित दाग
सं० 794 खतियान सं० 417 का अंश है।

एल० के० बालसुब्रमनियन
महानगर आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III
54, रफीग्रहमव किंदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 15-1-1976

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री बलाह चन्द्र घोष 17 राह चंग घोष लेन, 24 पर-
गण।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 15 जनवरी 1976

निदेश सं० 313 /एकुरे III/75-76/ कलकत्ता :—अतः
मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उक्त के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 15 और 16 हैं तथा जो तपसिया रोड
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलिपुर, नौ,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 23-6-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री बलाह चन्द्र घोष 17 राह चंग घोष लेन, 24 पर-
गण।

(अन्तरक)

(2) श्री मनजुरुल इसलाम मिनहाजुल इसलाम मासिद्दुल
दमलाय और नुरुल इसलाम 4 राजमोहन स्ट्रीट,
कलकत्ता।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अरंजन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अरंजन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
यथापरिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 17 कट्टा 12 छटांक 12 स्को : फुट जला जमीन जो
मौजा कुछिया, धाना यादवपुर, 24 परगणा पर अब स्थित
दाग सं० 808 और 809 खतियान सं० 237 और दाग 807,
810, 792, 793, खतियान नं० 24 का अंश है।

एल० के० बालसुब्रमनियन्
सक्षम प्राधिनारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, कलकत्ता-16

तारीख . 15-1-1976

मोहर :

प्रस्तुत ग्राही०टी०एन०एस०————

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 15 जनवरी 1976

निदेश म० / एक्युरे 111/75-76 कलकत्ता :—अतः मुझे, पाल० के० बालसुश्रमनियन्

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० 15 और 16 है तथा जो तपसिया रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 23-6-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय म्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवधियों, अर्थात् :—

(1) श्री हलधर घोष 2. हिंषिकेप घोष, 3. शशाधर घोष 4. प्रभात कुमार घोष 5. सुधाकर घोष 6. माखन लाल घोष और सबका पता 24, राइचरण घोष लेन, 24-परगणा ।

(अन्तरक)

(2) श्री मनजुरुल इमलाम, मिनहिजुल इसलाम, मसिहुल इसलाम और नुरुल इसलाम 4, गजमोहन स्ट्रीट, कलकत्ता-12 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आमंत्रण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य अक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 17 कट्टा 12 छटांक 12 स्को . फुट जला-जमिन जो मौजा-कुठिया थाना यादवपुर, 24 परगणा पर अब स्थित दाग सं० 797, 798, 805 खतियान स० 46, 217 का अश विशेष है ।

पाल० के० बालसुश्रमनियन्
सक्षम प्राधिकारी
महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 15-1-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 15 जनवरी 1976

निर्देश स०/एकुरे III/75-76 / कलकत्ता:—यत., मुझे,
एल० के० बालमुश्रमनियम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी स० 15 और 16 हैं तथा जो तपसिया रोड,
कलकत्ता में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलिपुर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
30-6-75 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री कानाह लाल घोष, 17, राष्ट्रवरण घोषलेन, कलकत्ता-
39. ।

(अन्तर्गत)

(2) श्री मनजुरुल इसलाम, मिनहाजुल इसलाम, मासिहुल
इसलाम और नुरुल इसलाम, 4, राजमोहन स्ट्रीट,
कलकत्ता-12।

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, योग्यहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 17 कठुा 12 छटाक 12 स्को : फुट जला जमीन जो
मौजा-कुण्ठिया यानायादवपुर, 24-परगणा पर अब स्थित दाग
सं० 797, 798 खनियान स० 46 का ग्रंथ विशेष है।

एल० के० बालमुश्रमनियम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III
54, रफी अहमद किंदवाई रोड,
कलकत्ता-16

नारायण 15-1-1976

मोदूर :

प्रश्न प्राईंटी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 15 जनवरी 1976

निर्देश सं० 316 /एकुरे III/ 75-76/कलकत्ता:—यतः
मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियन

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 15 और 16 हैं तथा जो तपसिया रोड
में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलिपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 30-6-1975 को पूर्वोक्त है

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में इस के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अनुरूपि की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैः—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रन्तः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार मेरे उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्री कृष्ण चन्द्र पोन, 17, राईचरण घोष लेन, 24, परगणा।

(अन्तरक)

(2) श्री मनजुरुल इसलाम, मिनहाजुल इसलाम, मारिहूल
इसलाम और नुरुल इसलाम, 4, राजमीहन रुट्टीट,
कलकत्ता-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबूध में कोई भी श्राद्धेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 17 कट्टा 12 छटाक 12 स्को: फुट जला जमीन जो
मौजा, कुठिया, थाना यादवपुर 24-परगणा पर अव-स्थित दावा
सं० 808 और 792, खतियान सं० 237 और 24 का अश है।

एल० के० बालसुब्रमनियन
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III
54, रफी अहमद किरवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख 15-1-1976
मोहर :

प्रह्लाद आई० टी० एन० एस०—

1. श्री रुद्धीं कनस्ट्रक्शन, कॉ० ।

(अन्तररक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री जयन्त कुमार बानर्जी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 29 जनवरी 1976

निर्देश. सं० टि० आर० 41/सि०-34/कल०-1/75-76—

यतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 75-C, (थूनिट नं० 5-D) है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गर्वनमेन्ट प्रेस नार्थ, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-6-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तररकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

75-C, पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में अब स्थित प्रिमिसेस का पांच तल्ला में यूनिट, नं० 5-D।

एम० के० चक्रवर्ती
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1
54, रफी अहमद किंवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 29-1-76

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एम०.एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 29 जनवरी 1976

निर्देश स० टि० ग्रा० 42/मि०-33/कल०-1/75-76—
द्रष्टः मुझे, एस० के० चक्रबर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास न रखे का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० 75 C(यूनिट न० 5 E) है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नरमेट प्लेस नार्थ, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-6-75 को पूर्णतया गम्भीर के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्भावित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और पन्द्रह (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अनुसूचित नहीं दिया गया है:

(क) अन्तरण ग हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमा करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसा (इसमें आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घट-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिया जाना वालिये था लिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1 श्री रूबी कनस्ट्रक्शन क०। (अन्तरक)

2 श्री मनदा कुमार दानजी (ग्रन्तिर्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोषित अधिकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

75-C, पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में अब स्थित प्रिमिसेस का पाच तला में यूनिट न० 5-E।

प्राप्ति के वर्ष
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1
51, रफी अहमद किंदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 29-1-76

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेज-I, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 29 जनवरी 1976

निर्देश सं० टि० आर० 44/सि०-31/कल०-1/75-76—
अतः मुझे, एम० के० चक्रबर्ती, आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 21 है तथा जो तिरेट्टा बाजार स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नरमेन्ट प्लेस नार्थ, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-6-75 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सभी पार्या गए प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियित में वारतविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी नहीं या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मे, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री अमृतलाल साधूखान और सदानन्द भाधूखान (अन्तरक)
2. आदमभाई अब्दुल्ला भाई और ताहेरभाई अब्दुल्लाभाई (अन्तरिती)
3. (1) पि० एम० पाकि एण्ड क०, (2) ग्राबुबकर, (3) एम० टी० शेरिंग, (4) शेख अयूब अली, (5) अब्दुल वाहिद, (6) अब्दुल मलिक, (7) के० पी० मुहम्मद ओसमान

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के यज्ञन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

* उक्त सम्पत्ति के श्रजन के सबध में कोई भी अधिक्षेष ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्त्वम्यन्धि व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि वाद में गमाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-F में प्रभाप्रतिष्ठित हैं, वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

21, तिरेट्टा बाजार, कलकत्ता में अब स्थित 2 कड़ा 13 छटाक 17 वर्ग फिट, जमीन और ईंट का भकान भी आंशिक दो तल्ला और आंशिक तीन तल्ला है।

एस० के० चक्रबर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रजन रेज-I 54, रफी ग्रहमद किंदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 29-1-76
मोहर।

प्रॅलप आई० टी० एस०—————

1. श्री सीतल राम पाल।

(प्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री प्रतुल चन्द्र दाम।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16 दिनांक 29 जनवरी 1976

निदेश सं० टि० आर० 54/सि०-56/कलकत्ता-2/75-76—
अतः मुझे एस० के० चक्रबर्ती
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है
और जिसकी सं० 2/3 B/ है तथा जो देव लेन कलकत्ता में स्थित
है (और इससे उदावद्व अनुभूची में और पर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सियालदह में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-6-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्त-
रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाष्पत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताश्री
के पास लिखित में किए जा सके।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

2/3-B, देव लेन, कलकत्ता में अब स्थित लगभग 3 कट्टा
जमीन पर आंशिक दो तल्ला और आंशिक तीन तल्ला का मकान।

एस० के० चक्रबर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I
54, रफी अहमद किंवाई रोड,
कलकत्ता-16

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 29-1-76
मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 29 जनवरी 1976

निर्देश स० टि० आर० 55/सि०-55/कल०-2/75-76--
यतः मुझे एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० 2/3A है तथा जो देब लेन, कलकत्ता मे स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची मे और पर्याप्त रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सियालदह, मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-6-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
दायित्व मे कभी करने या उससे बचने मे सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थातः:—

1. श्री प्रभाराणी कुन्द

(अन्तरक)

2. श्री बीणा दाम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क मे
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

2/3A, देब लेन, कलकत्ता मे अब स्थित लगभग 3 कठा
जमीन पर आशिक दो तल्ला और आशिक तीन तल्ला का मकान।

एम० के० चक्रवर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1

54, रफी अहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 29-1-76

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०----

1. श्रीमती कमला घोष ।

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

2. हस्टर्न पेपर मिल्स, लिमिटेड ।

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 27 जनवरी 1976

निर्देश सं० ए० सि० 230/आर०-IV/कल०/75-76—
यतः मुझे, ए० के० बटब्याल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी प्लाट सं० 133, ब्लाक-ए है तथा जो लेकटाऊन, थाना दमदम में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलीपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 3-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की

गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से मुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रन्तीतः :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मानी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस प्रधायाय में विद्या गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० 133, ब्लाक-ए, लेक टाऊन, थाना दमदम, 24-परगणा में 8 कट्टा जमीन साथ दो मंजिला भकान आदि।

ए० के० बटब्याल
* सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV
54, रफी अहमद किंदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 27-1-1976

मोहर :

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आई० ए० सि३ अर्जन रेज IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 जनवरी 1976

निदेश सं० ए० सि० 231/आर० IV/कल०/75-76—
अतः मुझे, ए० के० बटव्याल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

और जिस सं० 1 है तथा जो आदयनाथ साहा रोड मे स्थित (और इससे उपावद्ध अन्नसूची मे और ऊर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, काशीपुर, दमदम मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-6-1975 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पन्द्रानन साहा (अन्तरक)

2. श्रीमति दीप्ति मिश्र (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आदेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निम्नित मे किये जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

सं० 1, आदयजाय साहा रोड, खतियान सं० 570, दाग सं० 516, 520, मौजा पातिपुकुर, थाना दमदम, जिला-24 परगना मे 4 कट्टा 10 छटाक 82 स्कोवार फिट जमीन और उसकर मतान

ए० के० बटव्याल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज
54, रफीअहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 27-1-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 27 जनवरी 1976

निदेश सं० 317/एक० III /75-76/कल०--अतः मुझे,
एल० के० बालमुग्रमनियन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
₹5,000/- रु० से अधिक है और जिसकी

सं० 14 है तथा जो गलकलाव रोड, कल० में स्थित है
(और इससे उद्घब्द अनुसूची में शीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-6-
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
उथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा, प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती रेनुका गांगुली प्रतापादित्य रोड, कल० (अन्तरक)
2. श्री मनोरन्जन दास बदेमेशर थाना यादबपुर, 24 परगना
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुष्यस्थो

समूचा 3 कट्टा 6 छटा 31 स्को० फुट जमीन जो पौर सं०
14, गलफ क्राब रोड, थाना यादबपुर, जिला 24 परगणा पर अब स्थित
और जो साब-रेजिन्वार, आलिपुर सदर 24 परगणा द्वारा रजिस्ट्रीकृत
दलिल सं० 3233/1975 का अनुसार है।

एल० के० बालमुग्रमनियन्

सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,

54, रफीअहमद किंवार्ड रोड,

कलकत्ता 16

तारीख : 27-1-76

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०—

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 जनवरी 1976

निदेश सं० ए० मि० 39/रे-III/कल०/75-76—अतः मुझे,
आर० बी० लालमोया आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी मूल्य 23 है तथा जो ट्रान्सपोर्ट डिपोट रोड,
कलकत्ता-27 में स्थित है (श्रीरूपानन्द अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार
श्रावकर एम्युरेन्सेम बलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-6-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राव की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और /या
- (ख) ऐसी किसी श्राव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय श्रावकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स होदस मेटल इंडस्ट्रीज (इंडिया) लि० रजि०
आफिस मि० 23, ट्रान्सपोर्ट डिपोट रोड, कल०-27। (अन्तरक)

2. मेसर्स यूनिवर्सल आटोक्राप्ट्स प्रा० लि० मि० 1,
ट्रान्सपोर्ट डिपोट रोड, कलकत्ता 27। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रावकर :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पस्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्रिमिसेज नं० पी-23, ट्रान्सपोर्ट डिपोट रोड कलकत्ता-27 में
अवस्थित 1701, 170 वर्ग मिटर जमीन पर मकान, रोड देवाल,
पिक्सार और फिट है।

आर० बी० लालमोया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II,
54 रफी अहमद किंदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 31-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-V, कलकत्ता

कलकत्ता 16, दिनांक 22 जनवरी 1976

निदेश सं० ए० सी० 40/अ० रे०-व/कल०/75-76—अतः
मुझे, एस० एस० ईनामदार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह,
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० मौजा बोन हृगली है तथा जो थाना बारानगर,
जिला 24 परगना में स्थित है (और इससे उत्तरांचल प्रभुत्वाधीन में
और पूर्ण रूप से वर्गित है), रजिस्ट्रीरता अधिकारी के कार्यालय,
काशिमुर 24 परगना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 3-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/ या *

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आदिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विक्रमजीत राय चौधरी । (अन्तरक)
2. मेसर्स कलकत्ता काश्मीर ट्रांसपोर्ट कं०। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा राकें।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के ग्रन्थाय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
ग्रन्थाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का क्षेत्रफल 7 कट्टा है जो मौजा बोनहुगली थाना
बारानगर जिला 24 परगना में स्थित है। दाग सं० 644, खतीआन
सं० 1392, 1393 दलीज सं० 5470 ता० 3-6-1975

एस० एस० ईनामदार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-V,
54, रफीअहमद फिदाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 22-1-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रजन्त रेज-V, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 जनवरी 1976

निदेश सं० ए० सी० 41/अ० रे० 5/कल०/75-76—
 प्रतः मुझे, एस० एस० इनामदार
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
 की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को,
 वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
 जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
 और जिसकी सं० मौजा बोनहुगली है तथा जो थाना बारानगर
 जिला-24 परगना में स्थित है (श्रीर इससे उपावड्ड अनुसूची में और
 पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काशीपुर
 जिला 24 परगना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
 का 16) के अधीन, तारीख 3-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के सिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार
 अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का
 कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
 का पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत
 उक्त अधिनियम के अधीन कर
 देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके
 बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम
 या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
 नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
 छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7—466GI/75

1. श्री विक्रमजीत राय चौधरी। (अन्तरक)

2. मेसर्स कलकत्ता कानपुर ट्रांसपोर्ट क०। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
 तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाक में
 समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
 किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तेश्वर
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
 उक्त अधिनियम के अध्याय
 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
 जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का क्षेत्रफल 7 कर्ता है जो मौजा-बोनहुगली थाना
 बारानगर जिला 24 परगना में स्थित है। दाग सं० 644, खत्तीआन-
 1392, 1393 दलील सं० 5475 ता 3-6-1975।

एस० एस० इनामदार
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज V,
 54, रकी अहमद किदवाई रोड,
 कलकत्ता-16

तारीख : 22-1-1976

मोहर :

प्रखण्ड आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-V, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 22 जनवरी 1975

निवेश सं० ए० मी० 42/अ० रे०-५/कल०/75-76—अतः
मुझे, एस० एस० इनामदार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 5-6-57 है तथा जो नार्थ ब्लाक 'सी'
बागुड पार्क कल० में स्थित है (आँरेडसे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 28-6-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त

सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत के अधिक
है और अन्तरित (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए यथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए.
ग्रोव/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितियों, को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित
हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग
के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों अथवा :—

1. मेसर्स बांगुड लैन्ड डेवलपमेंट कार्पोरेशन लि०। (अन्तरक)
2. मेसर्स परिवारकी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी अवित्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि आद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से
किसी अवित्त हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी
अन्य अवित्त हारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि का क्षेत्रफल 7 क० 5 छ० 40 वर्गफीट है जो प्लाट, 56
तथा 57 नार्थ ब्लाक 'सी', बागुड पार्क कलकत्ता में स्थित है। मकान
सं० 168, प्रिस अनवर शाह रोड, कलकत्ता-33, दलील सं०
3764 ता० 28-6-1975।

एस० एस० इनामदार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज V,

54, रफीअहमद किल्वाई रोड

कलकत्ता-16

तारीख : 22-1-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, V कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 जनवरी 1976

निदेश सं० ए० सी० 83/अ० रे० 5/कल०/75-76—अतः
मुझे, एस० एस० ईनामदार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसमें स० 166 है तथा जो प्रिस अनवर शाह रोड, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेहाला (आलिपुर) में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 25-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
षम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्षिति नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कार्रव देने वे अन्तरक के
दायित्व में कर्मी करन या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-गाँव
अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरकी वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के
लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री गोविन्द लाल वागुडा (अन्तरक)

2. मेसर्स बागुड लैन्ड डेवलपमेंट का० लि०। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवधियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले
में समाप्त होती है, र भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिवर्णित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमि का क्षेत्रफल 3 का० 8 छ० 25 वर्ग फॉट जो 166,
प्रिस अनवर शाह रोड कलकत्ता, थाना—टालिगज में स्थित है।
दाग स० 3/33, 3/34 और 17, खत्तीआन-121, 122, 3 और
4 दलील स० 3105 ता० 25-6-1975।

एस० एस० ईनामदार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज V,
54, रफीग्रहमद विदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 24-1-1976

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय,

अर्जन रेज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 जनवरी, 1976

निदेश सं० ए० सी० -44/ प्र० रे० -5/फल० / 75-76:—
श्रतः मुझे, एस० एस० ईनामदार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 166 है, तथा जो प्रिस अनवर शाह रोड कलकत्ता मे॒ स्थित है (और इससे उगाबद्ध अनुसूची मे॒ और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बहाला (आलिपुर) मे॒, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे॒ वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे॒ कमी करने या उससे बचने मे॒ सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे॒ सुविधा के लिए।

(1) श्री गोबिन्द लाल बागुड़।

(अन्तरक)

(2) मैर्स्स बागुड़ लैन्ड डेवलेपमेन्ट कारपोरेशन लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे॒ कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे॒ प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे॒ समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे॒ से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे॒ प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे॒ हित-बहु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित मे॒ किए जा सकेंगे।

इष्टीकरण — इसमे॒ प्रथुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे॒ परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे॒ दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का क्षेत्रफल 3क० 14छ० 18 वर्गफीट है जो 166, प्रिस अनवर शाह रोड, याना-टालिङंज कलकत्ता मे॒ स्थित है। दाग सं०—3/32, खतीआन सं० 123, मौजा-नोबिन्पुर दलील सं० 3068 ता० 24-6-75

एस० एस० ईनामदार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-V,
54, रफी अहमद किदवर्द्दी रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 24-1-1976

मोहर :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण मे॒ मै उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः:—

प्ररूप आई०टी०एन०एस०

(1) श्री गोविन्द लाल बगुर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

(2) मैंसर्स बगुर लैन्ड डेवलेपमेंट कारपोरेशन लि०।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-V, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 जनवरी, 1976

निदेश सं० ए० सी० -45/ अ० रे० 5 /कल०/ 75-76:—

अतः मुझे एस० एस० इनामदार

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा
269-ष(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 166 है तथा जो प्रिस अनवर शाह रोड,
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उत्तरदूर अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेहाला
(अस्सिपूर) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 18-6-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ जिसी की बाबत 'उक्त अधिनियम'
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का क्षेत्रफल 2 क० 15 छ० 11 वर्ग फीट है जो 166
प्रिस अनवर शाह रोड, थाना टालिंगंज, कलकत्ता में स्थित है।
दाग सं०—3/29 तथा 3/35 खत्तीश्वान सं०-124, 125, मोजा
गोविन्दपुर दलील सं० - 2979 ता० 18-6-75।

एस० एस० इनामदार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-V,
54, रफी अहमद किल्वाई रोड,
कलकत्ता-16.

तारीख : 24-1-1976

मोहर :

प्रस्तुप० आई० टी० एन० एस०——

(1) श्री गोविन्द लाल बागुड़।

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

मैसर्स बागुड़ लैन्ड डेवलेपमेंट कारपोरेशन लि०।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-V, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 जनवरी, 1976

निदेश सं० ए० सी०-46/ अ० रे०-५/ कल०/ 75-76:—
प्रतः मुझे एस० एस० ईनामदार
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 166 है, तथा जो प्रिस अनवर शाह रोड,
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, बेहाला
(ग्रामिपुर) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 21-6-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का क्षेत्रफल 2 क० 15 छ० 5 वर्गफीट है जो 166,
प्रिस अनवर शाह रोड थाना-टालिगंज, कलकत्ता में स्थित है।
दाग सं० 3/30, 3/34, खतिअन-123, 122 मीजा-गोविन्दपुर
दलील सं० 3014 तारीख 21-6-75

एस० एस० ईनामदार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-V,
54, रफीअहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 24-1-1976

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेज-V, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 जनवरी, 1976

निदेश स० ए० सी० 47/अ० रे० -5/कल०/75-76 :—

अतः मुझे, एस० एस० इनामदार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है

और जिसकी सं० 166, है तथा जो प्रिस अनवर शाह रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, बेहासा (श्रिपुर) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गोविन्द लाल बागुड़ ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स बांगुड़ लैन्ड डेवलेपमेन्ट कारपोरेशन लि० ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुन्दरी की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि का क्षेत्रफल 2 क० 11 ल० 3 बर्गफीट है जो 166, प्रिस अनवर शाह रोड, थाना-टालिंगंज, कलकत्ता में स्थित है । दाग सं० - 3/31, 3/32, खतीयान-121, 123 मौजा गोविन्दपुर दलील सं०—3048 ता० 23-6-75

एम० एम० इनामदार,

सकार प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेज-V

54, रफीग्रहमद किल्वाई रोड,
कलकत्ता -16.

तारीख : 24-1-1976

मोहर :

प्रॅलप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्री गोविन्द लाल बांगुड़ ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स बांगुड़ लैन्ड डेवलेपमेन्ट कारपोरेशन लि० ।

(अन्तरक)

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-V, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 जनवरी, 1976

निवेश सं० ए० सी० -48/ अ० रे० -5/ कल०/ 75-76:—

प्रतः मुझे, एस० एस० इनामदार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सधारण प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 166 है, तथा जो प्रिस अनवर शाह रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कायलिय, बोहला (अलिपुर) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-6-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का क्षेत्रफल 2 क० 8 छ० 4 वर्गफीट है जो 166, प्रिस अनवर शाह रोड, याना-टालिङंज, कलकत्ता में स्थित है। दाग सं०—3/31, 3/32, खतिआन सं०—121, 123, मौजा गोविन्दपुर दलील सं० - 3049 ता० 23-6-1975।

एस० एस० इनामदार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-V, कलकत्ता
54, रफीअहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता - 16.

तारीख : 24-1-1976
मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, ज्योती विल्डर्स, गोपाल प्रभु रोड, एरणाकुलम
कोच्चीन-11

कोच्चन, दिनांक 28 जनवरी, 1976

निदेश सं० ए८० सी० 49/75-76:—यतः मुझे, एम०
एम० कुरुप

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

ओर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो आलप्पी-
जिला के अग्न्याट विलेज में स्थित है (ओर इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
आलप्पी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 3-5-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है ओर मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह
प्रतिशत से अधिक है ओर अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपस्था (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
8—466GI/75

- (1) श्री तंज्जन पिलै (2) कृष्णस्वामी पिलै (3)
लक्ष्मण पिलै (4) जोपिनाथा पिलै (5) पार्तसारथी
(6) राजन (7) सुब्रमण्या पिलै (8) पोनमाल
(9) राजमाल (10) अर्जून पिलै (11) बालहरि-
हरन (12) मत्यमूर्ति (13) पोनमाल (4) रंच-
कन (15) शनित्त (16) सेनुलकप्रभा (17) राज-
लक्ष्मी, डाक्टर पी० शनित्तमाल, पुत्तनवीड, ए० एन०
सी० 29/717, तुम्बोली, आलप्पी-7।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि अवद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रमाण सं० 1168/75 के अनुसूची के अनुसार।

एम० एम० कुरुप,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एरणाकुलम

तारीख : 28-1-76

मोहर :

प्रलूप श्राई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 जनवरी 1976

सं आर० ए० सी० 236/75-76:—यतः मुझे, के० एस०
वेंटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 40/39 कल्लूर मोजा है, जो कर्नूल में
स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कर्नूल में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 12-6-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती कोटी बीरम्मा पत्नी पी० वाबजी ए० सी०
थीट्स द्वारा, कर्नूल ।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० निम्मारेही (2) श्री जी० हनुमंता रेही (3)
श्री जी० श्रीनिवास रेही पुत्र विलपाकशी रेही अवस्थक
उनके पालक माता श्रीमती जी० सुमित्रम्मा द्वारा,
गज्जी हल्ली, आलूर तालूक
(4) श्री एच० नम्मारेही (5) श्री गोपाल रेही
(6) श्री उदय शंकर रेही पुत्र धर्मा रेही आदोनी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी अवित्यों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों में से किसी अवित्य के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य अवित्य होती हो, अधोहस्ताभरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 40/39 जो सर्वे नं० 781/ए२/२ सी०, कल्लूर मोजा
कर्नूल नगर पालिका के क्षेत्रमें स्थित है।

के० एस० वेंटरामन
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 28-1-76

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस० —————

(1) श्रीमती पी० कोटी वीरमा पत्नी पी० बाजारी,
एन० आर० पेटा, कर्नूल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 जनवरी 1976

सं० आर० ए० सी० 237/75-76:—यतः मुझे, के० एस०
बैकटरामनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० 781/ए२/२ सी० -४०/३९ कर्नूल है,
जो कर्नूल में स्थित है (और इससे उपोवरु अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय,
कर्नूल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 12-6-1975 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(2) श्री जी० निम्मारेहु और अन्य दो व्यक्ति, गज्जी हूल्ली

(2) एच० उदय शंकर (3) एच० गोपालरेहु

(4) एच० नम्मारेहु पुत्र धर्मरेहु आदोनी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आनन्द ए० सी० थीटर्स, जो स्ट्रीट नं० 40/39 (जमीन तथा
इमारत) सर्वेनं० 781/ए२/२ सी० कर्नूल में स्थित है।के० एस० बैकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 28-1-1976

गोहर :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्र० आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़ हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 जनवरी 1976

सं० प्रा० ए० सी० 238/75-76:—यतः मुझे, के० ए० स०

बैंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वैन० 781/ए२/२ सी०-४०/३९ कल्लूर मौजा है, जो कर्नूल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, कर्नूल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-६-१९७५

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तर से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कोटी बीरम्मा पल्ली पी० बाबजी ए० सी० थीटर्स द्वारा, कर्नूल।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० निम्मारेड्डी (2) श्रीहनुमंता रेड्डी (3) श्रीनिवास रेड्डी पुत्र विरुपाक्षाशी रेड्डी, अवस्यक जिनके पालक माता श्रीमती जी० सुमित्रम्मा द्वारा, गज्जी हल्ली, आलूर तालुक

(4) श्री एच० नम्मारेड्डी (5) श्री गोपालरेड्डी
(6) उदय शंकर रेड्डी पुत्र धर्मा रेड्डी आदोनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताखरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"श्रानन्द ए० जी० थीटर्स" स्ट्रीट नं० 40/39 (जमीन और ईमारत) सर्वै नं० 781/ए२/२ सी० - कर्नूल।

के० ए० स० बैंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, हैदराबाद

तारीख : 28-1-1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 जनवरी 1976

सं० आर० ए० सी० 239/75-76:—यह: मुझे, के० एस०
बैकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 40/39 आनन्द ए० सी० थेटर कर्नूल है,
जो कर्नूल में स्थित है (प्रौढ़से उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कर्नूल
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 12-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती कोटी वीरमा पत्नी पी० बाबजी ए० सी०
थीटर्स द्वारा, कर्नूल। (अन्तरक)
- (2) सर्व धी जी० निम्मारेड्डी (2) हनुमंता रेड्डी (3)
श्रीनिवासा रेड्डी पुत्र विहनाकारी रेड्डी अवस्थक जिनके
पालक माता श्रीमती जी० सुमित्रामा द्वारा गज्जी
हल्ली, आलूर तालूक
- (4) धी एच नम्मा रेड्डी (5) गोपाल रेड्डी (6)
उदय शंकर रेड्डी पुत्र धर्मा रेड्डी आदोनी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति पेप नं० 40/39 आनन्द -ए० सी० थीटर्स-कर्नूल।

के० एस० बैकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 28-1-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 जनवरी 1976

सं० आर० ए० सी० 240/75-76 :—यतः मुझे, के० एस० वैंकटरामन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5-9-989/990/991 निजामशाही रोड है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-6-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः शब्द 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थात् :—

(1) श्री मुस्तफा हुसेन पुत्र भासन हुसन, 15-1-952 सिद्दिम् बाजार, हैदराबाद। (अन्तरक)

(2) मैसर्सं संजीव कुमार धामजी, भागीदार श्री लखामशी धल्लाभाई और अन्य भागीदार, 5-2-468 हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नया जमीन 5-2-989, 990 और 991 पहला मंजला नं० 5-2-468 और 999/ए, निजाम शाही रोड, हैदराबाद।

के० एस० वैंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 28-1-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

4/14-ए आसफ श्रीली रोड, नई दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० / एक्स० 1/एस० आर०-III/
जून-1/819/75-76:—यतः मुझे, चं० वि० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० ई-213 है, जो घेटर कैलाश -11, नई-
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन, 4 जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पच्छह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
प्रत्यरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मैसर्स डी० एल० एफ० यूनाईटेड लि०, 30-एफ,
कनाट प्लैस, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री प्रमात्मा सरन, गोद लिया मुप्रूत्र श्री भारु सिंह,
गांव तथा पोस्टआफिस चिता दुंगरा, तहसील रिवारी,
जिला भाहेन्दरगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट की भूमि जिसका नं० 213 ब्लाक नं० ई है, केन्व-
फल 251 वर्गगज है और जोकि निवासी कालौनी घेटर कैलाश-II
बाहापुर गांव, दिल्ली की यूनियन टैरीटरी, नई दिल्ली में है ।
यह प्लाट निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व: सर्विस लेन

पश्चिम: रोड़

उत्तर: प्लाट नं० ई-215

दक्षिण: प्लाट नं० ई-211

चं० वि० गुप्ते
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 30 जनवरी, 1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज -1, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड़, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य० 1/ ए० स० आर०-III/
आक्टूबर, -11/9/984/75-76:—यत् मुझे, च० वि० गुप्ते
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० न० 8, ब्लाक न० 134 जी 15 कर्जन
रोड़, नई दिल्ली, मे॒ स्थित है (और इसमे॒ उपावड़ अनुसूची मे॒
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली मे॒ रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 18-10-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे॒ वास्तविक रूप से
कथित नही॒ किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यालय मे॒ कमी करने या उससे बचने मे॒ सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नही॒ किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने मे॒ सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ
के अनुसरण मे॒ मे॒ उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपस्थाता (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथात्:—

(1) श्री नरमिंग दास, मुमुक्षु श्री शशि दास (2) श्रीमती
राधा, नानी, पन्नी श्री परमिंग दास (3) श्री०
उमेश दास (4) श्री राजेंद्र सेठ (5) श्री राहुल सेठ,
सभी सुपुत्र श्री० नरमिंग दास, निवासी 815, कटरा
नील, चौदानी चौक, दिल्ली। लेकिन अब ए-15,
ग्रीन पार्क नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० न्यू दिल्ली होटल्स लि०, इनका रजिस्टर्ड ऑफिस
होटल एम्बेस्डर सुजान सिंह पार्क, नई दिल्ली-31
इनके डायरेक्टर श्री राम प्रसाद के द्वारा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे॒ कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे॒ प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्वारी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील मे॒ 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे॒
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे॒ मे॒
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे॒ प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे॒ हितष्ट
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित मे॒ किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे॒ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क मे॒ परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे॒
दिया गया है।

अनुसूची

एक लीहोल्ड प्लाट जिसका नं० 8, ब्लाक नं० 134 है,
15 कर्जन रोड़, नई दिल्ली मे॒ है तथा क्षेत्रफल 1.10 एकड़
(4980.20 वर्गगज) है। लेकिन अब 15, कस्तूरबा गांधी
मार्ग, नई दिल्ली से जाना जाता है। यह प्लाट निम्न प्रकार से
स्थित है:—

पूर्व: कस्तूरबा गांधी मार्ग

पश्चिम: सर्विस रोड़

उत्तर: नं० 17, कस्तूरबा गांधी मार्ग

दक्षिण: टालसटाए मार्ग

वि० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 27 जनवरी 1976

मोहर:

प्रब्लप पाई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी, 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० / 1 एस० आर०-III/
1003/प्रकटूर,-11/(34)/75-76:—यतः मुझे, चं० वि०
गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
और जिसकी सं० III-1/9 है जो लाजपत नगर, नई दिल्ली
में स्थित है (श्रीरामद्वारा अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
31-10-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री कुसदीप मलहोत्रा, मुफ्त श्री के० एस० मलहोत्रा
सी-III/42, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री दर्शन सिंह, मुफ्त श्री हरी मिह, 72, नेशनल पार्क
लाजपत नगरै नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक घराट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 200 वर्गगज है और
नं० III-1/9 है, तथा जोकि लाजपत नगर, नई दिल्ली में
है। यह घराट निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : लेन

पश्चिम : रोड

उत्तर : जायदाद नं० III-1/8

दक्षिण : जायदाद नं० III-1/10

चं० वि० गुप्ते
सबम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 30-1-76

मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जनवरी, 1976

निवेश सं० 323/अर्जन/आगरा/75-76-2529—अतः मुझे
विजय भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची
के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय आगरा
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1903 का 16) के अधीन
तारीख 2-6-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में बारतीक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, मिथाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) डॉ उल्लपमेन्ट इंस्ट (प्रा०) लि० ६ एम० जी०
रोड, आगरा द्वारा इंस्ट के निदेशक श्री मनीष चन्द्र
गुप्त और सुरेश चन्द्र गुप्त ।

(अन्तरक)

(2) मेकेजीज लि०, आचार्य डोडे साथ, सीवरी, वर्माई
द्वारा उनके अटार्नी श्री एस० एम० जैन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

गांधी नगर आगरा में स्थित श्रवत सम्पत्ति जिसमें प्लाट
75 पश्चिमी भाग शामिल है, जिसका अन्तरण 13750 रु०
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए किया गया है।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज कानपुर

तारीख : 6-1-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 जनवरी 1976

निवेश सं० 754-ए० /अर्जन/मथुरा/75-76-2564—अतः
मुझे एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची
के अनुसार में स्थित है (ग्रो इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, मथुरा
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 23-8-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्य पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत 'उक्त अधिनियम',
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मनमोहन सिंह पुत्र श्री महान सिंह निवासी मौजा
बसोती, जिला मथुरा।

(अन्तरक)

(2) श्री बिपती सिंह पुत्र श्री बल्ला सिंह (2) श्री लाल सिंह

(3) श्री राजेन्द्र सिंह पुत्र श्री विपती सिंह निवासी
शुनसारा तहसील कम्हरे जिला भरतपुर (राजस्थान)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि 101 एकड़ का 1/4 हिस्सा जिसका
धोनफल लगभग 25 एकड़ है और जो मौजा बसोती जिला मथुरा
में स्थित है, 20,000) रु० मूल्य में हस्त आन्तरित किया गया
है।

एफ० जे० बहादुर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर,

तारीख : 22 जनवरी, 1976

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 जनवरी 1976

निर्देश सं० 755-ए/ अर्जन/ मथुरा/ 75-76-12565— अतः
मुझे एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी रां० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो अनुसूची
के अनुसार में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, मथुरा
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 23-8-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

(1) श्री इन्द्र जोत सिंह पुल श्री महान सिंह निवासी मौजा
बसौती पोस्ट राधा कुन्ड जिला मथुरा

(अन्तरक)

(2) श्री बद्री प्रसाद (2) श्री हरमन सिंह (3) निरंजन
सिंह (4) सत्यमान सिंह (5) सुरजन सिंह बाबाकिसान
पुनर्गण श्री बद्री प्रसाद निवासी मौजा गुनसारा पोस्ट
बास जिला भरत पुर (राजस्थान)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि 101 एकड़ का 1/4 हिस्सा जिसका
क्षेत्रफल लगभग 25 एकड़ है और जो मौजा बसौती जिला मथुरा
में स्थित है, 20,000) रु० मूल्य में हस्त अन्तरित किया गया
है।

एफ० जे० बहादुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 22 जनवरी 1976

मोहर .

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, तारीख 22 जनवरी 1976

निर्देश मा० 756-ए०/अर्जन/मथुरा/75-76—अतः मुझे,
एफ० जे० बहादुर,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त स्थावर सम्पत्ति के अन्तरित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के कायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्री हरचरण सिंह पिसर, श्री महान सिंह निवासी ग्राम कसौती पो० राधाकुण्ड तहसील व जिला मथुरा (अन्तरक)

2. श्री बारे सिंह पुत्र श्री कल्ला सिंह (2) शेर सिंह पुत्र श्री कारे सिंह (3) रत्न सिंह (4) रनवीर सिंह (5) बीरपाल सिंह (6) सतबीर सिंह नावालिगान कारे सिंह निवासी ग्राम खास तहसील कुम्हेर जिला भरतपुर (राजस्थान)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि 101 एकड़ का 1/4 हिस्सा जिस का क्षेत्रफल लगभग 25 एकड़ है और खसरा न० 24/74, 30/44 और 31/20 में सम्मिलित है और जो मौजा कसौती जिला मथुरा में स्थित है, 20,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

एफ० जे० बहादुर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 22-1-76

मोहर :

प्र० श्री सरजीत सिंह पुन० श्री महान सिंह निवासी मौजा
वसौती पोस्ट राधाकुण्ड जिला मथुरा। (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर तारीख 22-1-76

निर्देश सं० 757-ए०/अर्जन/मथुरा/75-76—अतः मुझे,
एफ० ज० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सरजीत सिंह पुन० श्री महान सिंह निवासी मौजा वसौती पोस्ट राधाकुण्ड जिला मथुरा। (अन्तरक)
2. श्री हीरा सिंह पुन० बल्ला सिंह (2) करतार सिंह वालिंग (3) रिषीपाल सिंह (4) आसा राम (4) देश-राज सिंह (6) राजेन्द्र पाल सिंह (7) सुजान सिंह नावालिंगान पूत्रगण श्री हीरा सिंह निवासी मौजा सुनसारा तहसील कुम्हेर जिला मथुरा भरतपुर (राजस्थान) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि 101 एकड़ का 1/4 हिस्सा जिसका क्षेत्रफल लगभग 25 एकड़ है और जो मौजा वसौती जिला मथुरा में स्थित है, 20,000 रु० में हस्तान्तरित किया गया गया है।

एफ० ज० बहादुर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
(अर्जन रेंज), कानपुर।

तारीख: 22-1-76

मोहर:

प्रस्तुति श्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, तारीख 22 जनवरी 1976

निदेश सं० 59-बी०/अर्जन—अतः मुझे, बिश्वभर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 23 और 84 है तथा जो ग्राम बढ़पुरा जि० मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-7-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूट विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दृढ़ि किसी आय की बाबत ‘उक्त अधिनियम’ के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या ‘उक्त अधिनियम’ या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब ‘उक्त अधिनियम’ की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- | | |
|--|------------|
| 1. श्री बलवन्त सिंह | (अन्तरक) |
| 2. श्री बलवीर सिंह | (अन्तरिती) |
| को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लाग्याहियां करता हूँ। | |

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि न० 23 और 84 जिसका क्षेत्रफल 8-93 एकड़ है। जो कि ग्राम बढ़पुरा मजरा महेशपुर खेम-जिला मुरादाबाद में स्थित है।

बिश्वभर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 22-1-76

मोहर् :

पर्लप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री पुरत चन्द्र चौधरी

(अन्तरक)

2. श्री वृज मोहन मेहरा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण).

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 26 जनवरी 1976

तिर्देश सं० 60-बी०/अर्जन—अतः मुझे, विश्वास भर नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो मल्ली ताल जि० नैनीताल मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नैनीताल मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, तारीख 8-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मे उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क मे परिभासित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आशिक व्यापारिक भवन जिसमे दो दुकाने, एक स्टोर रूम भूमि तल पर, और सात कमरे प्रथम तल पर है। जो कि मल्ली ताल जि० नैनीताल मे स्थित है।

विश्वास भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ।

तारीख: 26-1-1976

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, तारीख 27 जनवरी 1976

निदेश सं० 24-डी०/अर्जन—अतः मुझे, विश्वास नाथ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ बहा गया है)
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 384, 389, है तथा जो मौजा मण्ड्या
जयराम टप्पा गढ़ी से जिंदगानी में स्थित है (और इससे
उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, आजमगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-7-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, ‘उक्त अधिनियम’, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्राहितयों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या ‘उक्त अधिनियम’, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथतः—

10—466GI/75

1. श्री कैलाश प्रसाद

(अन्तरक)

2. श्री देवी प्रसाद जायमवाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंदंध में बोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-के में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दृष्टि भूमि न० 384, 389, जिसका कुल क्षेत्रफल
126 कड़ी है। जो कि मौजा मण्ड्या जयराम टप्पा
गढ़ी परगना निजमावाद जिला आजमगढ़ में स्थित है।

विश्वास नाथ
सक्षम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 27-1-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०

1. डा० के० बी० मायुर (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. गोला गंज को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०

269-ब (1) के अधीन सूचना

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज लखनऊ

लखनऊ, तारीख 22 जनवरी 1976

निदेश सं० 29-जी०/अर्जन—अतः मुझे, विष्णुभर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें उनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० प्लाट नं० 8 है तथा जो जगत नारायण रोड, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-7-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुमति, में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिति :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन भी अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला प्लाट नं० 8 जिसका क्षेत्रफल 42,000 वर्ग फिट है। जो कि 55, जगत नारायण रोड लखनऊ में स्थित है।

विष्णुभर नाथ
सक्षम अधिकारी
भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ।

तारीख . 22-1-1976
मीहर,

प्रृष्ठा आई० टी० एन० एस०

१. श्रीमती कुसुम बेनी लाल

(अन्तरक)

२. श्री नरेन्द्र सिंह

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज लखनऊ

लखनऊ तारीख 23 जनवरी 1976

निदेश सं० एन०/अर्जन—अतः मुझे, विश्वास भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० बी० -1/122-सी०-2 बी०-2 है तथा जो डुमराव वाग कालोनी शहर आगामी में स्थित है (ओर इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगामी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-7-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्या नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविद्धा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में मुविद्धा के लिए;

अतः बब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मेरे 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किनारा मकान का आधा भाग जिसका न० बी० 1/122-सी० 2-बी०-2 जो कि डुमराव वाग कालोनी मुहल्ला अम्सी शहर आगामी में स्थित है।

विश्वास भारतीय
गश्तम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 23-1-1976

मोहर :

प्र० श्रीमती कुमुम बेनीलाल ।
(अन्तरक)

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्रामुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 20 जनवरी 1976

निर्देश मा० 45-पी०/अर्जन—ग्राम: मुझे, विश्वम्भर नाथ ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सा० बी० 1/122-सी० 2-बी० 2 है तथा जो उमराव बाग कालोनी शहर वाराणसी में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-7-1975 को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में बमो करने या उससे बघने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या घर्मो धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनन्वार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्राम: श्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राहीत :—

1. श्रीमती कुमुम बेनीलाल ।
(अन्तरक)
2. श्रीमती प्रेगा सिह ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक किला मकान का आधा भाग जिसका नं० बी० 1/122-सी० 2-बी०-2 जो कि उमराव बाग कालोनी मु० अस्ती शहर वाराणसी में स्थित है।

विश्वम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्रामुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख: 20-1-1976
मोहर.

प्रूप आई० टी० एन० एस०-

1. श्रीमती आलोका वासु

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. श्री प्पारे लाल

(अन्तरिती)

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 27 जनवरी 1976

निवेंश मं० 46-पी०/अर्जन—अतः मुझे, बिंगम्भर नाथ, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और और जिसकी सं० 58 है तथा ठैगैर टाउन-इलाहबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इलाहबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-8-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थातः:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यषाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दू बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता भकान नं० 58 जो कि ठैगैर टाउन-इलाहबाद में स्थित है।

बिंगम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 27-1-1976

मोहर :

प्रृष्ठा आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, तारीख 27 जनवरी 1976

निंदेश स० 47-पी०/अर्जन—अतः मुझे, विशम्भर नाथ,
आयकर अधिनियम, 1961
(1961 वा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राविकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी स० 192 और 187 हैं तथा जो ग्राम हरवारा
तहसील चायल जि० छलाहावाद में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पृष्टि में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, छलाहावाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908^१ (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-7-1975 को
पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तेसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकाट नहीं किया गया था, या किया जाना
चाहिए था लिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व के अनुसरण
में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्,—

1. श्री अब्दल रशीद (अन्तरक)
2. दी प्रयाग उपनिदेशन आवास एवं निर्माण सहकारी
समिति लि० (अन्तरिती).

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की प्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि
जो भी अवधि बाव में समाप्त होती है, के भोतर
पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से, विसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितदद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट न० 192 और 187 जिसका कुल क्षेत्रफल 1
घोड़ा-9 विस्त्रा और 16 विस्त्रा है। जो कि ग्राम हरवारा
तह० चायल जि० छलाहावाद में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख: 27-1-1976
मोहर.

प्रस्तुति आईटी०एन०ग्र०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज. लखनऊ

लखनऊ, तारीख 27 जनवरी 1976

निदेश मा० ४७३०(बी०)/अर्जन—अतः मुझे, विश्वास नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मा० 191, 187 है तथा जो ग्राम हरवारा नह० चायल जि० छलाहाबाद मे० स्थित है (और इससे उपवाल अनुभूति में और पूर्ण रूप मे० वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, छलाहाबाद मे० रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 25-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे० कमी करने या उससे बचने मे० सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे० सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण मे०, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथमतः:—

- | | |
|---|------------|
| 1. श्री अब्दुल रहीद | (अन्तरक) |
| 2. दि प्रयाग उपनिदेशन आवास प्रबन्ध निर्माण सहकारी समिति लि० | (अन्तरिती) |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्वेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे० से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे० हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताश्री के पास लिखित मे० किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क मे० परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे० दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट ना० 191, और 187 जिसका क्षेत्रफल 1 बीघा 11 बिस्ता और 10 बिस्ता है। जो कि ग्राम हरवारा नह० चायल जि० छलाहाबाद मे० स्थित है।

विश्वास नाथ
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख: 27-1-1976
मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०-----

आयत्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 जनवरी 1976

निर्देश सं० 80-आर०/अर्जन--अतः मुझे, विशम्भर नाथ प्रायत्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), नी धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह निष्कास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1736-1737 व 205 है तथा जो ग्राम फरेन्दा शुक्ल जिला गोन्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गोन्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 11-7-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित वी गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया निफल (निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नियित नहीं किया गया है) :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे भचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. कुमारी तिमका

(अन्तरक)

2. कुमारी राम गुलाम व अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है ।

अनुसूची

दृष्टि भूमि नं० 205, 1736, 1737, जिसका क्षेत्रफल 13-16 एकड़ है । जो कि ग्राम फरेन्दा शुक्ल जिला गोन्डा में स्थित है ।

विशम्भर नाथ
मत्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 22-1-1976

मोहर:

प्रश्न आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ तारीख 22 जनवरी, 1976

निदेश सं 108-एस/अर्जन/75-76/2401—अतः,
 मुझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है—तथा जो मो० आलम गीरी गंज जि० बरेली में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11—466GI/75

1. श्री महेन्द्र कुमार गोयल

(अन्तरक)

2. श्री शिव सरन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान का आधा भाग जो कि मोहल्ला आलम गीरी गज जिला बरेली में स्थित है।

विशम्भर नाथ
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 22-1-1076

मोहर:

प्रसूप प्राईंटी०एन०एस०— —

**प्रायकर भूमिनियम, 1961 (1961 का 43) की वाल्य 16
269-ष (1) के प्रधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जी में रेज

१०/६१ एरडवना, कर्वे रोड, पंता

पुस्तक 411004 तारीख 28 जनवरी 1976

निर्देश सं० सो० ए० / ५/जन/ ७५/हवासा/ II(पुना)/ २६४/ ७५-
७६—पता: मस्ते, एक० एस० ओलख

प्रायकर प्रधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त 'अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन संसाधनाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० सर्वे क्रमांक 415 हिस्सा, 1 बी है, तथा, जो मोसरी, (पुना) में स्थित है (ग्रोर इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्च अधिकारी के कार्यालय, हवेली-II पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक से रूपांकित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत 'उष्ट अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्वरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' द्वारा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का '२८') के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः, अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की १० धारा १ २६९-क को उच्च-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यवितयों, अंकसंख्या-

1. श्री रणछोडास मधुरादास गोकुलदास (2) श्री मुल-राज द्वारका दास गोकुलदास, 53-57 लक्ष्मी इन्सोरेंस बिल्डिंग सरायी पी० एम० रोड बंबई (भ्रष्टारक)
 2. (1) श्री छोटभाई तांजमहमद अमलानी (2) श्री सद्दुहीन मंगलानी खोजा 4 बोट क्लब रोड पुना-1 (ग्रन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तम सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उस स्थावर सम्पत्ति से दिल्ली किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोस्ताधीनी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों 'और पद्धति' का, जो 'उच्चत
प्रधिनियम', के अध्याय 20-के 'में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उसे 'प्रधानमें' दिया
गया है।

अन्तस्थी

फाहालड खुला प्लॉट सर्वे सं 415 हिस्सा अं 1-बी०
मोजे मोसरी, तहसील हवेली जिला पुना क्षेत्रफल-1 एकड़
20 गडे (0.62 एकड़) (जैसी की रजिस्ट्रीकृत विलेख
(क्रमांक 1381, जून, 1975, में सब रजिस्ट्राइड हवेली) II पुना
के, द्रष्टव्य सौ. लिखा है)।

संचय एस० श्रीलक्ष्मी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
थर्जन रेज, पुना

तारीख : 28-1-1976
मोहर :

(क्र० ८८५) प्रसूप आई० टी० एन० एस०।

(ହିନ୍ଦୀଭାଷା)

* विधायकर मध्यनियम, 1961 (1961 का 43) की १३ वारा 269-घ (1) के अधीन सुधना।

भारत सरकार

मैं छात्रि कार्यसिलेंगे सहायक आयकर आयवत् (निरीक्षण)
मैं छात्रि हूँ। मैं भी आयवत् देखना चाहता हूँ।

निदेश सं० 3332/75-76—यतः मझे, जी० बी०
मीवार की उत्तरार्थी की विवाह सं० 3332/75-76—यतः मझे, जी० बी०
भौद्धीकरू प्राधिनियम् १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
हस्तक्षेपशात् उक्त अधिनियम् कहा गया है), की धारा २६९-ख
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवाह संकरने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- लौं
सं० प्राधिकरू है
श्रीजीसकी स० प्लॉट सं० ४०, अलमलमगापुरम है तथा जो
श्रान्तिवासपुरम, तन्जाऊर में स्थित है (अतः इससे उपवाद
प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय, जे०एस०आर०-१, तन्जाऊर
डाकुमेट सं० १७४९/७५ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८
(१९०८ का १६) के अधीन, तारीख २-५-१९७५
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विवाह संकरने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का यद्यपि अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तर्की) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उत्तरार्थी से उक्त अन्तरण लिखित में व्यस्तिकृत स्व-
बोक्षित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी भाष्य की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्क के दायित्व में कभी करने या उससे बधने में सविधा के लिए ; और/या

कानूनों के अन्तर्गत किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों
शिक्षणों और जीवन्ति भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(प्रायिति) 1922 का 114 वाले अक्त अधिनियम, या छन-कर
प्राय, 11 प्रतिलिपि, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
पन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यदि उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के स्वरूप सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्ति:-

—१३४ श्री॥ एम० वर्षकनू । १३५ (प्रत्यरक)
 १३६ २३ श्री॥ के प्रस्तुतोऽस्मद्विषये । मुदत्तिसार् (प्रत्यरकीये)।
 को यह सुखना जागीकारको धूमोऽस (उमेलि) के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियाँ करता हैं ।

उक्त सम्पर्क के विषयक सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

अमृसरी

प्रस्तुतीकृत अधिकारी का सम्मिलन करने के लिए विभिन्न प्रशंसनीय विद्युतों का उपयोग किया गया है। इनमें से एक विशेष विद्युत विभाग ने एक विशेष विद्युत का उपयोग किया है, जो विभिन्न प्रशंसनीय विद्युतों का उपयोग किया है। इनमें से एक विशेष विद्युत का उपयोग किया है, जो विभिन्न प्रशंसनीय विद्युतों का उपयोग किया है।

प्रधानमंत्री के १९८० वर्ष के मंजूरी के बाद इसका अधिकारी
 के (१) प्रधानमंत्री के १९८० वर्ष के मंजूरी के बाद इसका अधिकारी
 तारीख: 23-1-1976—। इसका अधिकारी एवं उनकी जिला विभाग
 मोहर:

प्रलेप शाई० टी० एन० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास तारीख 20 जनवरी 1976

निर्देश सं० 2489/75-76—यतः मुझे, जी० वी० शावक
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सकम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० आर०एस० सं० 979, है तथा जो कूनूर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रन्तुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी का कार्यालय, कूनूर
डाकुमेंट सं० 595/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 के 16) अधीन, तारीख 00-5-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये,
और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती एन० आदेश (अन्तरक)

(2) श्री ए० जे० अम्बोस (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शासेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहरसाक्षाती के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण :—इसमें प्रथमों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कूनूर में 49 सेट की भूमि (मकान के साथ) जिसका
आर०एस० सं० 979।

जी० वी० शावक
सकम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 20-1-1976

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस. —————

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर तारीख 29 जनवरी 1976

निर्देश सं. पी.०.ए.व०.जी०/208/75-76—बतः मुझे बी०

आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. 1/2 सम्पत्ति है तथा जो रत्नपुरा मोहल्ला फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1975

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्णोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरण (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छूट या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावै अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अवतार सिंह पुत्र श्री प्रीतम सिंह, प्रीतम बाग (संचू फार्म) नजदीक जगत्तीर्त टैक्सटाइल मिल्स, फगवाड़ा (अस्तरक)

2. श्री गुरमेज सिंह पुत्र श्री चानन सिंह, गांव प्रतापपुरा त० फिल्मोर जिला जालधर, भव मोहल्ला रत्नपुरा नजदीक संचू फार्म, फगवाड़ा। (अस्तरिती)

3. जैसा कि नं. 2 पर है और किरायेशार यदि कोई (वह अवित्त जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई अवित्त जो सम्पत्ति में हच्छ रखता है (वह अवित्त जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी अवित्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिविल में किए जा सकेंगे।

इष्टवाहिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 सम्पत्ति रत्नपुरा मोहल्ला में (नजदीक संचू फार्म) फगवाड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 267 मई 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा में लिखा है।

बी० आर० सगर
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 29-1-76

मोहर:

द्वितीय श्रेणी का सहायकांश कराया गया था (निरौपण)। ८
से अधिक निपटनी इज़्ज़त मूल सर
(१००५)

ਪ੍ਰਾਚੀਨ ਹਿੰਦੂ ਮੰਨਸ਼ਾਵ ਵਿਖੇ 200 ਲੁਕਾਵਾਂ ਵਿੱਚੋਂ 150 ਵਿੱਚੋਂ ਪੈਂਡਾਂ ਵਿੱਚੋਂ

४१ प्रसिद्ध अधिकारी का वार्षिक बजेट, 239, 75-76—यतः मुझे
मी। अर्थात् संग्रह में नीचे लिखा है।

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् लिखा गया अधिनियम कहा जाता है) का अन्त इस तरीके
की धारा 269-व के अधीन, स्थानीय आदिकालीकारी के संबंध
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसका उचित मूल्य स्थावर सम्पत्ति की अपेक्षा अधिक है।
मोहल्ला, करवाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाधिकारी नाम सुना ची
में और एक दूसरी वार्षिक रिपोर्ट में भी उल्लेख है) रिपोर्ट कठोर अधिकारी के
कायालय परिवारों में राजस्व करण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तात्परता में 1975-

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य संकेत के दृष्ट्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूर्ट विवेक के भनुसार अन्तरित की गई है और मझे यह विवास करने का कारण है कि यथा-पद्धति सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य उसके वृद्ध्यमान प्रतिफल से है, ऐसे वृद्ध्यमान प्रतिफल का प्रदृश प्रतिशत अधिक है और H.P. के अन्तरित अन्तरितियों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पार्टी भीया प्रतिफल, निम्नसिखित छहवें से उभय अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—
उपरोक्त अन्तरण से ही किसी आय की बाबत 'उक्त अपनी प्राप्ति' के अधीन कर्त्ता के अधीन अपनी के अन्तरित के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(स) ऐसी किसी धाय प्रभावकर्ता द्वारा अन्य आस्तियों
 (मात्र एवं कोई विनियोग साक्षीकृत अधिकारी) १९२२
 २८। इस (१९२२ वर्षीय) नक्शे पर्याप्त अधिकारी
 मा एक ही अधिकारी १९५२ (१९५७ वर्षीय)

इसी लिए वह अपनी कामों का अधिकारी बन गया। इसके बाद उसने अपनी कामों का अधिकारी बन गया। इसके बाद उसने अपनी कामों का अधिकारी बन गया।

(અભિવૃતી) એમારું એકમણે કરાન્સ

उच्चारितः धूर्व, उक्तं प्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रन्त-
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपर्युक्त
(1) के प्रधीन निम्नलिखित अवलियों पर्याप्ति—

- १. श्री अवतार सिंह पुत्र श्री प्रतिम सिंह, प्रतिम बाग (संघू फर्म) (त्रिपुरा), अगरतला, इन्द्राजाल उपमिल्य कर्गवाडा। (अन्तर्क)

2. श्रीमती तरसेस कौर पुर्वी श्री चानन सिंह और पत्नी श्री गुरमेज सिंह, गांव प्रतापपुरा तृष्णा फिल्डोर जिला जालन्धर अब मोहल्ला रत्नपुरा नजदीक संघ कार्म, फगवाड़ा।

- (१०८५-६) एकांक एकांक एकांक, एका(सत्तरी)

3. जैसा कि नं० २५८ है नियम अनुसार विरायेदार यवि कोई
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो अस्थिर समांकित हैं उन्हें रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
०५८४८ नाम - योनिता (ये एक व्यक्ति व्यापारी है जिसका नाम योनिता है)

परे इह सूक्ष्मा जारी करके पूर्णकर्त्ता सम्पत्तियों की विन के अस्तित्व
का अन्वेतावा तिकुल शुक्रमन्त्री है। १३८ विन कठोर विषय कठोर (विषय कठोर)
इह विषय कठोर है विन के १३८ विन कठोर विषय कठोर (विषय कठोर)
जहाँ विषय कठोर के अन्वेतावा के सबध में कठोर भी आक्षेप कठोर
है कठोर विषय कठोर है विन कठोर विषय कठोर (विषय कठोर)
विषय कठोर के विषय कठोर के विषय कठोर (विषय कठोर)
विषय कठोर के विषय कठोर के विषय कठोर (विषय कठोर)

अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है।

वहाँ अर्थ हांग का उस प्रधाय में दिया गया है।

新嘉坡市立圖書館藏

ପ୍ରାଚୀନ ମନ୍ଦିର ତଥା କର୍ମଚାରୀ ଏବଂ ଅନେକାଙ୍କ୍ଷା

६ अन्तर्गत विषयों पर

- १,२ सम्पादित रत्नपुरा माहस्ला म (नजदीक संधु फास) जैसा कि अल्पजितसंग्रह निकोलोजी ने १९६४ में इसी (१९७१) को एक सूची करते हुए विवरित किया है। इसमें लिखा है—
भारतीय उत्तर प्रदेश के निकोलोजी ने १९७१ में
निम्नलिखित शिल्पों के (१६, १८, १९८१) नंबर
प्राप्त किए हैं—
१६ नंबर के शिल्पों में निकोलोजी ने ३४५ ग्रन्ड
शिल्पों के नम्बर में निकोलोजी ने १८ ग्रन्ड शिल्पों के नम्बर में निकोलोजी ने १९८१ ग्रन्ड

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
संजैत रेण्डल अप्रूवित सर
मि. अमरप्रभु के P-882 प्राप्त कि मानोडोम नाइट विल्सन
तिरिक्षा : २५-१-१९७६ कि P-882 प्राप्त कि मानोडोम नाइट विल्सन
पोर्ट :

प्रृष्ठ आई० टी०. एन० .एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २

२६९-घ (1) के अधीन सूची

भारत सरकार

कार्यालय; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेज, अमृतसर,

अमृतसर, फ़िनार्क, 29 जनवरी 1976।

निवेद. स० प०० एच०जी०/२४०/७५-७६—दत्त: मुझ
बी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी में सम्पत्ति है तथा जो रतनपुरा मोहल्ला (गवाड़ी) में स्थित है (ओड़ इससे उत्तराहटनुस्खी में और पूर्ण कल व्यापारियों है), समितीय द्वारा अधिकार के कारणियाँ पूर्ण वाड़ा में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1975 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से बहुत अतिकल के लिए रजिस्ट्रीशन विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे मृद्ग, विश्वास करने का कठरण है कि दृश्याद्वयोक्त सम्पत्ति द्वा र उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का अन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरातियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) 'अन्तरण से हुई किसी व्यक्ति की वार्ता उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में कमी करने था' उससे बचने में 'सुविधा' के लिए;

और/या

(ख) 'ऐसी किसी व्यक्ति को वार्ता उक्त अधिनियम को लिहे भास्तीय आयकर अधिनियम, 1952 (1952 का 11) या उक्त अधिनियम द्वा दृश्यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकल्प सही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा' के लिए।

(१०३ अतः) आयकर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवति—

१. श्री अक्षताराम सिंह, श्री सीतम सिंह, प्रीतम बाग (सधू, फ़ार्म), उपर्युक्त जगतीत दैवतार्थी, मिल्ल, कुगवाड़ा (अन्तरक)

२. श्री गुरमेज सिंह, श्री चनन सिंह, श्रीमती तर-मेम कौर, पुत्रीजी श्री चतुरं चिंह, श्री एरु, पुत्री, श्री गुरमेज सिंह गाव प्रतापपुरा ता० मिल्लौर जिला, जालन्धर। अब मोहल्ला रतनपुरा नजदीक सधू फ़ार्म, कुगवाड़ा।

(अन्तरिती)

३. 'जीसा' की न० २ पर है और 'किरायेदार' व्यक्ति कोई

कोई व्यक्ति जो 'सम्पत्ति' में दृच रखता हो। (वह

कोई व्यक्ति जो 'सम्पत्ति' में अधीक्षितीकृती जीसा

है कि वह 'सम्पत्ति' में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके, सूचीकृत सम्पत्ति के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

कुल 'सम्पत्ति' के अन्तर्गत से कोई भी धारीप (—)

(क), इस सूचना के सामने, में प्रकाशन की अपीली, से

४५ दिन की, अवधि, मात्र, तक संबंधी, व्यक्तियों पर

सूचना की तामील से ३० दिन की अवधि, जो इसी

अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर

अकित्यों में लिखित किसी व्यक्ति, द्वारा, दिया जा

(ख) इस 'सूची' के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से

४५ दिन के भीतर उक्त स्थीर्वर सम्पत्ति में हितवद्ध के बद्द विक्षित होती है। अधीक्षितीकृती के

पैसे लिखित में किए जा सकें।

इसमें प्रमुख सांख्यिक वर्द्धन काढ़ने जीतम अधिनियम के अध्याय 20 के में पार्श्वप्रिभाषित है। यहीं प्रथम द्वोग, जो इस सूचना में दिया गया है।

अमुस्त्री

१. श्री अरुण सगर, मे० (मजदूर, सधू, फ़ार्म) नगवाड़ा ज़िला, जिसके उपर्युक्त विलेव न० १२६४ और २६७ मई १९७५ को रजिस्ट्रेशन की अधिकारी, कुगवाड़ा से लिखा है।

बी० आर० सगर

सधू सम्पत्ति

सहायक आयकर सामुद्र (नियुक्ति)

अर्जन, देश अमृतसर

तारीख: २९-१-१९७६।

मंहर:

(१०५ का)

प्रकाश आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 जनवरी, 1976

निवेश सं० आई०-5/० ४२/७५-७६—ग्रहण: मुझे, ज० एम० मेहरा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 5 बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 19, हि०न० 2(पार्ट सं० नं० 52, 21 (पार्ट), स०न० 61, हि०न० 3(पार्ट) और 4(पार्ट) सी०टी० सं०न० 686 और 687(पार्ट) है, जो मोहिली व्हीलेज में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पर्याय से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तर से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कार देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रहण: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकतः—

1. राजेश डाईग एण्ड मिल्चींग लेवल प्रा० लि० (अन्तरक)
2. सुभाव सिल्क मिल्स प्रा० लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

बम्बई नगर और उपनगर के रजि० जिले में मोहिली ग्राम में स्थित एवं अवस्थित जमीन प्रथवा मैदान और उसपर बनी गृहवाटिकाओं, टेनामेट्स इमारतें और स्टॉक्वर सहित वह तमाम भाग है जो कि माप में 5750 वर्गमीटर के भाग है, कामन रोड के रूप में इस्तेमाल में ले जा रही वह जमीन जो कि पूर्व में स्थित है तथा जिसकी प्राइवेट लेआउट सब्लॉट सं० 3 है तथा जिसकी भवें संख्याएं और हिस्सा संख्याएं नीचे दो गई हैं, के क्षेत्रफल का आधा भाग होने की वजह से 290 वर्गमीटर प्रथात् बर्गमीटर क्षेत्रफल इसमें शामिल है:—

सर्वे सं०

19	2 (पार्ट)
52	21 (पार्ट)
61	3 (पार्ट) और 4(पार्ट)

इस पर सी० टी० सर्वे संख्याएं 686 और 687 पार्ट अंकित हैं तथा जिसका निर्धारण दर और कर के असेसर और कलक्टर द्वारा 'एल' वाले संख्या 3938 (4ए०) और स्ट्रीट सं० 52 डी०ए० मोहिली के अंतर्गत किया गया है तथा जिसकी सीमाएं इस प्रकार से घिरी हुई हैं, कि उत्तर में प्रथवा उत्तर की ओर प्राइवेट कामन रोड है जिसका हवाला उपर टिया गया है, दक्षिण में प्रथवा दक्षिण की ओर प्रापर्टी है जिसकी सर्वे सं० 52 हिस्सा सं० 21 पार्ट अंकित है, पूर्व में प्रथवा पूर्व की ओर नाला है तथा पश्चिम में प्रथवा पश्चिम की ओर प्रापर्टी है जिसकी सर्वे सं० 19, हि० सं० 2(पार्ट) तथा स्माल प्लाट सं० 2 अंकित है।

ज० एम० मेहरा
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-5, बम्बई

तारीख: 29-1-1976

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—————

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जेन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 5 फरवरी 1976

निदेश सं० फग/241/75-76—यतः मुझे, वी० आर० सगर
ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जमीन है तथा जो गांव गांडवा में स्थित है (और
‘इससे ऊपरबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में अणित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थत्

12-466 GI/75

1. श्री सोनर पुत्र श्री हजारा गांव संगतपुरा (अन्तरक)
2. श्री लम्बर राम नुव श्री रक्खा राम गांव गाडवा (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में सचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताधारी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबढ़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्वाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 216 मई 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा में लिखा है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 5 फरवरी, 1976।

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन० १८८०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज अमृतसर

अमृतसर दिनांक 5 फरवरी 1976

निदेश सं० फग/242/75-76—यतः मुझे बी० आर० सगर,
आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जमीन है तथा जो गांव गांडवां में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (धन्तरदों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाचत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सोदर पुत्र श्री हजार गांव संगतपुर (अन्तरक)
2. श्रीमती गुरमेज कौर पत्नी श्री लम्बर राम गांव गांडवा (अन्तरिती)।

3. जैसा कि नं० 2 म है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही वर्ण होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन, जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 361 मई 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा में लिखा है।

बी० आर० सगर
सभाप्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज अमृतसर

तारीख : 5-2-76

मोहर :

प्रृष्ठ आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

156, सैकटर 9-बी

कैम्प गुडगांवा

चण्डीगढ़, दिनांक 7 फरवरी 1976

निदेश सं० एम० एम० एन०/1046/75-76—अतः मुझे
विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है (और
जिसकी सं० 8 कनाल भूमि है तथा जो समाना में स्थित है और
इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, समाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1 श्री उजगर सिंह पुत्र श्री बूटा सिंह निवासी समाना, जिला
पटियाला। (अन्तरक)

2. सर्वे श्री सत पाल, कृष्ण कुमार, लाजपत राय और रवी
कांत, पुत्र श्री जौहरी मल मारफत मैं० जौहरी सिलक
स्टोर समाना मन्डी, जिला पटियाला (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त मट्टों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8 कनाल भूमि जो कि माता रानी रोड, समाना, तहसील समाना
जिला पटियाला में स्थित है।

खाता नं० 190/229

खसरा नं० $\frac{5}{\frac{6}{2}}$ मिन, $\frac{15}{6-0}$ मिन, $\frac{16}{0-16}$ मिन
1-4

(जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी समाना के कार्यालय में लिखा है।)

विवेक प्रकाश मिनोचा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

(कैम्प गुडगांवा)।

तारीख: 7 फरवरी 1976

मोहर :

प्रख्युक्त आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 28 जनवरी 1976

निदश सं० आर०ए०सी०—यतः मुझे बी० वी० सुब्बाराव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० आर० एम० नं० 8 है, जो गुन्डुपल्ली में स्थित है (और इसमें उत्तरावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, अनन्तपल्लि में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-6-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(फ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कोडूरि श्रीरामलु पि० किस्टम्म, अनन्तपल्ली (अन्तरक) ।

2 श्री मेका बीर वेकट सत्यनारायण पि० श्रीराम सत्यनारायण (अनन्तपल्लि) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनन्तपल्लि रजिस्ट्री अधिकारी से पाश्चिम श्रंत 30-6-75 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 746/75 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

बी० वी० सुब्बाराव
सक्रम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख 28 जनवरी, 1976

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकिनाडा
काकिनाडा, दिनांक 6 जनवरी 1976

निर्देश सं० 299/जे० नं० 60/ई० जी०/75-76 यतः मुझे
वि० वि० सुब्बाराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० स अधिक है
और जिसकी स० जमिन 9-07 1/2 है जो नेदुनूरु ग्राम में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
15-5-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. चिक्कल रमणम पत्ति फ्रिस्टराव नेदुनूरु अमलापुरम तालुक
(अन्तरक)
2. चिछाल तम्मन नायुडु पुत्र राम मुरती नोदुनूरु अमला-
पुरम तालुक (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोस्त्साक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अमलापुरम रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी से पाक्षिक अंतः
15-5-75 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1396/75 में निर्गमित
अनुसूची सम्पत्ति।

वि० वि० सुब्बाराव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख 6 जनवरी, 1976

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 6 जनवरी 1976

निर्देश सं० 300/जे० न० 25/जी० टी० आर०/75-76—

यतः मुझे बी० वी० मुख्य राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 5-72-36 है, जो गुंटूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुंटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-5-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अभिलियों, अर्थात्:—

1. श्री जेट्टी वेक्टरतलम पुत्र पानाकालु, लक्ष्मीपुरम गुंटूर (अन्तरक)

2. श्रीमती आनुमोदू सांता देवि पल्लि कृष्णावर्धनराव लक्ष्मीपुरम गुंटूर। (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुंटूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-5-75 में पंजी-कृत दस्तावेज न० 1592 में निर्गमित अनुसूची सम्पत्ति।

बी० वी० मुख्य राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकिनाडा

नारीख 6-1-76

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 6 जनवरी 1976

निदेश सं० 301 जे० न० 104/जी० टी० आर०/75-76—
यतः मुझे बि० वि० सुब्बा राव (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

और जिसकी सं० डी० नं० 1-7-72 रेखांगिवारी स्ट० है जो तेनाली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-5-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमति नेतौ सीना महालक्ष्मी पत्नि नारायण मूरती
तेनाली।
(अन्तरक)
2. श्री कार्त्रगण सुब्बाराव पुत्र श्री वैक्या चदलबाड ग्राम
तेनाली तालुक।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तेनाली रिजस्ट्री अधिकारी से पांक्षक अंत 31-5-75 में पंजी-
दस्तावेज नं 1333/75 में निर्गमित अनुसूची सम्पत्ति।

बि० वि० सुब्बाराव
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज काकिनाडा

तारीख 6-1-76
मोहर :

प्रह्लाद गांधी टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 6 जनवरी 1976

निवेश सं० 302/एम० ई० सं० 228—यत मुझे बी० बी० सुब्राह्मण्य, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी बो, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० भूमि 19-83 सेंट्स है जो मस्तवापुरी में स्थित है (और इससे उपावड्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय नरसपुर में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-6-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृथमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गदि कासीविस्वनाथम पुत्र वेंकटरत्नम
2. श्री गदि भागेश्वराराव पुत्र कासीविस्वनाथम
3. श्री गदि रेड्डी वेंकटसत्यनारायणमूर्ति —वही—
4. श्री गदि मुरलीकिंश्चन —वही—
5. श्री गदि राममोहनाराव —वही—
6. श्री गदि कासीविस्वनाथम पुत्र नागेश्वराराव
7. श्री गदि सीवाकुमार —वही—
8. श्री गदि कासीविस्वनाथम सुपुत्र रेड्डी

(अन्तरक)

2. 1 श्री तूमु सत्यनारायण पुत्र सुब्राह्मण्डु
2. श्री तूमु नरसिंहमूरति
- 3 श्री तूमुवेंकटराव
4. श्री तूमु अन्नपुरना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रजिस्ट्री अधिकारी से पालिक अंट 15-6-75 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1904/75 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

बी० बी० सुब्राह्मण्य
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख 6-1-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज काकिनाडा

काकिनाडा दिनांक 8 जनवरी 1976

निदेश सं० 304/75-76/ज० नं० 167/ई० जी०—

यतः मुझे वि० वि० सुब्बा राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 367/1 है जो गुडरीगुंटा काकिनाडा को बाह्य सीमा में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय काकिनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-7-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे हुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

प्रत : अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—
13—466GI/75

1. श्री कनुमूरि नागभूषणम पुत्र स्वर्गीय लक्ष्मण्याय रंगस्यानाय हूँ गली काकिनाडा (अन्तरेक)।
2. श्री ओशमंटी गुरुप्रमाद लक्ष्मीनारायण मर्मा (2) पी० वी० कोडल राव (अंतरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या दसवांधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में धर्मा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-7-75 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 448575 में निर्गमित अनुसूची सम्पत्ति ।

वि० वि० सुब्बा राव
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख 8-1-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 6 जनवरी, 1976

निदेश सं० 303-एम० ई० सं० 253/75-76—यतः मुझे
बी० वी० सुब्बाराव

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 414-1; 414-3 और 5 मल्लवरम गांव है,
जो काकिनाडा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकि-
नाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन 31-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम',
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री नारायणेश्वर वेंकटेस्वाराराव पुत्र श्री एन० वेंकटा
गंगाधरा प्रतापराव नायडु, गुठेनादेवी (अन्तरक)।
2. श्रीमती जी० सुब्रत पत्नि बुल्लेश्वा आह्नवेल्ल ग्राम
(2) श्रीमती सूदा सत्यवति पत्नि स्वामिनायडु यानाम
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों 'और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-8-75
में पंजीकृत दस्तावेज सं० 5353/75 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति ।

बी० वी० सुब्बाराव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख : 6 जनवरी, 1976

मोहर :

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण
में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1)
मध्यीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, दिल्ली-1

4/14-ए, आसक ग्रली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 जनवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य०/III/एस० आर०-II/
जुलाई०/1962 (19)/75-76/7098—यतः मुझे एस० सी०
पारीजा

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि 28 बीगा 3 बिसवा है, जो घबरा गांव से दिल्ली राज्य में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-7-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

* अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्ति :—

1. श्रीमति साहिब कौर, सुपुत्री श्री पारेलाल, निवासी घेरा गांव, दिल्ली राज्य, दिल्ली (अन्तरक)

2. श्रीमति बालो देवी, पत्नी श्री मेद सिंह, निवासी गांव तथा पोस्ट ग्राफिस घेरा, दिल्ली राज्य, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त व्यक्ति, स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्थानिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 28 बीगा तथा 3 बिसवा (कुल क्षेत्रफल 80 बीगा तथा 11 बिसवा) है, खसरा नं० 23 मिन (4-18), 1689/87(2-10), 1693/88 (0-11), 89 (3-12), 151 (4-3), 1799/113 (5-8), 1800/183 (61-1), 251 (1-13), 272 (8-3), 277 (14-9), 361 (3-6), 376 (1-16), 381 (2-17), 399 (2-15), 405 (1-19), 416/2-19), 1694/506 (5-5), 613 (3-18), 182 मिन (4-15), (8-15) का, तथा जोकि घेरा गांव, दिल्ली राज्य, दिल्ली में स्थित है।

एस० सी० पारीजा
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, दिल्ली,

4/14-ए, आसक ग्रली रोड, नई दिल्ली

तारीख 31 जनवरी, 1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

4/14-ए, ग्रामकर ग्राम्यकर्त (निरीक्षण)

नई दिल्ली, दिनांक 31 जनवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य०/III/एस० आर०-II/
जुलाई०/९३७ (15)/७५-७६/७०९८—यतः मुझे एस० सी०
पारीजा ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43),
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है और

जिसकी सं० जायदाद नं० 9 है, को इन्डस्ट्रियल एरिया, तिलक
नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली,
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 16-7-75

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रत्यरोपण से हुई किसी आय की वापस 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सामितियों
को जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षितयों, अर्थात्:—

1. मैं० प्रावेसी इंडस्ट्रीज नं० 14, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली-
15, श्री अमरीक चन्द चावला के द्वारा, सुपुत्र श्री लाला
मल चावला, निवासी 80/10, पंजाबी बाग, नई दिल्ली-
26 (अन्तरक)।
2. श्री राम सारुप तथा श्रीम प्रकाश, सुपुत्र श्री चौधरी होरा
नन्द, निवासी डी०-2/31, जनकपुरी, नई दिल्ली 1
(अन्तरिती)।
3. मैं० रान एन्टरप्राइजेस, 9 इंडस्ट्रियल एरिया, तिलक नगर
नई दिल्ली। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के प्रजनन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तर्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक फैक्टरी जो कि 1140 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बनी
हुई है, जिसका नं० 9, है, जो कि इंडस्ट्रियल एरिया, तिलक नगर,
नई दिल्ली, तिहार गांव के राजस्व राज्य, दिल्ली राज्य में, तथा
केंद्र मंजिला पर्सी की बनी हुई है। निम्न प्रकार से स्थित:—

पूर्व : रोड तथा लान

पश्चिम : रोड तथा लान

उत्तर : इंडस्ट्रियल प्लाट नं० 8

दक्षिण : इंडस्ट्रियल प्लाट नं० 10

एस० सी० पारीज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 31 जनवरी 1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

4/14-ए. आसफ अली रोड, नई दिल्ली ।

नई दिल्ली-1, दिनांक 31 जनवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु/III/एस० आर०-II/जुलाई० 947 (28)/75-76/7098—यतः मुझे, एस० सी० पारीजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० डब्ल्य० जैड०-336, ब्लाक नं० बी० है, जो फतेह नगर, तेहर गांव, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-7-75

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ यापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवस्त उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

1. श्री मोम नाथ गरोवर, सुपुत्र श्री सुखानन्द ग्रोवर, निवासी बी-31, फतेह नगर, नई दिल्ली-1 श्री नारीजन सिंह बिन्दरा के जनरल पावर एंटारनी, सुपुत्र श्री आसा सिंह बिन्दरा, निवासी डब्ल्य० जैड०-836, गुरुनानकपुरा मोहला, फतेह नगर, नई दिल्ली । (अन्तरक)
2. श्रीमती जोगद्वारा कौर, पति श्री चेतन सिंह, निवासी 15/10158, डब्ल्य० इ० ए०, करौल वाग, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लाट जोकि 150 वर्ग गज क्षेत्रफल को भूमि पर बना हुआ है, जिसका नं० डब्ल्य० जैड०-336 है, और जो कि फतेह नगर की आबादी तेहर गांव, नई दिल्ली में है, जिसका प्लाट नं० 137, ब्लाक नं० 'बी' है, निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लाट नं० 138
पश्चिम : प्लाट नं० 136
उत्तर : रास्ता 15/ चोड़ा
दक्षिण : रास्ता 20/ चोड़ा

एस० सी० पारीजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 31 जनवरी, 1976
मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

4/14-ए आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 31 जनवरी, 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्य०/1/एस० आर०-III/जून-
II/39/75-76—यतः मुझे चं० वि० गुप्ते,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० एम०-116 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-
6-75

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में, वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमतो उमा रानी अग्रवाल, पत्नी श्री एम० पी० अग्रवाल,
निवासी सी-4/132, मकदरजांग डबलरमेंट एरिया, नई
दिल्ली-1100116। (अन्तरक)
2. श्री मध्या राम, सुपुत्र श्री लल चन्द, निवासी माजीठ
मन्डी, अमरीतसर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्त्वान्वयी व्यक्तियों
पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में
परिभासित है, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक छेष मजिला मकान फीहोल्ड प्लाट के माथ जिसका नं०
116, ब्लाक नं० 'एम' है, और थोकफल 400 वर्गगज है, निवासी
कालोनी ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है। यह प्लाट निम्न
प्रकार से स्थित है :—

- पूर्व : रोड
- पश्चिम : सविस लेन
- उत्तर: प्लाट नं० एम०-114
- दक्षिण : प्लाट नं० एम०-118

चं० वि० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 31-1-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

4/14ग, आसफ अली रोड, नई दिल्ली ।

नई दिल्ली, दिनांक 3 फरवरी, 1976

निदश मं० आई० ए० सी०/पक्य०/1/एस० आर०-III/
जून-1/823/(25)/75-76—यतः मुझे चं० वि० गुप्ते
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन राक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० डब्लू-17 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-6-75
को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल रे लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, लियाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० डी० ए० ल० एफ० यनाईटेड लि०, 40-एफ०, क्वाट
पलैस, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. डा० आनन्द प्रकाश, एच० य० एफ० का करता, सुपुत्र
स्वर्गीय श्री बाल कृष्ण दास, निवासी 27, राजपुर रोड,
दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित द्वारा, अधीक्षित के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही ग्रथ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

एक प्लाट को भूमि जिसका क्षेत्रफल 1000 वर्ग गज है और
नं० डब्लू-17 है, जो कि निवासी कालौनी ग्रेटर के लाश-II, नई दिल्ली
के बाह्यपुर गांव, दिल्ली की यूनियन टैरीटरी, में निम्न प्रकार से
स्थित है:—

पूर्व : प्लाट नं० डब्लू-15

पश्चिम : प्लाट नं० डब्लू-19

उत्तर : रोड

दक्षिण : कालौनी की सीमा

चं० वि० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 3 फरवरी, 1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड,

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-III/8 42/
जून-II/(10)/75-76—यतः मुझे च० वि० गुप्ते
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43),
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० खसरा नं० 1044 खाता नं० 326 है, जो गांव
विज्वासन, तहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपायद्वारा अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 19-6-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
पैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति गरीबो देवी विधवा पत्नी श्री हरी सिंह, निवासी
गांव विज्वासन, तहसील महरोली, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमति ओम देवी, पत्नी श्री० भगवान सिंह,
निवासी गांव विज्वासन, तहसील महरोली,
नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में 'कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कास्तकारी भूमि जिसका क्षेत्रफल 8 बीघा तथा 19 बिसवा है और खसरा नं० 1044, खाता नं० 326 है तथा जो कि गांव विज्वासन, तहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित है ।

च० वि० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 2 फरवरी, 1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 4 फरवरी 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/1/एम० आर०-III/4/
जून-11/75-76 :—यतः मुझे चं० वि० गुप्ते
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० डब्लू०-151 है, जो ग्रेटर कैलाश नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-कारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-6-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

14—466GT/5

1. श्री एस० गुरचरण सिंह सिराह, सुपुत्र स्वर्गीय श्री दलीप सिंह सिराह, निवासी 304, माए फैयर गार्डन-4, माए फैयर रोड, कलकत्ता । (अन्तरक)

2. प्रम० अमर बीर सिंह, सुपुत्र स्वर्गीय श्री अतर सिंह, निवासी पृ-7, ग्रेटर कैलाश एनक्लैव-11, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्लोहोल्ड जमीन के प्लाट का 1/2 हिस्सा जिसका क्षेत्रफल 271.25 वर्ग गज है और नं० 151, ब्लाक नं० 'डब्लू' है तथा जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : रोड
पश्चिम : सर्विस लेन
उत्तर : डब्लू-149
दक्षिण : डब्लू-153

चं० वि० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली - 1

तारीख : 4 फरवरी 1976

मोहर :

प्रूप श्राई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5 बम्बई,

बम्बई, दिनांक 5 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई 5/341/75-76/16—अतः मृजे जे० एम० मेहरा, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज 5 बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पाचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नं० 61 हि० नं० 3 (पार्ट) है, जो मोहिली व्हीनेज में स्थित है (और इससे उपावढ़ प्रनुसूनी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) 4 (पार्ट) सर्वे नं० 18, हि० नं० 2 (पार्ट) और सर्वे नं० 18 हि० नं० 1, प्लाट नं० 5 रजिस्ट्रीकॉर्ट प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30 जून, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; .

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुभाष मिल्स प्रा० लिमिटेड (अन्तरक)।

2. विजय मिन्टेटिक प्रिंटर्स प्रा० लिमि० (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावजूद समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई नगर और उपनगर के रजिस्ट्रेशन जिला कुली में मोहिली ग्राम में स्थित एवं अवस्थित छाली जमीन अथवा मैदान का वह तमाम भाग अथवा खड़ जो कि माप में 5900 वर्गगज अर्थात् 4933.15 वर्गमीटर के समकक्ष है, तथापि जिस पर सर्वे सं० 61 हिस्सा सं० 3 पार्ट, और सं० 4 पार्ट सर्वे सं० 18, सिस्सा सं० 2 पार्ट और सर्वे सं० 18, हिस्सा सं० 1, दृहत्तर बम्बई की म्युनिसिपल कार्पोरेशन द्वारा स्वीकृत उप-छिह्नीजन को प्लाट सं० 5 है तथा वह इस प्रकार से घीरी हुई है कि पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर नाला है पूर्व में अथवा पूर्व की ओर म्युनिसिपल पाइप लाइन है, दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर भूमि है जिसका सर्वे सं० 18 हिस्सा सं० 4 है, सब प्लाट सं० 6 तथा सर्वे सं० 18 है, हिस्सा नं० 3 है, वह विक्रेता सुभाष मिल्स प्रा० लिमि० से संबंधित है, उत्तर में अथवा उत्तर की ओर सर्वे सं० 61 हिस्सा सं० 3 और सर्वे सं० 52, हिस्सा सं० 3 और सब प्लाट सं० 4 है यह भी विक्रेता सुभाष मिल्स प्रा० लिमि० से संबंधित है और इस पर सी० टी० सर्वे सं० 663 पार्ट 665 पार्ट 683 पार्ट अंकित है।

जे० एम० मेहरा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5 बम्बई

तारीख : 5-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० 1/1201-5/जून 75—अतः मुझे वही आर० अग्रिम, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० नं० 1270 माहिम छठीजन है, जो फाइनल प्लाट नं० 769 टी० पी० एस० 3 माहिम में स्थित है (और इससे उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-6-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हूर्छ किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यवितयों, अर्थात्:—

1. श्री हरी दास एम० वचानी (अन्तरक)
2. सर्वश्री माहिम ब्हाईट रोज को० ओ०हा०सो० (अंतरिती)
3. किराएदार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से लियी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

'माहिम ब्हाईट रोज' के नामसे प्रसिद्ध बिल्डिंग जो कि माहिम, बम्बई-1, में स्थित है तथा जिसकी फाइनल प्लाट सं० 769, टी० पी० एस० 3 (माहिम), माहिम छठीजन का सी० एस० नं० 1270 का अंश है और माप से 877 वर्गगज अर्थात् 733 वर्गमीटर के सम-कक्ष है।

वी० आर० अग्रिम
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई।

तारीख 5-2-76
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० 1/1185-4/जून 75 :—अतः मुझे घोषी० आर० अमिन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन, रेज-1, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 764 मलबार और कंबाला हिल डिभीजन है, जो सोफिया कालेज रोड के उत्तर किनारे में स्थित है (और इससे उपावन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-6-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पृथग्यूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथम् :—

1. रेमंड वूलन मिल्स लिमिटेड (अन्तरक)
2. सारनाथ को० ओक० हा० सी० लिमिटेड (अन्तरिती)
3. किराएदार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई आगलंड में तथा बम्बई के रजिस्ट्रेशन उपजिले में बम्बई कोट को छोड़कर, सोफिया कालेज मेरठ रोड के उत्तर दिशा में स्थित एवं अवस्थित फ्रीहोल्ड पेंशन और एक्स लंड अथवा प्राउड का वह तमाम भाग तथा उस पर बनी गृहवाटिकाओं, गृहाबलियों अथवा रिहायशी मकानों सहित जो कि पैमाइश में 1077 वर्गमीट (950 वर्ग मीटर के समकक्ष अथवा उसके बराबर) है वह बड़े लैड हैपररेंटेमेंट्स और प्रीमीसेस भाग है जो कि भुगाजस्व के समाहर्ता (कलक्टर) को पुस्तकों में पुराना संख्या 52 नई संख्या ए/455 की पुस्तकों में पंजीकृत है, जिसकी पुरानी संख्या सं० 81 है, नई संख्या सं० 4/7131, 5/7131, और 6/7131 तथा केडान्डल संख्या सं० 764, मलबार हिल और कंबाला हिल डिभीजन है, तथा जिसकी सीमाएँ इस प्रकार विरी हैं, उत्तर में अथवा उत्तर की ओर अंशतः वह प्राप्ती है जिसे 'सी व्हय' नाम से जाना जाता है, तथा जिसके मालीक कल्याणजी भावजी है और अंशतः वह प्रोपर्टी है जिसे कल्याणी रोड धनजाभाय तथा अन्य लोगों से संबंधित थी, दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर सोफिया कालेज रोड है पूर्व में अथवा पुर्व की ओर उस बड़ी संपत्ति का भाग है जिसका उल्लेख उपर किया गया है तथा पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर उस बड़ी संपत्ति का ही भाग है जिसका उल्लेख उपर किया गया है।

ज्ञानी श्रावण अमिन
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : 5-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रोज़-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1976

निर्देश सं० अर्हि 5/352/75/9—अतः मुझे जे० एम० मेहरा,
आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 18, आशा नगर सी० टी० एस० नं० 652 है, जो चेंबूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-7-75

को पूर्वोक्त सूचना के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिकी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्हि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातः—

1. श्री (1) मदन लाल कपूर (2) मेमर्स शहा और सवानी कम्प्लेक्शन कार्पोरेशन। (अन्तरक)
2. केसर महाल को० ओप० हा० सोसायटी। (अन्तरिती)

3. अनुबंध के अनुसार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

1. श्री एम० थामस
2. श्री एम० गोलीया
3. श्री जी० विश्वनाथ
4. श्रीनति आरेकियाम मछाड़े (स्व० हैनरी मछाड़े की पत्नी)
5. श्री व्ही० एच० सुब्रमण्यन्
6. श्री एल० एस० रामन
7. श्री ए० व्ही० पिलीप्स
8. श्रीमति लीला वेलयुधन
9. श्रीमति ए० व्ही० पाटील
10. श्री पी० एम० सुंदर राजन

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि थाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैताभारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"आशा नगर" के नाम से जाने जानी वाली बिल्डिंग ऐस्टेट के खाले (ले-ग्राउट) और उसके प्लाट में नक्शे द्वारा दिखाया गया प्लाट अथवा जमीन का वह तमाम टुकड़ा अथवा खंड जिसकी सं० 18 है, तथा जो माप में 600 वर्गमीटर 501.66 वर्ग मीटर है तथा जो बृहत्तर बम्बई में बम्बई उपनगर के बांद्रा जिला के रजिस्ट्रेशन उपजिले में घाटकोपर भाहुल रोड के पूर्वी दिशा में चेंबूर में स्थित है तथा गवर्नरेंस सं० 36 ए और 36 बी तथा सी० टी० एस० सं० 652 का भाग है। उसकी सीमाएँ निम्न प्रकार से घिरी हुई हैं उत्तर में अथवा उत्तर की ओर गार्डन प्लाट है और उसके बाद उसी स्कीम प्लाट सं० 19 है, पूर्व में अथवा पूर्व की ओर निला मुल्ता पावर लाइन है, दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर उसी स्कीम की प्लाट सं० 17 है तथा पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर उसी स्कीम 20 फुट चौड़ी सड़क है।

जे० एम० मेहरा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-5 बम्बई

तारीख : 6-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 फरवरी 1976

निर्देश सं० अई-1/1183-2/जून, 75 :—ग्रतः मुझे छो० आर० अमिन सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० नं० 1853 माहिम डिव्हीजन है, जो प्लाट नं० 144 शिवाजी पार्क स्कीम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्म अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विष्णु गजानन परचुरे। (अन्तरक)
2. श्री आनन्द भारती को० आ० हाउसिंग सो०। (अन्तरिती)
3. किराएदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई नगर और आयलंड तथा उप रजिस्ट्रेशन जिले की कारपोरेशन की माहीम में शिवाजी पार्क स्कीम में स्थित तथा प्लाट सं० 144 के रूप में लैंडर ग्राउंड का उस पर बनी इमारत सहित वह तमाम भाग अथवा खंड जिसका क्षेत्रफल 758 वर्गगज अथवा उसके समकक्ष है। वह उत्तरी पूर्व सीमा में ऊपर कही गयी स्कीम की प्लाट सं० 145 जो कि लीजड बेस पर द्वारकादास भाटीया की धर्मपत्नि सुखिमणीबाई और अन्य लोगों को दिया जाना है। दक्षिण, पूर्व दिशा की ओर 50 फट चौड़ा रास्ता है, दक्षिण, पश्चिम दिशा की ओर 40 फुट चौड़ा रास्ता है। तथा उत्तर, पश्चिम की ओर ऊपर बतायी गयी स्कीम का प्लाट सं० 146 है जो कि उड्लू जी० सहासी को लीजड आधार पर दी गयी है। जमीन का यह हिस्सा नयी सर्वे सं० 1057 का भाग है तथा इसकी माहीम डिव्हीजन का कंडेस्ट्रल रोड सर्वे सं० 1853 है तथा इसका निर्धारण, म्युनिसिपल दर और कर के असेसर और कलेक्टर द्वारा 'जी' वार्ड संख्याएं 4841 (5) तथा 4851 (5) तथा स्ट्रीट सं० 170-डी और 170-डी० ए० और जो कि वह उस पट्टे (लीजड) के छेंचर में दी गयी है जिस पर तारीख 11 फरवरी, 1946 अकित है। तथा जो इस प्रकार से दिया जाता है कि बम्बई नगर की म्युनिसिपल कार्पोरेशन का प्रथम भाग तथा म्युनिसिपल कमिश्नर को द्वितीय भाग तथा लेडी पार्वती देवी घोरपड़े, हर हायनेस मूँडेल की रानीसाहेब को तिसरा भाग तथा जो अंडिशिनल बुक नं० 1 के व्हाल्युम 273 के पृष्ठ 15 से 30 पर सं० 1919 तथा तारीख 14 अगस्त, 1946 के अंतर्गत पंजीकृत है।

बो० आर० अमिन
सक्षम प्राधिकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 5-2-1976

मोहर :

प्रूप श्राई० टी० एन० एस०—

1. श्री रेव० बेनोटे डि सोश्या

(अंतरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन रेज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1976

निर्देश सं० श्रृं 1/1305-16/जून 75—अतः मुझे व्ही०
आर० अमिन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास 'करने' का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सी० टी० सर्वे सं० सी० / 579 है, जो बांद्रा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बांद्रा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
6-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य
आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपनारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्रीमति नाना फूनाढीम (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

बांद्रा में स्थित, जमीन तथा उस पर बनी गृह बाटिका सहित
जिसका प्लाट सं० 174-ए है तथा न्यू सिटी सर्वेक्षण सं० सी० /
579 है तथा जो पैमाण मे 775.57 वर्गमीटर है ।

व्ही० आर० अमिन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन रेज-1, बम्बई

तारीख : 6-2-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमति ताराबाई रामहरा धोते (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. लोना इण्डस्ट्रीज प्रा० लिमि० (अन्तरिती)

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-१ बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 फरवरी 1976

निवेश सं० आई 1/1134-3/जन-75—अतः मुझे बड़ी० आर० अमिन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० सौ० एम० नं० 1792 माहिम डिल्हीजन है, जो प्लाट नं० 82, शिवाजी पार्क स्कीम स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-6-75

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथतः:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि औ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस नूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

केडल रोड, माहिम में स्थित गृहवाटिकाओं और टेनामेंट्ससहित शिवाजी पार्क स्कीम में प्लाट सं० 82 जिसका माहिम डिल्हीजन की केडेस्ट्रल सर्व सं० 1792 तथा क्षेत्रफल 445 वर्ग गज है।

बड़ी० आर० अमिन
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-१ बम्बई

तारीख 5-2-76

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 फरवरी 1976

निर्देश सं अई 5/342/75-76 II-17.—अतः मुझे जे० एम० मेहरा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 61, हि० नं० 3 (पार्ट) सर्वे नं० 52, हि० नं० 3 सब प्लाट सं० 4 सी० टी० सर्वे सं० 665 और 695 जी० है, जो मोहिली घटीलेज में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-6-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकतयों, ग्रहीत :—
15-466GI/75

1. सुभाष सिल्क मिल्स प्रा० लिमि० (अन्तरक)
2. राजेण डाइंग और विल्चिंग वक्स प्रा० लिमि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई नगर और उपनगर के रजिस्ट्रेशन जिला कुर्ला के मोहिली ग्राम में स्थित एवं अब स्थित खाली जमीन अथवा मैदान का यह तमाम भाग अथवा खंड जो कि माप में लगभग 5000 (पाँच हजार) वर्ग गज अर्थात् 4180. 64 वर्गमीटर के समकक्ष है तथा जिस पर बहुतर बम्बई की म्युनिसिपल कार्पोरेशन द्वारा स्वीकृत सर्वे सं० 61 हिस्सा नं० 3 (पार्ट) और सर्वे सं० 52, हिस्सा सं० 3 तथा सब प्लाट सं० 4 अंकित है, वह इस प्रकार से विवर हुआ है कि, उत्तर में अथवा उत्तर की ओर नाला है पूर्व में अथवा पूर्व की ओर म्युनिसिपल पाइप लाइन है, दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर प्लाट सं० 5 है जो कि अब विजय सिन्धेटिक प्रिट्स प्रा० लिमि० को दे दिया गया है और पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर नाला है जिस पर सी० टी० सर्वे सं० 665 और 695 जी अंकित है।

[जे० एम० मेहरा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-5, बम्बई]

तारीख : 5-2-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रीरामचन्द्र

हैदराबाद, दिनांक 2 फरवरी 1976

सं० भार० ए० सी० 241/75-76—यतः ^{मुझे} के० ए८०
वेंट रामन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी सं। 15-9-373 महबूब गंज है, जो हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-6-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथावृत्तता सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्चत अन्तरण
लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) : अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथति:-

1. श्री भगवान वास पुत्र स्वर्गीय गिरधर दास, 4-3-339
ब्यांक स्ट्रीट, मुलतान बाजार, हैदरबाद (अन्तरकः)
 2. 1. श्रीमति चन्द्रमनी बाई पुत्री स्वर्गीय द्वारकादास
2. „ इन्द्रबेन पुत्री स्वर्गीय बाल किशन दास
3. „ चन्द्रप्रभा देवी पुत्री वामोदर दास
4. „ प्रसीला देवी पुत्री गोविंदास 4-3-348 ब्यांक
स्ट्रीट मुलतान बाजार हैदराबाद (अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करसा हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से .45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि आदि में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्राचीन संस्कृती

नं. 15-9-373 महबूब गंज, हैदराबाद क्षेत्रफल 412 वर्ग
गज।

कें एस० वेक्टरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज हैदराबाद

तारीख : २-२-१९७६

सौहर ३

प्र० श्री प्राइंटोरी एन० एस०—

1. श्री हरीकिशन द्वारा मेसर्स हिन्दुस्तान बिल्डर्स, युनिटी हाउस, आबीद रोड, हैदराबाद इनके भागीदार (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 फरवरी 1976

सं० प्रार० ए० सी० 243/75-76—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मलगी नं० 41 युनिटी हाउस है, जो आबीद रोड में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-6-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

2. श्री अली मोहम्मद, 16/18 ताहेर म्यानशेन चुमन किलन स्ट्रीट, तीसर मंजिल, बम्बई-3 (अन्तरिती)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां पूर्ण करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वांबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 41, नल मजले पर, युनिटी हाउस, (5-9-250 से 257) आबीद रोड, हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 2-2-1976

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(ज) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 फरवरी 1976

स० आर० ए० सी० 249/75-76--यतः मुझे के० एस०
वेकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० ए-2, आई-2 हैं, जो पूनम अपार्टमेंट में हैं, जो चिराग श्रीली लेन में स्थित है? (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूपसे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विसेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती पुष्पालता गुप्ता भागीदार तथा अन्य II भागीदारों के मुख्तार नामादार, मेसर्स एसोसिएटेड बिलडर्स और रिप्ल स्टेट एजेंट के लिए 4-1-1968 आवीद रोड हैदराबाद।

2. श्रीमती डी० पुष्पा, 3-6-599 हिमाचल नगर, हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के गर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के संबंध में काँट भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची I निम्नांकित

आंशिक या पूर्ण भूमि या सतह की अवस्थिति और विवरण:—
चिराग श्रीली लेन हैदराबाद आंध्र प्रदेश, पंजीकरण मंडल और अवर-मंडल हैदराबाद नगर, आंध्र प्रदेश, नगर हैदराबाद में हैदराबाद नगर निगम क्षेत्र में, पालिका सं० 5-8-12 तारीख 517 ग, क्षेत्रफल 3000 वर्गगज (तीन हजार वर्ग गज) या इसके करीब 1 इसकी चौहाढ़ी निम्नलिखित है:

उत्तर या उत्तर की ओर इमरालड होटल की ओर जाने वाली सड़क।

दक्षिण या दक्षिण की ओर पड़ोसी की जायदाद।

पूरब या पूरब की ओर पड़ोसी की जायदाद।

पश्चिम या पश्चिम की ओर टी० पी० सड़क।

अनुसूची II उपरांकित संबंधी

आंशिक या पूर्ण भूमि पालिका सं० 5-8-512 तारीख 517 ग में अविभाजित 1.8904 प्रतिशत अंश या भाग, जिसकी अवस्थिति और विवरण:—चिराग श्रीली लेन, हैदराबाद, नगर है हैदराबाद में हैदराबाद नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत, पंजीकरण मंडल और अवर मंडल हैदराबाद जो कि उपर्युक्त अनुसूची 1 में वर्णित है, का पूर्ण स्वामीत्व का फलैंट संख्या ए-2, आई-2 क्षेत्रफल 1085 वर्गफीट जो कि उपरोक्त "पूनम एपार्टमेंट" के नाम से ल्यात भवन म है, उपर्युक्त चिराग श्रीली लेन, हैदराबाद के 3000 वर्ग गज के भूखंड में निर्मित है।

के० एस० वेकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 2 फरवरी, 1976

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 2 फरवरी 1976

सं० आर० ए० सी० 246/75-76—यतः मुझे के० एस०

बैकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ए-१, एफ-७ आबीद रोड जो पूनम अपार्टमेंट्स में है, जो चिराग अली लेन में स्थित है? (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन हैदराबाद 20-6-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती पृष्ठालता गुप्ता भागीदार तथा अन्य II भागीदारों के मुख्तार नामादार, मेसर्स एसोसिएटेड विल्डर्स और रिएल स्टेट एजेंट के लिए 4-1-968 आबीद रोड हैदराबाद।
(अन्तरक)।

2. श्रीमति महेश्वरीवाई ए-१, एफ-७, पूनम अपार्टमेंट, आबीद रोड, हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची I निम्नांकित

आशिक या पूर्ण भूमि या सप्तह की अवस्थिति और विवरण :—
चिराग अली लेन, हैदराबाद आंध्र प्रदेश, पंजीकरण मंडल और अवर मंडल हैदराबाद नगर, आंध्र प्रदेश, नगर हैदराबाद में हैदराबाद नगर निगम क्षेत्र में, पालिका सं० 5-8-512 तारीख 517 ग, क्षेत्रफल वर्ग 3000 वर्ग गज (तीन हजार वर्ग गज) या इसके करीब 1 इसकी चौहाई निम्नलिखित है:

उत्तर या उत्तर की ओर इमराल्ड होटल की ओर जाने वाली सड़क।

दक्षिण या दक्षिण की ओर पड़ोसी की जायदाद।

पूरब या पूरब की ओर पड़ोसी की जायदाद।

पश्चिम या पश्चिम की ओर टी० पी० सड़क।

अनुसूची II ऊरांकित संबंधी

आशिक या पूर्ण भूमि पालिका सं० 5-8-512 तारीख 517 ग में अविभाजित 1. 8904 प्रतिशत श्रेण्य या भाग, जिसकी अवस्थिति और विवरण :—चिराग अली लेन, हैदराबाद नगर, हैदराबाद में हैदराबाद नगर निगम क्षेत्रात्तर्गत, पंजीकरण मंडल और अवर मंडल, हैदराबाद जो कि उपयुक्त अनुसूची में १ वर्णित है, का पूर्ण स्वामीत्व का फलैट सं० एफ-१, ४ थी मंजिला पूनम, आपार्टमेंट, हैदराबाद क्षेत्रफल 1085 वर्गफीट, जो कि उपरोक्त "पूनम एपार्टमेंट" के नाम से खात भवन में है, उपर्युक्त चिराग अली लेन, हैदराबाद के 3000 वर्ग गज के भूखंड में निर्मित है।

के० एस० बैकटरामन

सक्रम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण))

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 2-2-1976

मोहर :

प्र० रूप आई० टी० एन० एम०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 फरवरी, 1976

सं० आर० ए० सी० 242/75-76—गत: मुझे, के० एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० मलगी नं० 19 युनिटी हाऊस है, जो आबीद रोड मे स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

गत: अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थातः:—

1. मैसर्स हिंदुस्तान बिल्डर्स, युनिटी हाऊस, आबीद रोड, हैदराबाद इनके भागीदार श्री हरी किशन द्वारा (अन्तरक)
2. श्री सुनील गोपल (अवयस्क) पालक श्री बी० एल० गोपल द्वारा, डी-27, सी० सी० कालोनी, दिल्ली-6 (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 19, तल मंजला, युनिटी हाऊस (5-9-250 से 257) आबीद रोड, हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 2-2-76

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 फरवरी, 1976

सं० आर० ए० सी० 248/75-76 :—यतः मुझे, के० ए० स०
बैंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
और जिसकी सं० ए-१, एफ-३ है, जो पूनम एपार्टमेंट्स में है, जो चिराग
ग्रली लेन में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन 20-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पश्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम'
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः आब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती पुष्पलता गुप्ता तथा भारीदार तथा अन्य 11
भागीदारों के मुख्तार नामादार, मेसर्स असोसिएटेड
बिल्डर्स और रिल्यूल स्टेट एंजेंट के लिए 4-1-1968
आवीद रोड हैदराबाद। (अन्तरक)
2. कुमारी अनुराधा वाघे, पुत्री आर० एन० वाघे, ए-१,
एफ-३, पूनम एपार्टमेंट्स, हैदराबाद। (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची I निम्नांकित

आंशिक या पूर्ण भूमि या सतह की अवस्थिति और विवरण :—
चिराग ग्रली लेन, हैदराबाद आंध्र प्रदेश, पंजीकरण मंडल और अवर
मंडल हैदराबाद नगर, आंध्र प्रदेश, नगर हैदराबाद में हैदराबाद
नगर निगम क्षेत्र में, पालिका सं० 5-8-512 तारीख 517 ग, क्षेत्र-
फल 3000 वर्ग गज (तीन हजार वर्ग गज) या इसके करीब।
इसकी चौहड़ी निम्नलिखित है :

उत्तर या उत्तर की ओर इमराल्ड होटल की ओर जोनवाली
सड़क।

दक्षिण या दक्षिण की ओर पड़ोसी की जायदाद।

पूरब या पूरब की ओर पड़ोसी की जायदाद।

पश्चिम या पश्चिम की ओर टी० पी० सड़क।

अनुसूची II उपरांकित संबंधी

आंशिक या पूर्ण भूमि पालिका सं० 5-8-512 तारीख 517 ग
में अविभाजित 1.890/4 प्रतिशत अंश या भाग, जिसकी अवस्थिति
और विवरण : चिराग ग्रली लेन, हैदराबाद, नगर हैदराबाद में हैदराबाद
नगर निगम क्षेत्रांतर्गत, पंजीकरण मंडल और अवर मंडल हैदराबाद जो कि उपरोक्त "पूनम एपार्टमेंट्स" के नाम से विद्युत भवन में है, उपर्युक्त चिराग ग्रली लेन, हैदराबाद के 3000 वर्ग गज के भूखंड में
निर्मित है।

के० ए० स० बैंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 2-2-76

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 फरवरी, 1976

म० श्राव० प० मी० 247/75-76—यत. मुझे, क० एम०
बैंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी स० बी-३, एफ-३, है, जो पूनम एपार्टमेंट में है, जो
चिराग अली लेन में स्थित है। (और इसमें उपावड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन 20-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः श्रव 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती पुष्पलता गुप्ता भारीदार तथा अन्य 11 भारीदारों
के मुख्तार नामादार, मेसर्स अमोसिएट बिल्डिंग और रिएल
स्टेट एजेंट के लिए 4-1-1968 आवीद रोड हैदराबाद।
(अन्तरित)

2. श्री के० कृष्णकुमार 49, एम० आई० जी० एन० विजय
तगर कालोनी, हैदराबाद (अन्तरित)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची I निम्नांकित

आंशिक या पूर्ण भूमि या सतह की अवस्थिति और विवरण:—
चिराग अली लेन, हैदराबाद आंध्र प्रदेश, पंजीकरण मंडल और अवर-
मंडल हैदराबाद नगर, आंध्र प्रदेश, नगर हैदराबाद में हैदराबाद नगर
निगम क्षेत्र में, पालिका सं० 5-8-512 तारीख 517ग, क्षेत्रफल
3000 वर्ग गज (तीन हजार वर्ग गज) या इसके करीब। इसकी
चौहाई निम्नलिखित है :

उत्तर या उत्तर की ओर डमराल्ड होटल की ओर जाने वाली
सड़क।

दक्षिण या दक्षिण की ओर पड़ोसी की जायदाद।

पूरब या पूरब की ओर पड़ोसी की जायदाद।

पश्चिम या पश्चिम की ओर टी० पी० सड़क।

अनुसूची II ऊरराकित संबंधी

आंशिक या पूर्ण भूमि पालिका सं० 5-8-512 तारीख 517ग
में अधिभाजित 1.8904 प्रतिशत अंश या भाग, जिसकी अव-
स्थिति और विवरण : चिराग अली लेन, हैदराबाद, नगर हैदराबाद
में हैदराबाद नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत, पंजीकरण मंडल और अवर
मंडल हैदराबाद जो कि उपर्युक्त अनुसूची 1 में वर्णित है, का पूर्ण
स्वामीत्व का फ्लैट संख्या बी-३, एफ-३ दूसरी मजिल पर क्षेत्रफल
1085 वर्गफीट, जो कि उपरोक्त "पूनम एपार्टमेंट" के नाम से
खाता भवन में है, उपर्युक्त चिराग अली लेन, हैदराबाद के 3000
वर्ग गज के भूखंड में निर्मित है।

क० एम० वेंकट रामन

मध्यम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख : 2-2-76

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 फरवरी, 1976

सं० आर० ए० सी० 244/75-76 :—यतः मुझे, के० ए० सं०
वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या बी-4, एफ-5 आवीद रोड जो पूनम अपार्टमेंट्स में है, जो चिराग अली लेन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन हैदराबाद में 20-6-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ यादा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः—

1. श्रीमती पुष्पलता गुप्ता (भागीदार तथा अन्य 11 भागीदारों के मुख्तार नामादार, मैसर्स अमोमिंटेड विल्डर्स और रिएल स्टेट एजेंट के लिए 4-1-968 आबादी रोड हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. डाक्टर वसीलाल [विंग 3-4-845/3, बरकतरपुरा,
हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची I निम्नांकित

आंशिक या पूर्ण भूमि या सतह की अवस्थिति और विवरण:—
चिराग अली लेन, हैदराबाद आव्र प्रदेश, पंजीकरण मण्डल और अवर मण्डल हैदराबाद नगर, आंध्र प्रदेश, नगर हैदराबाद में हैदराबाद नगर निगम क्षेत्र में, पालिका सं० 5-8-712 ता० 517 ग, क्षेत्रफल 3000 वर्ग गज (तीन हजार वर्ग गज) या इसके करीब। इसकी चौहाई निम्नलिखित है।

उत्तर या उत्तर की ओर पड़ोस इमराल्ड होटल की ओर जाने वाली सड़क।

दक्षिण या दक्षिण की ओर पड़ोस की जायदाद।

पूरब या पूरब की ओर पड़ोस की जायदाद।

पश्चिम या पश्चिम की ओर टी० पी० सड़क।

अनुसूची II उपरांकित संबंधी

आंशिक या पूर्ण भूमि पालिका सं० 5-8-512 ता० 517 ग में अविभाजित 1. 8904 प्रतिशत अंश या भाग, जिसकी अवस्थिति और विवरण:—चिराग अली लेन, हैदराबाद में हैदराबाद नगर निगम क्षेत्रांतर्गत, पंजीकरण मण्डल और अवर मण्डल हैदराबाद जो कि उपर्युक्त अनुसूची I में वर्णित है, का पूर्ण स्वामीत्व का फ्लैट संख्या बी-4, एफ-5 दूसरी मंजिल पर क्षेत्रफल 1085 वर्गफीट, जो कि उपरोक्त "पूनम एपार्टमेंट्स" के नाम से विख्यात भवन में है, उपर्युक्त चिराग अली लेन, हैदराबाद के 3000 वर्ग गज के भूखंड में निर्मित है।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)।

अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 2-2-76

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 फरवरी, 1976

सं० आर० ए० सी० 250/75-76 :—यतः मुझे, के० एस०
बैंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ए-2, एफ-1 है, जो पूनम एपाटमेंट में है, जो चिराग
अली लेन में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-6-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती पुष्पलता गुप्ता भागीदार तथा अन्य 11 भागीदारों के मुख्तार नामादार, मेसर्स असोसिएटेड विल्डर्स और रिएल स्टेट एजेंट के लिए 4-1-968 आबीद रोड हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती डी० हम्सा देवी, 3-6-599 हिमायत नगर,
हैदराबाद। (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधद्दि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची I निम्नांकित

आंशिक या पूर्ण भूमि या सतह अवस्थिति और विवरण :—
चिराग अली लेन, हैदराबाद आंध्र प्रदेश, पंजीकरण मंडल और अवर मंडल हैदराबाद नगर, आंध्र प्रदेश, नगर हैदराबाद में हैदराबाद नगर निगम क्षेत्र में, पालिकासं० 5-8-512 तारीख 517 अंतर्काल 3000 वर्ग गज (तौन हजार वर्ग गज) या इसके करीब। इसकी ओहड़ी निम्नलिखित है :

उत्तर या उत्तर की ओर इमराल्ड होटल की ओर जाने वाली सड़क।

दक्षिण या दक्षिण की ओर पड़ोसी की जायदाद।

पूरब या पूरब की ओर पड़ोसी की जायदाद।

पश्चिम या पश्चिम की ओर टी० पी० सड़क।

अनुसूची II ऊपरांकित संबंधी

आंशिक या पूर्ण भूमि पालिका सं० 5-8-512 ता० 512 में श्रविभाजित 1.8904 प्रतिशत अंश या भाग, जिसकी अवस्थिति और विवरण :— चिराग अली लेन, हैदराबाद, नगर हैदराबाद में हैदराबाद नगर निगम क्षेत्रार्गत, पंजीकरण मंडल और अवर मंडल हैदराबाद जो कि उपर्युक्त अनुसूची 1 में वर्णित है, का पूर्ण स्वामीत्व का फ्लैट संख्या ए-2, एफ-1, पहला मंजिल क्षेत्रफल 1085 वर्गफैट, जो कि उपरोक्त "पूरम एपाटमेंट" के नाम के रूपात भवन में है, उपर्युक्त चिराग अली लेन, हैदराबाद के 3000 वर्ग गज के भूखंड में निर्मित है।

के० एस० बैंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 2-2-76

मोहर :

प्रूप आई० ई० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 फरवरी, 1976

सं० आर० ए० सी० 253/75-76 :—यतः मृश्म, के०
एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 147/1 द्वारकापुरी कालोनी है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबृथ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-6-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्म यह विश्वास करने का बाध्यन है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण फ़िक्त में बास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री के० के० मत्यामूर्ती, 1-10-15, श्रोक नगर, हैदराबाद।
(2) श्रीमती भागीरती देवी, 3-5-141/3/4, किंग कोटी रोड, हैदराबाद।
(3) शारदा देवी, 21-2-672, उदू घरीफ, हैदराबाद (अन्तरक)
2. डॉक्टर नरेंद्र स्वरूप हिंदू अविभक्त कुटुम्ब के कर्ता, रंगा रेही की बिल्डिंग, तिलक रोड, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजैन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजैन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 1065 वर्ग मीटर्स जिसका चौहटी दिवारों से घिरा है जिसका सर्वे नं० 147/1 द्वारका पुरी कालोनी, हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 4-2-1976

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 फरवरी 1976

स० आर० ए० सी० 251/75-76 :—यतः मुझे, क०एस० वेक्ट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है।

और जिसके स० ए-१/एफ-४ हैं जो पूनम प्रपार्टमेंट्स में हैं, जो चिराग अली लेन में स्थित हैं (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण स्वप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्थात् 17-6-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती पुष्पलता गुप्ता भागीदार तथा अन्य 11 भागीदारों के मुख्तार नामादार मर्मग्रंथमोसिएटेड बिल्डर्स और रिएल स्टेट एजेंट के नम० ११-१०६४ शावीद रोड, हैदराबाद।
(अन्तरक)

2. संतका सलोचना मार्गदारी सिकंद्राबाद (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची I निम्नांकित

आशिक या पूर्ण भूमि या सतह की अवस्थिति और विवरण चिराग अली लेन, हैदराबाद आंध्र प्रदेश, पंजीकरण मंडल और अवर मंडल हैदराबाद नगर, आंध्र प्रदेश, नगर हैदराबाद में हैदराबाद नगर निगम क्षेत्र में, पालिका सं० ५-८-५१२ ता० ५१७ ग, क्षेत्रफल 3000 वर्ग गज (तीन हजार वर्ग गज) या इसके करीब 7 इसकी चौहांदी निम्नलिखित है :

उत्तर या उत्तर की ओर इमराल्ड होटल की ओर जाने वाली सड़क।

दक्षिण या दक्षिण की ओर पड़ोसी की जायदाद।

पूरब या पूरब की ओर पड़ोसी की जायदाद।

पश्चिम या पश्चिम की ओर टी० पी० सड़क।

अनुसूची II उपरांकित संबंधी

आशिक या पूर्ण भूमि पालिका सं० ५-८-५१२ ता० ५१७ ग में अविभाजित 1. 8904 प्रतिशत अग्ना या भाग, जिसकी अवस्थिति और विवरण : चिराग अली लेन, हैदराबाद, नगर हैदराबाद में हैदराबाद नगर निगम क्षेत्रांतर्गत, पंजीकरण मंडल और अवर मंडल हैदराबाद जो कि उपयुक्त अनुसूची I में वर्णित है, का पूर्ण स्वामित्व का फ्लैट संख्या ए-१/एफ-४ पूनम अपारटमेंट्स हैदराबाद क्षेत्रफल 1085 वर्गफीट, जो कि उपरोक्त "पूनम एपार्टमेंट" के नाम से विख्यात भवन में है, उपर्युक्त चिराग अली लेन, हैदराबाद के 3000 वर्ग गज के भूखंड में निर्मित है।

के० एस० वेक्ट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, । हैदराबाद

तारीख : 3-2-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 फरवरी, 1976

सं० आर० ए० सी० 254/75-76—यतः मुझे, के० एस०
बैकट रामन,
आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 13/127 नंदीमा गुडी स्ट्रीट है, जो गुडूर जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय गुडूर में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-6-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा(1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री वाय, चेंचु रंगारेडि पुत्र लक्ष्मी नारायण रेडी लैंड होल्डर, पूरब गुडूर म्युनिसिपलिटी (अन्तरक)।
2. वाय, मनोज कुमार अवयस्क पालक पिता श्री जयप्रकाश रेडी पुत्र लक्ष्मी नारायण रेडी (अन्तरिती)।

वो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वार्ड नं० 13, घर नं० 127, एसेसमेट नं० 5059, 45 अक्षम, पुराना केवली का मकान नंदीमागुडी स्ट्रीट गुडूर।

के० एस० बैकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-2-76

मोहर :

प्रूप प्राईटी एन० एस०—————

1 श्री अमर नाथ व अन्य

(अन्तरक) ।

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के प्रधीन सूचना

2 श्री हरी किशन

(अन्तरित) ।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर शायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 30 जनवरी, 1976

निदेश नं० 21-एच/अर्जन :—यतः मुझे, विश्वभर नाथ,
शायकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी 20/1-15, आ० सं० 614 है तथा जो
रमाकात नगर जिं० वाराणसी में स्थित है (और इससे उपावद
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 18-6-75
को पूर्वान्तरित

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित दी गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, इस दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह (०) अनामा (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के द्वारा ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्ननिर्धित उत्तेष्ठ से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक स्थ में नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में ही किसी शाय की वापत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने वालारु के दायित्व में कमी
करने या उससे बतने में मुविधा के लिए, और

(ख) ऐसी किसी शाय ना किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय शायकर अधिनियम, 1922
(1922 ना 11) या उक्त अधिनियम
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाथे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मुविधा के लिए।

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपमारा
(1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
निए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मबद्द में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तुसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-वा में यथा-
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला मकान न० सी०-20/1-15 मय 1900 वर्ग फीट
जमीन जिसका आराजी न० 614 है जो कि रमाकात नगर, जिला
वाराणसी में स्थित है।

विश्वभर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक शायकर शायकत (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 30-1-75

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी एन० ६८०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ,

लखनऊ, दिनांक 4 फरवरी, 1976

निदेश सं० ८२-आर/अर्जन—यतः मुझे, विश्वास नाथ,
आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-घ के अधीन सधम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपयित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या 169 है तथा जो ग्राम धूरी जिला बुलन्दशहर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुलन्दशहर में रजिस्ट्री-कारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-9-75 को पूर्वोक्त

• सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती डाग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुश्किल के लिए।

यतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्

- | | |
|--------------------------|--------------|
| 1. श्रीमति चमेली देवी | (अन्तरक) । |
| 2. श्री रविशं कुमार गौड़ | (अन्तरिती) । |

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आधेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षिताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में व्यापक विभागित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 169, जो कि ग्राम धूरी, पर० बरन-जिला बुलन्दशहर में स्थित है।

विश्वास नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख । 4-2-76
मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग
नोटिस

इंजीनियरी सेवा परीक्षा, 1976

नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1976

सं० एफ० 2/9/75-प० [(ब)]—भारत के राजपत्र, दिनांक 21 फरवरी, 1976 में रेल मंत्रालय (रेल बोर्ड) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं/पदों में भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भौपाल, बम्बई, कलकत्ता, कटक, छिल्ली, विस्पुर (गोहाटी), हंदराबाद, जयपुर, मद्रास, मागपुर, पटियाला, पटना, शिलंग, श्रीनगर और त्रिवेदीम में 3 अगस्त, 1976 से एक सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

आयोग परि आहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारंभ होमे की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश प्राप्त उम्मीदवारों को परीक्षा की सम्यसारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (देखिए उपार्थन्ध II, पंरा 10)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर जिन सेवाओं/पदों के लिए भर्ती की जानी है और विभिन्न सेवाओं/पदों की रिक्तियों की अनुमानित संख्या निम्न प्रकार है:—

पुष्टक

(i) इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा	15
Indian Railway Service of Engineers.	
(ii) वैद्युत इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा	10
Indian Railway Service of Electrical Engineers.	
(iii) सिग्नल इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा	6
Indian Railway Service of Signal Engineers.	
(iv) यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा	15
Indian Railway Service of Mechanical Engineers.	
(v) भारतीय रेल भंडार सेवा	—
Indian Railway Stores Service.	
(क) सिविल इंजीनियरी	
Civil Engineering Posts.	
पद	
(ख) यांत्रिक इंजीनियरी	
Mechanical Engineering posts	
पद	
(ग) वैद्युत इंजीनियरी पद	
Electrical Engineering posts	

(घ) दूर संचार/इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरी
पद

1**

Tele-communication/Electronics Engineering posts.

(vi) केंद्रीय इंजीनियरी सेवा . 20 (अनुसूचित Central Engineering Service जातियों के उम्मीदवारों के लिए 3 तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए 4 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।

(vii) केंद्रीय वैद्युत इंजीनियरी सेवा 5 (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन Central Electrical Engineering जातियों के उम्मीदवारों Service के लिए एक-एक आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।

(viii) भारतीय पूर्ति सेवा:—

Indian Supply Service:—

(क) यांत्रिक इंजीनियरी 1 (रिक्ति श्र० जा० पद के उम्मीदवारों के Mechanical Engineering posts. लिए आरक्षित है)।

(ख) वैद्युत इंजीनियरी पद— 1

Electrical Engineering posts.

(ix) सैनिक इंजीनियर सेवाएं 23 (अनुसूचित (भवन और सड़क संवर्ग) जातियों के उम्मीदवारों के Military Engineer Services लिए 6 (Buildings and Roads तथा श्र० ज० जा० के Cadre). उम्मीदवारों के लिए 4 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।

(x) सैनिक इंजीनियर सेवा

Military Engineer Services

(वैद्युत और यांत्रिक संवर्ग) —

(Electrical and Mechanical Cadre).

(क) यांत्रिक इंजीनियरी 10 (श्र० जा० के पद उम्मीदवारों के लिए एक आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।

Mechanical Engineering posts. 2 तथा श्र० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए एक आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।

(ख) वैद्युत इंजीनियरी पद 10 (श्र० जा० के उम्मीदवारों के लिए 3 तथा श्र० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए एक आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।

(xi) भारतीय आयुध कारखाना Indian Ordnance Factories सेवा (इंजीनियरी शाखा) Service (Engineering Branch)	(क) सिविल इंजीनियरी पद 3 (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए एक आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।	(क) बैचुत् इंजीनियरी पद 21 (अ० जा० के Electrical Engineering posts, उम्मीदवारों के लिए 4 तथा अ० जा० जा० के उम्मीदवारों के लिए 2 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।
(xii) यांत्रिक इंजीनियरी पद . 32 (अ० जा० के Mechanical Engineering posts, उम्मीदवारों के लिए 6 तथा अ० जा० जा० के उम्मीदवारों के लिए 3 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।	(ब) यांत्रिक इंजीनियरी 4 (अ० जा० के के पद . . . उम्मीदवारों के लिए Mechanical Engineering posts, एक आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।	
(xiii) बैचुत् इंजीनियरी पद 5 (अ० जा० तथा Electrical Engineering posts, अ० जा० जा० के उम्मीदवारों के लिए एक-एक आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।	(xv) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा 2 (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए सड़क) Central Engineering Service एक आरक्षित रिक्ति (Roads). सम्मिलित है)।	
(xiv) इलैक्ट्रॉनिकी इंजी- 5 (अ० जा० तथा नियरी पद . अ० जा० जा० के Electronics Engineering posts, उम्मीदवारों के लिए एक-एक आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।	(xvi) उप प्रायुष पूर्ति प्रधिकारी, ग्रेड II के पद :— Posts of Deputy Armament Supply Officer, Grade II.	
(xv) टेलीग्राफ इंजीनियरी सेवा 50 (अ० जा० के Telegraph Engineering Service उम्मीदवारों के लिए 16 और अ० जा० जा० के उम्मीदवारों के लिए 9 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।	(क) यांत्रिक . . . 2 (अ० जा० जा० के उम्मीदवारों के लिए एक आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।	
(xvi) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा :— Central Water Engineering Service,	(ब) इलैक्ट्रॉनिकी— * Electronics	
(क) सिविल इंजीनियर पद—20 (अ० जा० के Civil Engineering posts, उम्मीदवारों के लिए 3 तथा अ० जा० जा० के उम्मीदवारों के लिए 2 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।	(ग) बैचुत् Electrical 2 (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए एक आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।	
(xvii) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा :— Central Water Engineering Service,	(xvii) सहायक ड्रिलिंग इंजीनियरी Post of Assistant Drilling का पद भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण— Engineer, in the Geological Survey of India.	
(xviii) केन्द्रीय यांत्रिक इंजीनियर पद— 3 (अ० जा० के Civil Engineering posts, उम्मीदवारों के लिए 2 तथा अ० जा० जा० के उम्मीदवारों के लिए 1 आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।	(xviii) यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) Post of Mechanical Engineer (Junior) का पद, भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण in the Geological Survey of India.	
(xix) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा :— Central Power Engineering Service.	(xix) सहायक कार्यकारी इंजी- Posts of Assistant Executive Engineer, नियरी के पद, डाक-तार सिविल इंजीनियरी स्कॉल— in the P&T Civil Engineering Wing	
(x) सिविल पद— . . .	(क) सिविल . . . Civil 12**	
(y) यांत्रिक इंजीनियरी पद— . . . Mechanical Engineering posts.	(ब) बैचुत् Electrical 3**	

(xx) सहायक प्रबन्धक (कार-खाना) का पद, डाक-तार दूर-संचार कारखाना संगठन 2 (अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए एक आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।	(xxvii) सहायक यांत्रिक इंजीनियर का पद, भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण Post of Assistant Mechanical Engineer, in the Geological Survey of India.
(xxi) इंजीनियर का पद, बेतार Post of Engineer, in the Wireless Planning and Co-ordination Wing/ स्कन्ध/प्रनुश्चालन संगठन, संचार मंत्रालय 1 Monitoring Organisation, Ministry of Communications.	(xxviii) सहायक इंजीनियर के पद, डाक-तार सिविल इंजी-नियरी स्कन्ध :— Post of Assistant Engineer, in the P&T Civil Engineering Wing Electrical.
(xxii) उप-प्रभारी इंजीनियर का पद, समुद्रपार संचार सेवा, in the Overseas Communications. Service, Ministry of Communications.	(क) सिविल 20** Civil (ख) वैद्युत 5** Electrical
संचार मंत्रालय 2 (अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए एक आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)	(xxix) सहायक इंजीनियर के पद Post of Assistant Engineer, in the Civil Construction Wing of All India Radio :
(xxiii) सहायक स्टेशन इंजीनियर Post of Assistant Station Engineer in the All India सूचना और प्रसारण मंत्रालय Radio, Ministry of Information and Broadcasting.	(क) सिविल Civil (ख) वैद्युत Electrical
(xxiv) तकनीकी अधिकारी का पद Post of Technical Officer, in the Civil Aviation Department, पर्यटन और सिविल विमान नन मंत्रालय Ministry of Tourism and Civil Aviation.	(xxx) सहायक इंजीनियर का पद Post of Assistant Engineer, प्रसारण मंत्रालय 37 (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 5 और अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए 3 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।
(xxv) संचार अधिकारी का पद Post of Communication Officer, सिविल विमान विभाग, in the Civil Aviation Department, पर्यटन और सिविल विमान नन मंत्रालय Ministry of Tourism and Civil Aviation.	(xxxi) सहायक इंजीनियर का पद, Post of Assistant Engineer, समुद्रपार संचार सेवा, in the Overseas Communications
संचार मंत्रालय 4 (अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के सिए एक तथा अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए एक आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।	(xxvi) तार यातायात सेवा Post of Technical Assistant, (प्रशासित) समुद्रपार (Non-Gazetted) in the Overseas .
पुष्ट	
(xxvii) तार यातायात सेवा Telegraph Traffic Service.	

संचार सेवा, संचार मंत्रालय 6 (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए उम्मीदवारों के लिए एक आरक्षित रिक्तियां और अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए एक आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।

मद संख्या (i), (ii), (iii), (iv), (v) तथा (xi) पर उल्लिखित सेवाओं/पदों के सामने दिखाई गई रिक्तियां स्थायी हैं।

मद संख्या (vi), (vii), (viii), (ix), (x), (xi), (xii), (xiii), (xiv), (xv), (xvi), (xx), (xxi), (xxii), (xxiii), (xxx), (xxxii) और (xxxii) पर उल्लिखित सेवाओं/पदों के सामने दिखायी गई रिक्तियां अस्थायी हैं।

मद संख्या (xii), (xix) और (xxviii) पर सेवाओं/पदों के सामने दिखाई गई रिक्तियां अस्थायी हैं किन्तु उनके स्थायी कर दिये जाने की संभावना है।

उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

*रिक्तियां सरकार ने सूचित नहीं की हैं।

*अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या यदि कोई होगी सरकार द्वारा निर्धारित की जाएगी।

नोट:—उपर्युक्त सेवाओं/पदों पर भर्ती नियमावली के परिशिष्ट-I के पैरा 2 के निर्धारित परीक्षा योजना(ओं) के आधार पर की जाएगी।

3. उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं/पदों में से संबंधित लिए या किसी एक के लिए परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक सेवा/पद के लिए परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता हो तो भी उसे एक ही आवेदन-पत्र भेजने की आवश्यकता है। उसे उपादान-स्पष्ट उल्लिखित शुल्क भी केवल एक बार देना होगा और प्रत्येक सेवा/पद, जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है, के लिए अलग-अलग शुल्क नहीं देना होगा।

ध्यान दें: 1.—उम्मीदवारों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे जिन सेवाओं/पदों के लिए विचार किए जाने के इच्छुक हों; अपने आवेदन-पत्रों में उनका वरीयता क्रम के अनुसार स्पष्ट उल्लेख करें। उन्हें सलाह दी जाती है कि वे जितनी चाहें उतनी वरीयताओं का उल्लेख करें ताकि योग्यता क्रम में उनके रैंक का ध्यान रखते हुए, नियुक्ति करते समय उनकी वरीयताओं पर उचित ध्यान दिया जा सके।

स्थायी और अस्थायी दोनों तरह की रिक्तियों वाले पदों का (देखिए नोटिस का पैरा 2) स्थायी और अस्थायी

रिक्तियों के लिए अलग-अलग और सुनिश्चित उल्लेख किया जाना चाहिए।

इस प्रकार, यदि बांधित हो तो उसी सेवा/पद का एक से अधिक बार उल्लेख किया जाए।

सेवा/पद के समूह या समूहों यथा सिविल इंजीनियरी, यात्रिक इंजीनियरी, वैश्वत इंजीनियरी और दूर संचार तथा इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरी (देखिए नियमावली की प्रस्तावना) में सम्मिलित जिन सेवाओं/पदों के लिए उम्मीदवार परीक्षा में बैठ रहा है उनके संबंध में उम्मीदवार द्वारा इंगित वरीयता-परिवर्तन के किसी अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक कि इस प्रकार के परिवर्तन से संबद्ध अनुरोध 30 अक्टूबर, 1976 को या उससे पहले संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त न हो जाए।

ध्यान दें: 2—उम्मीदवार केवल उन्हीं सेवाओं और पदों के लिए अपनी वरीयता बताएं जिनके लिए वे नियमों की शर्तों के अनुसार पात्र हों और जिनके लिए वे प्रतियोगी हों। जिन सेवाओं और पदों के वे पात्र नहीं हैं और जिन सेवाओं और पदों से सम्बन्धित परीक्षाओं में उन्हें प्रवेश नहीं दिया जाता है उनके बारे में बताई गई वरीयता पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। अतः नियम 5 (ख) या 5 (ग) या 5 (घ) के अधीन परीक्षा में प्रवेश दिए गए उम्मीदवार केवल उनमें उल्लिखित सेवाओं/पदों के लिए ही प्रतियोगी बनने के पात्र होंगे और अन्य सेवाओं और पदों के लिए उनकी वरीयता पर कोई ध्यान नहीं दिया जाएगा। इसी तरह नियम 6 के परन्तुक के अधीन परीक्षा में प्रवेश दिए गए उम्मीदवारों की वरीयता पर भी केवल उक्त परन्तुक में उल्लिखित पदों के लिए ही विचार किया जाएगा तथा अन्य सेवाओं और पदों के लिए वरीयता, यदि कोई है, पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण दो रूपये देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किये जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीश्वार्डर द्वारा या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल शार्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीश्वार्डर/पोस्टल शार्डर के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जायेंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रूपये की यह राशि किसी भी हालत में बापस नहीं की जाएगी।

नोट:—उम्मीदवारों को बेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र इंजीनियरी सेवा परीक्षा, 1976 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। इंजीनियरी सेवा परीक्षा, 1976 के लिए निर्धारित आवेदन-प्रपत्रों से इतर

प्रष्टवों पर प्रस्तुत आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पास 5 अप्रैल, 1976 (5 अप्रैल, 1976 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह या लक्ष्मीद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 19 अप्रैल, 1976) को या उससे पूर्व ग्रदण्ड पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाब्त प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जायेगा।

6. उक्त परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को उपाबन्ध-I में निर्धारित परीक्षा शुल्क का भुगतान उसमें निर्दिष्ट रीति से अवश्य करें।

जिन आवेदन-पत्रों में यह अवेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो उपाबन्ध-I के पैरा 2 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट आते हैं।

7. उम्मीदवार हारा अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाब्त उम्मीदवारी वापस लेने से सम्बद्ध उसके किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

एम० एस० प्रुथी
उप-सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

उपाबन्ध-I

1. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को शुल्क के रूप में ₹ 80.00 (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए ₹ 20.00) के रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डरों या स्टेट बैंक शाफ़ इंडिया, नई दिल्ली पर देय बैंक ड्राफ्ट हारा भुगतान अवश्य करें।

आयोग उन उम्मीदवारों के मामलों को छोड़कर जो आवेदन-पत्र भेजते समय विदेशों में रह रहे हों, अन्य विधि से किए गए भुगतान को स्वीकार नहीं करेगा। विदेशों में रह रहे उम्मीदवार निर्धारित शुल्क को संबद्ध भारतीय मिशनों में जमा कर सकते हैं।

2. आयोग, यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान अब बंगला देश से प्रव्रज्ञ कर भारत आया हुआ। वास्तविक व्यक्ति है, या वह बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद

भारत आया है, या वह श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाब्त भारत आया है और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

3. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया ही किन्तु जिसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो उसे ₹ 54.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में ₹ 14.00) की राशि वापस कर दी जाएगी। किन्तु यदि नियम 6 के नीचे नोट 1 की शर्तों के अनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार का आवेदन-पत्र यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया जाता है कि वह अर्द्धक परीक्षा में असफल रहा है अथवा वह उपर्युक्त नोट के उपाबन्धों की अपेक्षाओं का अन्यथा पालन नहीं कर सकेगा तो वह शुल्क वापसी का हकदार नहीं होगा।

उपर्युक्त व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

उपाबन्ध-II

उम्मीदवारों को अमुद्रेश

1. इस नोटिस के पैरा 4 में उल्लिखित रीति के अनुसार इस परीक्षा से संबद्ध नोटिस, नियमावली, आवेदन-प्रपत्र तथा अन्य विवरण संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं।

उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट महीं दी जा सकती है।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केवलों में से किसी एक को, जहाँ वह वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अंतिम रूप से चुन सेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबद्ध किसी अनुरोध पर विचार महीं किया जाएगा।

2. (i) उम्मीदवार को आवेदन-प्रपत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

(ii) भरा हुआ आवेदन-पत्र तथा पावती कार्ड सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को इस तरह भेजा जाना चाहिए ताकि वह उसके पास नोटिस में निर्धारित अंतिम तारीख तक अवश्य पहुंच जाए।

नोटिस में निर्धारित तारीख के बाद आयोग को प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

आयोग, यदि चाहे तो, विदेशो में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह वा लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवार से इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 5 अप्रैल, 1976 से पहले की किसी तारीख से विदेश में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप में रह रहा था।

सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी हैसियत से प्रथमा आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारियों से इतर निर्माण प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत से पहले से कार्य कर रहे व्यक्तियों को अपने आवेदन-पत्र संबद्ध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत ही भेजने चाहिए जो आवेदन-पत्रों के अंत में दिए गए पृष्ठाकानों को भर कर उन्हें आयोग के पास भेज देगा। ऐसे उम्मीदवारों को, अपने ही हित में, अपने आवेदन-पत्रों की अधिग्रहण प्रतियां सीधे आयोग को भेज देनी चाहिए। यदि इनके साथ निर्धारित शुल्क होगा तो उन पर अनेकतम रूप से विचार कर लिया जाएगा किन्तु मूल आवेदन-पत्र आयोग के कार्यालय में सामान्यतः अंतिम तारीख के बाद पन्द्रह दिन के अन्दर पहुंच जाना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति जो पहले से सरकारी सेवा में है अपने आवेदन-पत्र की अधिग्रहण प्रति निर्धारित शुल्क के साथ प्रस्तुत नहीं करता है अथवा उसके द्वारा प्रस्तुत की गई अधिग्रहण प्रति आयोग के कार्यालय में अंतिम तारीख तक या उससे पहले प्राप्त नहीं हो जाती है तो उसके द्वारा संबद्ध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत प्रस्तुत किया गया आवेदन-पत्र, यदि आयोग के कार्यालय में अंतिम तारीख के बाद प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा।

गैर-सरकारी नौकरी में लगे या सरकारी स्वामित्व वाले ग्रौद्योगिक उद्यमों या इस प्रकार के अन्य संगठनों में काम करने वाले दूसरे सभी उम्मीदवारों के आवेदन-पत्र सीधे लिए जा सकते हैं। यदि कोई ऐसा उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता की मार्फत भेजता है और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को अंतिम तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रलेख अवश्य भेजने चाहिए:—

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्रॉफ्ट (देखिए उपाधन्य-I)।
- (ii) आयु के प्रमाण-पत्र की अभिप्राप्ति/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्राप्ति/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी. ०×७ सें. मी. ०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां।

(v) जहां लागू हो वहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्राप्ति/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।

(vi) जहां लागू हो वहां आयु/शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्राप्ति/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5)।

(vii) सर्वेक्षण का एकलिक विषय लेने वाले उम्मीदवारों के मामले में एक प्रमाण-पत्र की अभिप्राप्ति/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत की जानी चाहिए कि उम्मीदवार ने व्यावहारिक सर्वेक्षण सहित सर्वेक्षण में संतोषजनक प्रशिक्षण प्राप्त किया है। (कृपया पाठ्यचर्चा देखें)।

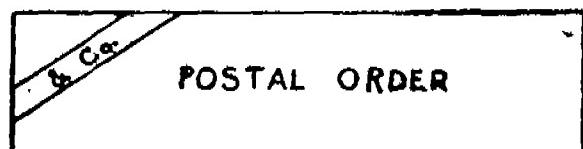
नोट:—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त मद (ii), (iii), (v), (vi) तथा (vii) पर उल्लिखित प्रमाण-पत्रों को केवल प्रतिलिपियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्राप्ति हो अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों।

जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणाम के अधीर पर अवितर्त्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए अहंता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित हो जाने के तुरन्त बाद उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों की मूल प्रतियां प्रस्तुत करनी होंगी। परिणामों के दिसम्बर, 1976 के भीतरीने में घोषित किए जाने की संभावना है। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों को तैयार रखना चाहिए और लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किये जाने के तुरन्त बाद आयोग को भेज देना चाहिए जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित मूल प्रमाण-पत्र नहीं भेजेंगे उनकी उम्मीदवारी रह कर दी जाएगी और ये उम्मीदवार आगे विचार किए जाने का कोई दावा नहीं कर सकेंगे।

मद (i) से (iv) में और मद (vii) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं और मद (v) और (iv) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण पैरा 4 और 5 में दिए गए हैं:—

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर :—

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः निम्न प्रकार रेखांकित किया जाए:—



तथा निम्न प्रकार भरा जाए। "Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विस्तृपित या कटेफटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को अवश्य छ्यान रखना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय किए गए हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा से प्राप्त किया जाए और सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इंडिया, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली में देय हो तथा विधिवत् रेखांकित किया गया हो।

किसी अन्य बैंक में देय बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जायेंगे। विस्तृपित या कटेफटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

नोट :—जो उम्मीदवार आवेदन-पत्र भेजते समय विदेश में रह रहे हों, वे निर्धारित शुल्क की राशि ₹ 80.00 के बराबर (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए ₹ 20.00 के बराबर) यथास्थिति उस देश में स्थित भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करवाएं और उसमें कहा जाए कि वे उस राशि को लेखा शीर्ष “051-PUBLIC SERVICE COMMISSION-EXAMINATION FEES” में जमा कर दें। उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवेदन-पत्र के साथ भेजे।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र :—आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा संग्रहित मैट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण में दर्ज की गई हो और वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। जिस उम्मीदवार ने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रतरुत कर सकता है।

अनुदेशों के इस भाग में आए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हेडमास्टर/प्रिसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हे यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दो गई जन्म की तारीख से भिन्न हो और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

नोट 1 :—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयु से संबद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 2 :—उम्मीदवारों को छ्यान रखना चाहिए कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र :—उम्मीदवार को एक ऐसे प्रमाण-पत्र की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य भेजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 6 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (प्रथम/विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की एक अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से संबद्ध अपने दावे की पुष्टि में किसी अन्य प्रमाण-पत्र को प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। आयोग इस साक्ष्य पर उसकी गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

आयोग को अपना आवेदन-पत्र भेजते समय यदि किसी उम्मीदवार के पास नियम 6 में निर्धारित डिग्री न हो तो उसे नीचे नोट 1 के अधीन दिए गए प्रमाण-पत्र के प्रपत्र के पैरा 1 में निर्धारित प्रपत्र में संबद्ध कालिज/विश्वविद्यालय के प्रिंसि-

पल/रजिस्ट्रार/डीन से लिए गए इस आशय के एक प्रमाण पत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए कि उसने अर्हक परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है और डिग्री प्रदान किए जाने के लिए आवश्यक सभी अपेक्षाएं पूरी कर ली हैं।

नोट 1:—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। ऐसे उम्मीदवारों को, यदि अन्यथा पात्र होगे तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनंतिम मानी जाएगी और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में 30 अक्टूबर, 1976 तक नीचे निर्धारित प्रपत्र में प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

अर्हक परीक्षा उत्तीर्णता दर्शने वाला प्रमाण-पत्र

1. प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी

सुपुत्र/सुपुत्री* ने
जो इस कालेज के/की* छात्र/छात्रा* है
..... परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है और
डिग्री पाप्त करने के/की* पात्र हो गए/गई* है तथा उन्हें
..... श्रेणी मिली है।

2. प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी

सुपुत्र/सुपुत्री*
मास, 19 में द्वारा
आयोजित परीक्षा
में बैठने वाले/वाली* हैं, बैठे/वैठी* हैं और उक्त परीक्षा के
परिणाम की 19
तक घोषित हो जाने की सम्भावना है।

हस्ताक्षर
पदनाम
संस्था का नाम
स्थान

दिनांक :

नोट 2:—नियम 6 के परन्तुक में उल्लिखित योग्यताओं के साथ परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को सम्बद्ध कालेज/संस्था/विश्वविद्यालय के प्रिसिपल/डीन से यह दर्शने वाले प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसमें दिए गए विशेष विषयों में से एक विषय लेकर एम०एस०सी० डिग्री परीक्षा या समक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है/दी है।

*जो लाग् न हो, काट दें।

(iv) **फोटो :**—उम्मीदवारों को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी०×7 सें. मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रत्यायां भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह नस्थी कर देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्थानी से हस्ताक्षर करने चाहिए।

(v) “सर्वेक्षण” में व्यावहारिक प्रशिक्षण का प्रमाण-पत्र :—जो उम्मीदवार “सर्वेक्षण” को एक वैकल्पिक विषय के रूप में लेता है उसे इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसने किसी ऐसी संस्था/कालेज में व्यावहारिक सर्वेक्षण स्थित सर्वेक्षण कार्य का प्रशिक्षण संतोषजनक रूप से प्राप्त कर लिया है जिसे इस सेवा की प्रतियोगिता परीक्षा में प्रवेश के लिए मान्यता प्राप्त है। यह प्रशिक्षण सिविल इंजीनियरी की किसी डिग्री अध्यवा डिप्लोमा के पूर्ण पाठ्यक्रम में सम्मिलित प्रशिक्षण के समकक्ष होना चाहिए। इस प्रमाण-पत्र पर कालेज अध्यवा संस्था के प्रिसिपल अथवा सर्वेक्षण विभाग के अध्यक्ष, के हस्ताक्षर होने चाहिए।

अपवादिक परिस्थितियों में किसी व्यक्तिगत मामले में आयोग इस अपेक्षा से छूट दे सकता है यदि वह इस बात से संतुष्ट हो मग्यि उम्मीदवार ने किसी मान्यताप्राप्त संस्था में उपर्युक्त सर्वेक्षण का प्रशिक्षण प्राप्त नहीं किया है, किन्तु उसने अन्य प्रशिक्षण और/या सेवा कालीन अनुभव प्राप्त कर लिया है तथा वह सर्वेक्षण में प्रवीणता का वह स्तर प्राप्त कर चुका है, जो आयोग के मतानुसार उस स्तर के समकक्ष है, जो किसी उम्मीदवार द्वारा सिविल इंजीनियरी में डिग्री अध्यवा डिप्लोमा के पूरे पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करके प्राप्त किया जाता है।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी
..... जो इस कालेज/संस्था के/की छात्र/
छात्रा रहे/रही हैं, ने इस कालेज/संस्था से सर्वेक्षण में व्या-
वहारिक प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया है जो सिविल इंजीनियरी
की किसी डिग्री अध्यवा डिप्लोमा के पूर्ण पाठ्यक्रम में सम्मि-
लित सर्वेक्षण के व्यावहारिक प्रशिक्षण के समकक्ष है।

2. यह भी प्रमाणित किया जाता है कि यह कालेज विष्वविद्यालय
से मन्वद्ध है।

हस्ताक्षर
कालेज अध्यवा संस्था का नाम
स्थान

दिनांक

ध्यान दें:—उम्मीदवारों की चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ उपर पैरा 3(ii), 3(iii), और 3(iv) और 3(vii) में उल्लिखित प्रलेख आविध में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं मूली जाएगी। यदि कोई प्रलेख आवेदन-पत्र के साथ न भेजे गए हों तो उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद लीब्रे ही भेज देना चाहिए और वे (उपर पैरा 3(iii) के तौर पर) में उल्लिखित स्थिति को छोड़कर हर हालत में आवेदन-पत्र प्राप्त करने के लिए निर्धारित अन्तिम तारीख के बाद एक महीने के भीतर आयोग के कार्यालय में पहुंच जाने चाहिए। यदि ऐसा न किया गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुभूचित जन जाति का दोनों का दावा करते हों तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप-मण्डल अधिकारी या नीचे उल्लिखित किसी अन्य अधिकारी से जिसे संबंध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए पर्म में प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हों तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आमतौर पर रहता है।

भारत सरकार के अधीन पट्टों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी
सुपुत्र/सुपुत्री श्री*
जो गांव/कस्बा*
जिला/मंडल* राज्य/
संघ* राज्य क्षेत्र के/की*
निवासी हैं जाति/जन* जाति/
के/की* हैं जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/
अनुसूचित* जन जाति के रूप में मान्यता दी गई है।

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950*।

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) आदेश, 1950*।

संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश,
1951*।

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र)
आदेश, 1951*।

18—466GI/75

(अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूची (आशोधन) आदेश, 1956, वर्षा, पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्व क्षेत्र (पुनर्गठन), अधिनियम, 1971 द्वारा यथा संशोधित)।

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956*।

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1959*।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962*।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1962*।

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964*।

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967*।

संविधान (गोआ, दमन और दियू) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968*।

संविधान (गोआ, दमन और दियू) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1968*।

संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित [जन जातियां आदेश, 1970*।

2. श्री/श्रीमती/कुमारी* और/या* उनका परिवार आम तौर से गांव/कस्बा* जिला/मंडल* राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र में रहते/रहती* हैं।

हस्ताक्षर
**पदनाम
(कार्यालय की मोहर महिन)

स्थान

राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र
तारीख

*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

नोट :—यहां प्रयुक्त “आम तौर से रहते/रहती हैं” का अर्थ वही होगा जो “रिप्रेजेण्टेशन आफ दि पीपुल एक्ट, 1950” की धारा 20 मे है।

**जाति/जन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी :—

- (i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/क्लेक्टर/डिप्टी कमिशनर/एडीशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी क्लैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब-डिवीजनल* मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा अभिस्ट्रेट कमिशनर।
- *(प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट मे कम औहदे का नहीं।)
- (ii) चीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट।
- (iii) रेवेन्यू अफसर जिसका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।
- (iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहा उम्मीदवार और या उसका परिवार आमतौर से रहता हो।
- (v) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का मचिव/डेवलपमेंट अफसर, लक्ष्यांगीप।

5. (i) नियम 5 (ङ) (iii) या 5 (ङ) के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा मे छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों मे से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व प्रव्रजन कर भारत आया है।

- (1) दंडकारण्य परियोजना के ट्राइट केन्द्रो अथवा विभिन्न राज्यों मे स्थित राहत शिविरों के कैम्प कमांडेट।
- (2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट, जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
- (3) अपने-अपने जिलों मे शरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।
- (4) स्वयं प्रभारित सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर।
- (5) उप शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिम बंगाल/निदेशक (पुनर्वास) कलकत्ता।

यदि वह उपाधन्ध I के पैरा 2 के अन्तर्गत शुल्क मे छूट चाहता है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति मे नहीं है।

(ii) नियम 5 (ङ) (iv) अथवा 5 (ङ) (v) के अन्तर्गत निर्धारित आयु मे छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका मे भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्तूबर, 1964, के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद भारत आया है।

यदि वह उपाधन्ध 1 के पैरा 2 के अन्तर्गत शुल्क मे छूट चाहता है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति मे नहीं है।

(iii) नियम 5 (ङ) (iv) के अन्तर्गत आयु-सीमा मे छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य टंजानिया से प्राए हुए उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तविक मे उपर्यन्त देशो से आया है।

(iv) नियम 5 (ङ) (vii) अथवा 5 (ङ) (viii) के अन्तर्गत निर्धारित आयु-सीमा मे छूट चाहने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राज-दूतावास, रंगून द्वारा दिए गए पहचान प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के सिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963, को या उसके बाद भारत आया है।

यदि वह उपाधन्ध I के पैरा 2 के अन्तर्गत शुल्क मे छूट चाहता है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के विसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति मे नहीं है।

(v) नियम 5 (ङ) (ix) अथवा 5 (ङ) (x) के अन्तर्गत आयु-सीमा मे छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा मे कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, पूनः स्थापन, रक्षा मंत्रालय, से निम्नलिखित निर्धारित फार्म पर इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवा मे कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ मंधर्ष मे अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र मे फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार हारा प्रस्तुत किए जाने के फूले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट

के रैक न०

रक्षा

सेवाओं मे कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष मे/अशांतिग्रस्त* क्षेत्र मे फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उम विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर

पदनाम

दिनांक

*जो शब्द लागू न हों उसे कृपया काट दें।

(vi) नियम 5 (इ) (xi) अथवा 5 (इ) (xii) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय में नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रामणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म:—

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट
के रैक नं.
सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए सन् 1971 के भारत पाक शत्रुता संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर
पठनाम
तारीख

6. जिस व्यक्ति के लिए पावता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, तो उसे अभीष्ट पावता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए भारत सरकार के रेल/निर्माण और आवास/रक्षा/ऊर्जा/शृंगी प्रतिलिपि और सिचाई/संचार/उद्योग और नागर पूर्ति/पूर्ति और पुनर्वास/दृश्यात और खान/जहाजरानी और परिवहन/सूचना और प्रसारण/पर्यटन और सिविल विमानन संतालय को आवेदन करना चाहिए।

7. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई क्षण ब्यौरा न दें अथवा किसी महत्व-पूर्ण सूचना को न छिपाएँ।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए किस प्रतिलिपि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें और न उसमें परिवर्तन करें और न कोई फेरबदल करें और न ही कोई फेर बदल किए गए/छूटे प्रतेक प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या अधिक प्रतेकों या उनक प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

8. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-पत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-पत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बठने का पात्र हो गया है।

9. यदि परीक्षा से संबद्ध आवेदन-पत्रों की प्राप्ति की आखिरी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए।

10. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

11. जिन पुस्तकाओं में नियमावली तथा पिछली पांच परीक्षाओं के प्रश्न-पत्रों का ब्यौरा सम्मिलित होता है, उनकी विक्री प्रकाशन नियन्त्रक, सिविल लाइसेंस, दिल्ली-110006 के द्वारा की जाती है और उन्हें बहाने से मेल आर्डर अथवा नकद भुगतान द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, रिवोल्वी सिनेमा के सामने एम्पोरिया बिल्डिंग, 'मी' ब्लाक, बाबा खड़गसिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001 और (ii) प्रकाशन शाखा के विक्री काउंटर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 और कार्यालय, संघ लोक सेवा आयोग, भौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 और (iii) गवर्नरमेंट आफ इंडिया बुक डिपो, 8 के० एस० राय रोड, कलकत्ता-1, से भी केवल नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तकाएँ विभिन्न सुफसिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

12. आवेदन-पत्रों से संबद्ध पत्र-ध्यवहार:—आवेदन-पत्रों से सम्बद्ध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा ब्यौरा अनियावै रूप से दिया जाए:—

- (i) परीक्षा का नाम
- (ii) परीक्षा का महीना और वर्ष
- (iii) उम्मीदवार का रोल नम्बर अथवा जन्म की तारीख, यदि रोल नम्बर सुचित नहीं किया गया है।
- () उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)
- () आवेदन-पत्र में शिया गया पत्र-ध्यवहार का पता

ध्यान दें:—जिन पत्र आदि में यह ब्यौरा नहीं होगा,
संभवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

13. पते में परिवर्तन:—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 12 में उल्लिखित ब्यौरे के साथ, यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। आयोग ऐसे परिवर्तन पर ध्यान देने का पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 7th February 1976

No. F.6/76.SCA(1).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to appoint Shri Y. P. Gupta, Assistant as officiating Section Officer with effect from 6 February 1976 until further orders.

R. SUBBA RAO
Deputy Registrar (Admn.)
Supreme Court of India

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 24th January 1976

No. 38013/1/75-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri A. K. Poddar, a permanent Assistant and officiating Section Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Government service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 31st December, 1975 in terms of Department of Personnel O.M. No. 33/12/73-Ests.(A) dated the 24th November, 1973.

No. A.38013/2/75-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri K. M. Bhattacharya, a permanent Assistant and officiating Section Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Government service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 31st December, 1975 in terms of Department of Personnel O.M. No. 33/12/73-Ests.(A) dated the 24th November, 1973.

The 31st January 1976

No. A.32013/1/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Miss S. T. Keswani, a permanent officer of the Section Officer's Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a further period from 12-11-1975 to 29-2-1976 or till a regular officer joins, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE
Under Secretary,
(Incharge of Administration)
Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 24th January 1976

No. A.12025(ii)/1/75-Admn.III.—In continuation of this office notification No. A.32014/1/75-Admn.III dated 12-6-75, the President is pleased to appoint Shri Dhanish Chandra, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service in the same cadre for a further period from 1-1-1976, until further orders.

P. N. MUKHERJEE
Under Secretary,
Union Public Service Commission.

CABINET SECRETARIAT

DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATION REFORMS

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 22nd January 1976

No. A-19037/1/76-AD-V.—Director, C.B.I and I.G.P., S.P.E. is pleased to promote Shri R. C. Gupta, A.C.I.O. (Grade I) to officiate as Deputy Central Intelligence Officer in the Central Finger Print Bureau Calcutta/Central Bureau of Investigation with effect from the forenoon of 9-1-76 until further orders.

K. K. PURI
Deputy Director (Admn.)
C.B.I.

New Delhi, the 27th January 1976

No.A. 31014/2/75-AD.I.—In exercise of the powers conferred by Rule 9(2) of the Central Civil Services (Classification, control and Appeal) Rules 1965, Director, Central Bureau of Investigation & I.G.P., S.P.E. hereby appoints Shri

S. K. Das Gupta, as Junior Scientific Officer (Photo), C.F. S.L. in the CBI in a substantive capacity with effect from 1-3-73.

The 31st January 1976

No. A.-19021/1/76-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri H. J. Dora, (IPS—Andhra Pradesh) as Supt. of Police in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 17-1-1976, until further orders.

The 3rd February 1976

No. D-7/73-AD-V.—On the expiry of his term of deputation, the services of Shri D. Acharya (IPS—U.P.) Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation are placed back at the disposal of the State Government of Uttar Pradesh with effect from 24-12-75.

No. PF-M-97/68-AD-V.—Director, CBI and J. G. P./S. P. E. hereby appoints Shri M. G. Misra, Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation on deputation to CBI from Madya Pradesh state as Sr. PP in Central Bureau of Investigation with effect from the forenoon of 1st January, 1976 till further orders.

The 6th February 1976

No. A. 35018/15/75-AD.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appointments Shri Pranab Kumar Rudra, Sub-Inspector of Police, Calcutta Police, on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation, Calcutta Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 22nd January, 1976, until further orders.

G. L. AGARWAL
Administrative Officer (I.)
C.B.I.

INSTITUTE OF SECRETARIAT TRAINING &
MANAGEMENT
(EXAMINATION WING)CLERKS' Grade EXAMINATION (FOR CLASS IV
STAFF), 1976

New Delhi-110022, the 21st February 1976

NOTICE

No. 13/8/75-ARRNG.—The abovementioned departmental competitive examination will be held by the Institute on 2nd September, 1976, at Delhi and selected Indian Missions abroad for recruitment to temporary vacancies in Lower Division Grade of Central Secretariat Clerical Service, AFHQ Clerical Service, Grade VI of Indian Foreign Service (B) and posts of Lower Division Clerks/in the Department of Parliamentary Affairs. The examination is restricted to certain categories of Class IV employees working in Ministries/Departments/Offices participating in abovementioned Services who satisfy following conditions.

- (a) *Length of Service*: Should have rendered on 1st January, 1976 not less than 5 years approved and continuous service as a Class IV employee or in a higher grade;
- (b) *Age*: Should be not more than 45 years of age on 1st January, 1976. Upper age limit relaxable by five years for SC/ST candidates; and
- (c) *Educational Qualifications*: Must have passed Matriculation or equivalent examination.

No fee will be charged for the examination

2. Full particulars and application forms obtainable from Institute of Secretariat Training & Management (Examination Wing) West Block 1, R. K. Puram, New Delhi-110022 by remitting Re. 1/- (Rs. 2/- if despatch of application form desired by Registered Post), by means of crossed (A/c Payee) Indian Postal Orders payable to Institute of Secretariat Training & Management (Examination Wing) at R. K. Puram, (Delivery) Post Office, New Delhi or on cash payment at sale counter in Institute's Office.

3. Completed application forms must reach the Institute by 21st April, 1976 (6th May, 1976 for candidates residing abroad or in Andaman and Nicobar Islands or in Lakshadweep).

MADAN LAL,
Director (Examinations)

LAL BAHADUR SHASIRI NATIONAL ACADEMY OF ADMINISTRATION

Mussoorie, the 28th January 1976

No. 7/2/73-EST.—In supersession of Notification No. 3/30/73-EST dated 30-8-1974, Shri T. R. Suri, a permanent Superintendent in the Lal Bahadur Shashtri National Academy of Administration, Mussoorie is appointed to officiate as Accounts Officer on an initial pay of Rs. 840/- in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 17-8-1974 (afternoon) until further orders.

S. P. SINGH
Deputy Administrative Officer

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 4th February 1976

No. 2/47/75-Admn.—The Central Vigilance Commission hereby appoints Shri Shri Nivas, a permanent Section Officer of the Central Vigilance Commission, as Under Secretary in the Commission, in an officiating capacity, with effect from the afternoon of 31st January, 1976, until further orders.

K. A. RAMASUBRAMANIAM, Secy.
for Central Vigilance Commissioner

New Delhi, the 24th January 1976

No. 2/37/75-Admn.—The Central Vigilance Commission hereby appoints Shri U. S. Joshi, an officer of the Indian Revenue Service, as Deputy Secretary in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 20th January, 1976, until further orders.

B. V. DIGHE, Under Secy.
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL CRPF FORCE

New Delhi-110001, the 30th January 1976

No. O.II-1040/76-Estt(CRPF).—The Director General, CRP Force is pleased to appoint Dr. M. Sreenivasa Reddy, as Junior Medical Officer in the CRP Force on an ad-hoc basis for a period of 3 months only with effect from the forenoon of 14th January, 1976.

2. Dr. Reddy, is posted to 2nd Base Hospital, CRPF Hyderabad.

No. O.II-971/74-Estt.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Dr. Bangi Prakasam, JMO, 2nd Base Hospital, CRPF, Hyderabad w.e.f. the forenoon of 1st December, 1975.

No. O.II-855/72-Estt.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Dr. (Miss) K. Sujatha, JMO GC CRPF, Deoli (Raj) w.e.f. the forenoon of 18th November, 1975.

No. O.II-1010/75-Estt.—Consequent on the acceptance of his resignation, Dr. Debendra Kumar Pradhan relinquished charge of the post of JMO, Base Hospital, CRPF, New Delhi, on the forenoon of 7th November, 1975.

No. O.II-932/73-Estt.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Dr. Sisir Kumar Ghosh, JMO, 9th BN, CRPF, w.e.f. the forenoon of 26th October, 1975.

No. O.II-877/72-Estt.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Dr. V. Ram Mohan Rao, JMO 2nd Base Hospital, CRPF Hyderabad w.e.f. the afternoon of 30th November, '75.

No. O.II-715/69-Estt(CRPF).—Consequent on his repatriation to Central Health Service, Ministry of Health and Family Planning (Department of Health) New Delhi, Dr. S. Maji, relinquished charge of the post of GDO Gd.I, in the CRPF on the afternoon of 7th January, 1976.

The 31st January 1976

No. O.II-1038/75-Estt(CRPF).—The Director General, CRP Force is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Usha Jain, as Junior Medical Officer in the CRP Force on an ad-hoc basis for a period of 3 months only with effect from the forenoon of 17th January 1976.

2. Dr. (Mrs) Usha Jain, is posted to GC No. II CRPF Ajmer.

The 3rd February 1976

No. O.II-255/69-Estt.—Consequent on his repatriation to the State of Tamilnadu, Shri U.C. RamaKrishnan, relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, 4th Battalion, CRPF, on the afternoon of 15th January, 1976.

No. O.II-1041/76-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Miss) Veena Benjamin, as Junior Medical Officer in the CRP Force on an ad hoc basis for a period of 3 months only with effect from the forenoon of 17th January, 1976.

2. Dr. (Miss) V. Benjamin, is posted to GC, CRPF, Trivandrum.

No. C.IX-13/75-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion Subedar Balwant Singh as Dy SP (Copy.Comdr/ OM) in the CRPF w.e.f. the forenoon of 3rd December, 75 in a temporary capacity against a short term vacancy until further orders.

2. He is posted to 1st Sig Bn., CRPF and has taken over charge of his post on the forenoon of the same date.

A. K. BANDYOPADHYAY, Asstt. Dir. (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110013, the 21st January 1976

No. E-31013(2)/3/75-Ad.I.—The President is pleased to appoint Sh. N. L. Gupta to officiate as Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Calcutta Port Trust, with effect from the Forenoon of 29th December 1975, until further order and he assumed the charge of the said post at Calcutta with effect from the same date.

The 22nd January 1976

No. E-32015(2)/7/74-Ad.I.—The following amendment is made in our Notification of even number dated 5th December 1975 :—

Against Serial (d) For "Harwinderjit Singh" read "Harwinderjit Singh Pannu".

No. F-16014(4)52/75-Ad.I.—On transfer on deputation, Shri P. A. Jhala, Deputy Superintendent of Police, Gujarat State Police, assumed the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, I.P.C.I., Baroda, with effect from the forenoon of 29th December, 1975.

The 24th January 1976

No. E-31013(2)/3/75-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri M. S. Bose to officiate as Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Rourkela Steel Plant, Rourkela, with effect from the Forenoon of 9th January, 1976 until further order and he assumed the charge of the said post at Rourkela with effect from the same date.

The 4th February 1976

No. E-31013(2)/1/76-Ad.I.—The President is pleased to appoint Inspector G. N. Zutshi to officiate as Assistant Commandant, Hindustan Insecticides Limited, New Delhi with effect from afternoon of 12th January, 1976, until further order, who assumed the charge of the said post with effect from the same date.

L. S. BISHT, Inspector Genl.

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 2nd February 1976

No. P/M(24)-Ad.I.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Bijaya Prasad Mahapatra as Assistant Registrar General (Language) in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 19th January 1976 until further orders.

The headquarters of Shri Mahapatra will be at Calcutta.

The 3rd February 1976

No. 25/6/74-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification No. 25/6/74-RG(Ad.I) dated 1st April 1975, the President is pleased to extend the *ad-hoc* appointment of Shri R. C. Kathuria as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Registrar General, India for a further period of one year with effect from 1st January 1976 upto 31st December 1976 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

BADRI NATH, Dy. Registrar Genl.
Ex-Officio Dy Secy.

MINISTRY OF FINANCE

DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS
BANK NOTE PRESS

Dewas, the 24th January 1976

No. F. BNP/E/8/H-4.—The appointment on deputation of Shri K. C. Hindaul, permanent Inspector Control in the Currency Note Press, Nasik Road as Deputy Control Officer in the Bank Note Press, Dewas is continued on regular basis with effect from 28-1-76 (F.N.) to 31-3-1976 (A.N.).

D. C. MUKHERJEA, General Manager.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 2nd February 1976

No. Adm. O.O. No. 895/5-5/Promotion/74-76/3656.—The Accountant General, Central Revenues, has appointed the following permanent Section Officers of this office, to officiate as Accounts Officers, in the time scale of Rs. 840-1200 w.e.f. the dates shown against their names, until further orders :—

Name and Date of Promotion as Accounts Officer.

1. Shri N. Mukerjee, S.O. 21-1-76 (F.N.)
2. Shri S. L. Rangar, S.O. 23-1-76 (F.N.)

Sd. ILLEGIBLE
Sr. Dy. Acctt. Genl. (Adm.)

Gwalior-474002, the 27th January 1976

No. Admn.I/292.—The Accountant General, Madhya Pradesh-I has been pleased to appoint the following permanent Section Officer as Accounts Officer in an officiating capacity from the date mentioned against his name.

1. Shri Shankar Lal Sharma (02/0189), 19-1-1976 forenoon.
2. S. L. MALHOTRA, Dy. Accountant-Genl. (Admn.)

Jaipur, the 30th January 1976

No. Admn. II/G-NSS.—The following Section Officers of the office of the Accountant General, Rajasthan, Jaipur are appointed as officiating Accounts Officers until further orders from the dates noted against each :—

S.	Name	Date from which appointed officiating A.O.
S/Shri		
1.	Nand Swaroop Saxena	3-1-76 (F.N.)
2.	Man Mohan Lal Sethi	9-1-76 (F.N.)
3.	Amar Lal Mathur	15-1-76 (F.N.)

Sd. ILLEGIBLE
Sr. Dy. Accountant Gen. (/Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL

COMMERCE WORKS & MISC.

New Delhi, the 31st January 1976

No. O. O. Admn. I/321.—The lien of Shri N. C. Roy I, permanent Accounts Officer of this organization is transferred against one of the permanent Supernumerary post created for him with effect from 31-10-75

2. The following Accounts Officers of this organization are appointed in a substantive Permanent Capacity in the Accounts Officers cadre with effect from the dates indicated against each.

S. No.	Name	Date of apptt. in substantive Ca-pacity	Vice.
S/Shri			
1.	V. B. Gulati	21-6-73	Against a permanent Supernumerary post.
2.	H. C. Thakural	31-10-75	Against the post vacated by Shri N. C. Roy I.
3.	T. V. Venkatachari	1-11-75	Vice Shri V. S. Chellappa, retired.
4.	V. B. Agarwal	1-11-75	Vice Shri Sukhdev, retire.

G. N. PATHAK,
Accountant General,
Commerce Works and Misc.,

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi, the 30th January 1976

No. 86016(13)/75/AN-II.—Shri B. K. Banerjee, an Officer of the Indian Defence Accounts Service serving on deputation as Additional Financial Adviser and Joint Secretary in the Ministry of Finance, Department of Expenditure, (Defence Division) who was officiating in Level II of the Senior Administrative Grade, was reverted to the Junior Administrative Grade with effect from the forenoon of the 9th September, 1975.

S. K. SUNDARAM, Addl. Controller Genl.
of Defence Accounts (AN).

MINISTRY OF DEFENCE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta-700016, the 19th January 1976

No. 5/76/G.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Offg. Asstt. Manager with effect from the date shown against them, until further orders :—

- (1) Shri R. Vasudevan, Permt. Foreman, 9th March, 1974.
- (2) Shri P. N. Subramaniam, Permt. Foreman, 25th March, 1974.

2. This Directorate General Gazette Notification No. 35/74/G, dated 15/7/74 published under this office No. 381/A/A, dated 15/7/74 notifying promotions of S/Shri R. Vasudevan & P. N. Subramaniam, Permt. Foremen to Offg. Asstt. Manager with effect from 27th February, 1974 is hereby cancelled.

No. 6/76/G.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Offg. Asstt. Manager/T.S.O. with effect from the date shown against them, until further orders :—

1. Shri G. Rajaram, Pt. Foreman, 26th May, 1975.
2. Shri A. R. Irani, Pt. Foreman, 26th May, 1975.

3. Shri T. D'Mello, Pt. Foreman, 17th May, 1975.
 4. Shri S. S. Basu, Pt. Foreman, 17th May, 1975.
 5. Shri S. Krishnaswamy, Pt. Foreman, 17th May, 1975.
 6. Shri L. S. Latkar, Pt. Foreman, 27th May, 1975.
 7. Shri K. Ramanathan, Pt. Foreman, 27th May, 1975.

The 29th January 1976

No. 8/76/G.—The President is pleased to accept the resignation of Shri V. Krishnan, Offg. General Manager Gr. I (Subst. & Permt. General Manager Gr. II/Dy. General Manager) with effect from 28th June, 1975 (AN).

No. 9/76/G.—On attaining the age of superannuation Shri K. N. Bose, Permt. Asstt. Manager retired from service with effect from 31st December 1974 (AN).

No. 10/75/G.—On expiry of leave preparatory to retirement, Shri J. R. Date, Offg. Asstt. Manager (Permt. Foreman), retired from service with effect from 31st Oct., 1975 (A.N.).

The 30th January 1976

No. 11/76/G.—On attaining the age of superannuation, Shri T. N. Ramana Rao, Offg. Deputy Manager (Subst. & Permt. Foreman) retired from service with effect from 30th Nov., 1975 (AN).

M. P. R. PILLAI, Asstt. Director Genl.
Ordnance Factories.

MINISTRY OF LABOUR

OFFICE OF THE WELFARE COMMISSIONER, IRON ORE MINES LABOUR WELFARE FUND ADVISORY COMMITTEE FOR KARNATAKA

Bangalore-52, the 29th January 1976

No. EST/IOM/233/75-76.—Under the powers vested in Schedule III of Rule 10 of the Delegation of Financial Powers Rules 1958, and Delegation Order dated the 1st June, 1962 read with letter No. 10/2/69-MIII dated 31-3-1969 issued by Government of India, Ministry of Labour, Employment & Rehabilitation, the Welfare Commissioner, Iron Ore Mines Labour Welfare Fund Advisory Committee for Karnataka, Bangalore is pleased to appoint Dr. R. Shashi Rani, M.B.B.S. temporarily to work as Lady Medical Officer (Class II) in this Organisation. Headquarters at Kariganur near Hospet in the Scale of Rs. 650-30-740-35-880-40-1200 (Revised Scale) plus non practising allowance and other allowances as admissible under the rules to the Central Government Employees w.e.f. 30-9-1975 forenoon for a period of Six months.

SIDDAYYA PURANIK, Welfare Commissioner.

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 27th January 1976

(ESTABLISHMENT)

No. 6/431/56-Admn(G)/595.—The President is pleased to appoint Shri N. K. Jagtap, Controller Class-II in the Office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports, Bombay, as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in that office with effect from the forenoon of 29th October, 1975, until further orders.

The 28th January 1976

No. 6/928/71-Admn(G)/623.—On attaining the age of superannuation, Shri A. K. Moitra, relinquished charge of the post of Controller of Imports & Exports in the Office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta on the afternoon of the 31st December, 1975.

The 31st January 1976

No. 6/337/56-Admn(G)/664.—The President is pleased to appoint Shri N. P. V. Nair, Controller Class-I as Deputy Controller of Imports and Exports, Ernakulam with effect from the forenoon of 1st January, 1976, until further orders.

No. 6/470/57-Admn.(G)/659.—The President is pleased to appoint Shri S. Balakrishna Pillai, Controller in the Office of the Deputy Chief Controller of Imports and Exports, Ernakulam as Dy. Chief Controller of Imports and Exports (Iron & Steel), Faridabad with effect from the forenoon of 9-1-1976, until further orders.

D. D. JOSHI, Chief Controller of
Imports & Exports.

New Delhi, the 6th February 1976

No. 6/94/54-Admn(G)/847.—On attaining the age of superannuation, Shri Kunwar Lal relinquished charge of the post of Deputy Chief Controller of Imports & Exports in this office on the afternoon of the 31st December 1975.

No. 6/94/54-Admn.(G)/848.—The President is pleased to re-employ Shri Kunwar Lal, formerly Deputy Chief Controller of Imports & Exports as Senior Administrative Analyst in this office for a period of six months w.e.f. 1-1-1976 (forenoon).

P. K. KAUL, Chief Controller of
Imports & Exports.

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400020, the 26th January 1976

No. 6/94/54-Admn(G)/847.—On attaining the age of (Permanent Deputy Director) in the Weavers Service Centre, Madras, who was on Foreign Service with the National Textile Corporation (South Maharashtra) Ltd., Bombay, from the forenoon of the 21st July, 1971 has been permitted to resign from Government Service with effect from the forenoon of the 21st July, 1974, on his absorption permanently in that Organisation.

No. EST-I-2(414).—Shri B. D. Mukherjee, officiating Deputy Director, in the Office of the Textile Commissioner, Bombay, and who was on Foreign Service with the All India Federation of Co-operative Spinning Mills Ltd., Bombay, from the forenoon of the 18th December, 1975 to the 31st December, 1975, retired from Government Service from the afternoon of the 31st December, 1975.

The 29th January 1976

No. EST-I-2(476).—Shri M. M. Saini, Assistant Director, Grade I(N.T) in the Regional Office of the Textile Commissioner, Kanpur retired from service from the afternoon of 31st December, 1975 on attaining the age of superannuation.

R. P. KAPOOR, Textile Commissioner.

Bombay-400020, the 14th January 1976

No. CER/3/76.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 22 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CER/3/69, dated the 19th September, 1969, namely :—

In the said notification.—

The second proviso below sub-paragraph (3) of paragraph II shall be substituted by the following, namely :—

"Provided further that a manufacturer may if he so desires, stamp his selling price on non-controlled cloth, preceded by the words "MILLS PRICE".

G. S. BHARGAVA, Jt. Textile Commissioner.

OFFICE OF THE JUTE COMMISSIONER

Calcutta, the 31st January 1976

No. Jute(A)/147/65.—Jute Commissioner hereby appoints Shri S. K. Hajra, Inspector (Nno-Tech.) as Assistant Director (Exports) Class II in the Scale of Rs. 650-1200/- in an

ad hoc officiating capacity in the same office from the 1st December 1975 (F/N) to 31st January, 1976 vice Shri K. P. Das promoted to the post of Asstt. Director (Marketing) Class I on ad hoc basis.

N. K. ROY, Adm. Officer
for Jute Commissioner

BUREAU OF INDUSTRIAL COSTS & PRICES

New Delhi-110001, the 4th February 1976

No. A-19016/2/76-BICP.—On transfer from the Directorate General of Technical Development, Shri Lajpat Rai Khera, an officer permanent in Grade IV of the C.S.S. in the Industry cadre, is appointed as Superintendent on deputation basis in the Bureau of Industrial Costs & Prices with effect from the 31st January, 1976 (Afternoon) until further orders.

S. S. MARATHE, Chairman,
Bureau of Industrial Costs & Prices

MINISTRY OF INDUSTRY & CIVIL SUPPLIES (DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 22nd January 1976

No. A.19018/228/75-Admn.(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi is pleased to appoint Shri J. C. Jain, Permanent Hindi Translator in the office of the D.C. SSI, New Delhi to officiate as Assistant Editor (English) in the same office on an *ad hoc* basis for a period up to 30-6-76. He assumed charge as Assistant Editor (English) in the forenoon of 16-1-76.

No. A.19018/229/75-Admn(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi is pleased to appoint Shri S. G. Prasad permanent Hindi Translator in the Office of the D.C. (SSI) New Delhi to officiate as Assistant Editor (Hindi) in the same office on an *ad hoc* basis for a period upto 30-6-1976.

He assumed charge as Assistant Editor (Hindi) in the Forenoon of 16-1-1976.

V. VENKATRAYULU, Dy. Dir. (Admn.)

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 27th January 1976

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11(7) dated the 11th July, 1969, under :

Class 3—Division 1

(i) the words and figures "NG-101 and NG-201" appearing after the entry "IMPROVED BALLISTITE" shall be substituted by the words "ALPHAGEX and ALPHAPRUF".

Class 6—Division 3

(ii) the words and figures "DETONATING RELAYS TYPE P.T. for carrying out trials upto 31st March, 1975" appearing after the words "DETONATING RELAYS" shall be deleted.

I. N. MURTY, Chief Controller of Explosives,

DEPARTMENT OF SUPPLY

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 24th January 1976

No. A-1/1(764).—On his reversion to the post of Assistant Director (Grade I) (Grade III of Indian Supply Service) Shri R. P. Singh relinquished charge of the office of Deputy Director of Supplies (Grade III of the Indian Supply Service) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 6th January, 1976.

The 28th January 1976

No. A-1/1(570).—Shri C. L. Chawla permanent Assistant Director (Administration) (Grade II) in the office of the Director of Inspection, NI Circle, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 31st December, 1975 on attaining the age of superannuation (58 years).

The 31st January 1976

No. A-1/1(1045).—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri Ram Krishan, Junior Progress Officer in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi to officiate on ad-hoc basis as Assistant Director of Supplies (Grade II) to the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 7th January, 1976.

2. The appointment of Shri Ram Krishan as Assistant Director of Supplies (Grade II) is purely temporary and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppuswamy in the High Court of Delhi.

No. A-1/1(1046).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri A. K. Shome, Superintendent in the office of Director of Supplies and Disposals, Calcutta to officiate on ad-hoc basis as Assistant Director (Grade II) in the same office at Calcutta with effect from the forenoon of 1st January, 1976 and until further orders.

2. The appointment of Shri A. K. Shome as Assistant Director (Grade II) is purely temporary and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppuswamy in the High Court of Delhi.

No. A-1/1(1044).—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri Balbir Singh, Junior Progress Officer in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi to officiate on *ad-hoc* basis as Assistant Director of Supplies (Grade II) in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 3rd January, 1976 and until further orders.

2. The appointment of Shri Balbir Singh as Assistant Director of Supplies (Grade II) is purely temporary and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppuswamy in the High Court of Delhi.

No. A-1/1(952).—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri B. Padman, Superintendent Level II in the office of the Director of Inspection, Bombay to officiate on local ad-hoc basis as Assistant Director (Administration) (Grade II) in the office of the Director of Supplies and Disposals, Bombay with effect from the afternoon of 2nd January, 1976 vice Shri B. B. Bose, Assistant Director (Administration) (Grade) expired on 12-12-1975, and until further orders.

K. L. KOHLI, Dy. Dir. (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals,

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd January 1976

Ref. No. AP/1443.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Rahon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshahr in May, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

19—466GI/75

- (1) Shri Gian Mittar S/o Sh. Harpakash and Smt. Sheela Wati w/o Sh. Gian Mittar, Urmil Kumari, Veena Kumari, Nirmal Kumari, Rattan Kumari Ds/o Sh. Gian Mittar, R/o Rahon Teh, Nawanshahr.
- (2) Shri Kartar Singh s/o Sh. Panjab Singh V. Birk (Now Rahon Teh, Nawanshahr).
- (3) At S. No. 2.
(Person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property.
(Person whome the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 31 K 2 M at Rahon as registered *vide* Registration Deed No. 390 of May, 1975 in the office of the Sub-Registrar, Nawanshahr.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 23-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd January 1976

Ref. No. AP/1444.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at V. Rahon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nawanshahr in May 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gian Mittar S/o Sh. Har Parkash, Shellawati w/o Gian Mittar, Nirmal Kumari, Urmil Kumari, Veena Kumari, Rattan Kumari Ds/o Sh. Gian Mittar R/o Rahon.
- (2) Shri Gurbax Singh s/o Panjab Singh of V. Birk (Now Rahon, Teh. Nawanshahr).
- (3) At S. No. 2.
(Person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

24 Kanal land situated at Village Rahon as registration Deed No. 389 of May 1975 of the office of the Sub-Registrar, Nawanshahr.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 23-1-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF
INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd January 1976

Ref. No. AP-1445.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Nakodar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer, at Nakodar in June, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kamleshwar Singh s/o Iqbal Singh s/o Lachhman Singh R/o Gurdaspur.
- (2) Smt. Sukhjit Kaur w/o Gurdev Singh Grewal R/o Civil Lines, Ludhiana.
- (3) At S. No. 2.
(Person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

48 K-13 M Chahj lands at Nakodar as registered vide Deed No. 504 of June, 1975 in the office of the Sub-Registrar, Nakodar.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 23-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Guru Amarjeet Singh s/o Guru Sardul Singh R/o Kartarpur, Distt. Jullundur.
- (2) Mrs. Sudesh Chopra w/o Shri Vijay Kumar, H. No. E. R. 129, Pucca Bagh, Jullundur.
- (3) At S. No. 2.
(Person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd January 1976

Ref. No. AP/1446.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in May, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hose No. E. R. 129, Pucca Bagh, Jullundur City. Registered *vide* Deed No. 1309 of May, 1975 in the office of Sub-Registrar, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 23-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Gurdip Singh s/o Piara Singh
S/o Inder Singh of V. Goraya, Teh. Phillaur.
- (2) Shri Gurbax Finance (P) Ltd. Phagwara c/o Sh.
Sadhu Singh, Managing Director, Phagwara.
- (3) At S. No. 2.
(Person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 24th January 1976

Ref. No. AP/1447.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Goraya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phillaur in May, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property registered *vide* Registration Deed No. 540 of May, 1975 o/o S. R. Phillaur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Raghbir Kaur w/o Sh. Piara Singh
R/o Goraya,

(2) Shri Gurbux Finance (P) Ltd., Phagwara.

(3) At S. No. 2.

(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 24th January 1976

Ref. No. AP/1448.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Goraya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in May, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

House property at Goraya as registered *vide* Deed No. 746 of May, 1975 o/o S. R. Phillaur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 24-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Chandro wd/o Late Shri Badley r/o Karwal Nagar, Illaqa Shahdara, Delhi.
(Transferor)

(2) M/s Hindustan Rubber Industries, Shahdara, Delhi-32 (13-A, Mansarovar Park) through Shri Om Parkash Arora s/o Shri Chanan Dass and Shri Sunder Pal s/o Shri Chanan Dass r/o 23, Raj Block, Shahdara, Delhi-32 and Shri R. S. Sawhney s/o Shri Makhan Singh r/o 7/82, Subhash Nagar, New Delhi-27.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd January 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/362/1024/75-76 — Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No. land out of Khasra No. 244 situated at Village Karwal Nagar, Shahdara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following person namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 1000 sq. yds. out of Khasra No 244 situated in Village Karwal Nagar, Illaqa Shahdara, Delhi and bounded as under :—
East : Plot of others.
West Land of vendor.
North Gali.
South . Road 50 ft

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi,

Date : 22nd January 1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd January 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2155/1025/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 of 1/3rd share of A-8/15 situated at Rana Pratap Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Krishna Pyari w/o Late Shri Badri Nath Bajaj for self and guardian-at-litem of her minor son Sushil Kumar, 2. Shri Rajinder Kumar Bajaj, 3. Shri Surinder Kumar Bajaj, 4. Shri Vijay Kumar Bajaj, 5. Shri Narinder Kumar Bajaj sons of Shri Badri Nath Bajaj, 6. Miss Usha Bajaj d/o Late Shri Badri Nath Bajaj r/o A-89, Gujranwala Town Colony G. T. Karnal Road, Part-I, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ajit Singh s/o Shri Bhag Singh r/o 7-C/7, Rana Pratap Bagh, Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of 1/3rd share of a single storeyed house constructed on a plot of land measuring 230 sq. yds. (Total plot 690 sq. yds.) situated at A-8/15, Rana Pratap Bagh, Delhi and bounded as under—

North : Other Property.

South : Road.

East : Property No. A-8/15A.

West : Property No. A-8/16

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 22nd January 1976,

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd January 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2154/1026/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 of 1/3rd share of A-8/15 situated at Rana Pratap Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in June 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

20—466GI/75

(1) Smt. Krishna Pyari w/o Late Shri Badri Nath Bajaj for self and guardian-at-litem of her minor son Shri Sushil Kumar, 2. Shri Rajinder Kumar Bajaj, 3. Shri Surinder Kumar Bajaj, 4. Shri Vijay Kumar Bajaj, 5. Shri Narinder Kumar Bajaj sons of Late Shri Badri Nath Bajaj and 6. Miss Usha Bajaj d/o Late Shri Badri Nath Bajaj r/o A-89, Gujranwala Town, G. T. Karnal Road, Part-I, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Singh s/o Shri Bhag Singh r/o 7-C/7, Rana Pratap Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of 1/3rd share of a single storeyed house constructed on a plot of land measuring 230 sq. yds. (Total plot 690 sq. yds.) situated at A-8/15, Rana Pratap Bagh, Delhi and bounded as under—

East : Property No A-8/15.

North : Other Property.

South : Road.

West Property No. A-8/16.

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 22nd January 1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dina Nath Juncja s/o Shri Ishar Dass Juneja
r/o 810 Sec'or 16-D, Chandigarh.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gurbux Lal s/o Shri Ishwar Dass Juneja r/o
C-4/1, Model Town, Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICIAL — THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd January 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2114/1027/75-76.—Whereas, I S. N. L. AGARWALA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-4/1-B situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in June 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

[“] Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house bearing No. C-4/1-B built on free-hold plot of land measuring 133 sq. yds. back portion of plot No. 1 Block C-1, out of the entire area of 370.57 sq. yds. situated in Model Town, Delhi and bounded as under :—

East : House No. C-4/2.

North : House No. C-4/21.

West : Road

South : Remaining portion of plot.

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 22nd January 1976.

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Smt. Lal Wanti w/o Sh. Manohar Lal r/o 4844,
Darya Ganj, Delhi-6.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd January 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/354/1028/75-76.—Whereas, I,
S. N. L. AGARWALA,
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'Said Act'), have
reason to believe that the immovable property, having a fair
market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. C-9/7 (Central Portion) situated at Krishan Nagar
Shahdara, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Delhi in June 1975,
for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed
to between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following
persons namely :—

(2) Shri Sawanta Ram s/o Shri Gainda Ram and Shri
Mahinder Kumar s/o Sh. Sawant Ram r/o 3/377,
Pathan Pura, Shahdara, Delhi-32.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the
Said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land No. 7 (Central Portion) measuring
128.2 sq. yds. out of 464.6 sq. yds. block C-9 Khasra
No. 518 (487) situated in the colony known as Krishan
Nagar, Illaqa Shahdara, Delhi and bounded as under :—

North : C-10/6

South : Road.

East : Remaining portion of plot C-9/7.

West : Remaining portion of C-9/7.

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 22-1-1976.

Seal

FORM ITNS—

(1) Smt. Sarla Kohli w/o Shri Madan Mohan r/o 1439-A/41, Balbir Nagar, Shahdara, Delhi.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Malik Ram Anand s/o Shri Nanak Chand Anand r/o 1439-A/41 Balbir Nagar, Gali No. 6, Shahdara, Delhi-32.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd January 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/351/1029/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-A, Block Kesar situated at Balbir Nagar, Illaqa Shahdara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1½ storeyed house constructed on a plot of land measuring 66 sq. yds. situated at Block Kesar, Balbir Nagar, Plot No. 4-A, Illaqa Shahdara Delhi-32 and bounded as Under :—
North : House built on plot No. 3.
South : Built up house.
East : Road.
West : Others plot no. 4.

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 22nd January 1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Raj Kumar s/o Shri Bishan Dass r/o Shop No. 65 Ghokhale Market, Opp. Tis Hazari Court, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Dwarki Devi w/o Sh. Dhanpat Rai, 2. Shri Phool Chand s/o Shri Dhanpat Rai r/o R-117, Model Town, Karnal (Haryana).

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd January 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2163/1030/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 65 situated at Ghokle Market, Opp. Tis Hazari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Delhi in June 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereto by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of he said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 65 situated at Ghokle Market, Opp. Tis Hazari Court, Delhi constructed on a plot of land measuring 563 sq. ft. charged 2/3rd to ground floor and 1/3rd to first floor.

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date . 22nd January 1976.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Tirlok Chand Jain s/o Sh. Girwar r/o Balmik Basti, New Chandrawal, Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd January 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2095/1031/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-1/19 situated at Satyawati Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June 1975, for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Smt. Kamla Devi w/o Shri Chiranjit Lal Kaushik, r/o 28/12, Shakti Nagar, Delhi-7.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 150 sq. yds. bearing plot No. 19 in Block A-1 situated in the colony known as Satyawati Nagar in Village Sadhora Kalan, Delhi and bounded as under.—

North : Plot No. A-1/20.
South : Plot No. A-1/18.
East : Service Lane.
West : Road.

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22nd January 1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Manglo Devi w/o Shri Narwari Lal r/o 5423-A, Balmiki Basti, New Chandrawal, Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shri Chand Jain s/o Lala Baroo Mal Jain r/o 23/9, Shakti Nagar, Delhi-7.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd January 1976

Ref. No. IAC/Acq. II/2125/1032/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the imovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-15 situated at Satyawati Nagar, Delhi Ramachandrapuram Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 150 sq. yds. bearing Plot No. 15 in Block A situated in the colony known as Satyawati Nagar in Village Sadhora Kalan, Near Railway Crossing No. 3, Delhi and bounded as under,—

Nor h : Plot No. 16-A.
South : Plot No. 14-A.
East : Road 30' wide.
West : Service Lane.

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 22nd January 1976.
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Annapurna wife of Shri Jagdishandra Amar-prasad Pasawala, Lanbapadanji Pole, Raipur, Ahmedabad.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) The Ahmedabad New Cotton Mills Co. Ltd., Outside Raipur Darwaja, Ahmedabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANG-I 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 24th January 1976

Ref. No. Acq. 23-I-668(259)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'); have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 11/1, T.P.S. No. 18, F.P. No. 22, situated at Raipur-Hirpur (out-side Raipur Gate), Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 19-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act,' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A two storeyed building standing on land admeasuring 605 sq. yds. bearing Survey No. 11/1, T.P.S. No. 18, F.P. No. 22, situated at Raipur-Hirpur (out-side Raipur Gate), Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 24-1-1976.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANG-I 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 21st January 1976

Ref. No. Acq. 23-I-717(258)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. CTS No. 4304, 4305 and 4306, Sheet No. 12, situated at Panchkuva, Mirghawad, Kalupur Ward-I, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 11-7-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

21—466GI/75

(1) M/s. Keshwani Bros., through its partners :—
1. Shri Aildas Bhagwandas Keshwani, 2. Shri Gopichand Bhagwandas Keshwani, 3. Shri Puranachand Bhagwandas Keshwani, 4. Shri Vasudev Parsram Keshwani, 5. Shri Pokardas Dwarkadas Keshwani, Cutlery Merchants, Keshwani Bldg., Mirghawad, Panchkuva, Ahmedabad-1.

(Transferor)

(2) M/s. Sharad Bros. & Co., through its partners :—
1. Shri Sharadbhai Parshottamdas Patel, 9, Anand Park, Naranpura, Ahmedabad-13. 2. Shri Purshottamdas Umedbhai Patel, 9, Anand Park, Naranpura, Ahmedabad-13. 3. Shri Jayantibhai Pursnottamdas Patel, 558, Adenwala Rd., Bombay-19. 4. Smt. Indraben Chandrakant Patel, 136, Manilal Mension, 9-A Road, Wadala, Bombay-13. 5. Smt. Minaben Rasikhbhai Patel, 143, Bhuva Cottage, 9-A Road, Wadala, Bombay-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Four shops bearing private numbers 1 to 4, admeasuring 446 sq. ft. situated in the building known as 'Parsram Chambers' bearing CTS No. 4304, 4305 and 4306, sheet No. 12, Kalupur Ward No. 1, Panchkuva, Mirghawad, Ahmedabad.

J. KATHURIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 21-1-1976

Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Smt. Hushmuthunisa, 156 to 159 at Sardar Patel Road, Secunderabad. 2. Sri Jainarayana Misra, 26-A Sardar Patel Road, Secunderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) Smt. Vitta Saroja Laxminarayana, 1-2-4112/2 at Gaganmahal Colony, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 20th January 1976

Ref. No. RAC. No. 229/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 17 of 156 to 159 situated at Sardar Patel Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrars at Secunderabad on 5-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property : Plot No. 17 Premises No. 156 to 159 at Sardar Patel Road, Secunderabd. Area : 558.00 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 20-1-1976.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Hushmuthunisa Begam, Paigah House, Secunderabad, 2, Sri Jainarayan Misra, Sardar Patel Road, Secunderabad.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 20th January 1976

Ref. No. RAC. No. 231/75-76.—Whereas, I K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 9 of 156 to 159 situated at Sardar Patel Road, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 11-6-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Plot No. 9 portion of premises No. 156 to 159 at Sardar Patel Road, Secunderabad. Area : 432.21 Sq. Mts.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 20-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Smt. Hushmuthunisa Begum, 156 to 159 at Sardar Patel Road, Secunderabad. 2. Sri Jainarayan Misra, 26-A Sardar Patel Road, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 20th January 1976

Ref. No. RAC. No. 228/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 10 of 156 situated at Sardar Patel Road, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Secunderabad on 15-6-75. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

Property : Plot No. 10 (516.80 Sq. Yds) Premises No. 156 to 159 Sardar Patel Road, Secunderabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Date : 20-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Smt. Hushmuthunisa Begum, at Paigah House
Sardar Patel Road, Secunderabad. 2. Sri Jainarayan
Misra, Sardar Patel Road, Secunderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 20th January 1976

Ref. No. RAC. No. 230/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269-B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. Plot No. 8 of 156 to 159 situated at Sardar Patel Road,
Secunderabad
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer
at Secunderabad on 11-6-1975
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the pro-
perty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor
by more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immo-
vable property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'Said
Act', shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Plot No. 8 of premises No. 156 to 159 at Sardar
Patel Road, Secunderabad. Area : (460.35 Sq. Yds.)

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922
(11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the
Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this Notice under
sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the
following persons namely :—

Date : 20-1-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Hushmuthunisa Begum, 156 to 159 Sardar Patel Road Secunderabad 2, Jainarayan Misra, 26-A-S. Patel Road, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 20th January 1976

Ref. No. RAC. No. 233/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, No. Plot No. 6 of 156 to 159 situated at Sardar Patel Road, Secunderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 19-6-1975
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) 1. Smt. Ishwari Bai Khanchand, Pan Bar, Secunderabad. 2. Mrs. Rukmani Bai Ghanshamdas Lalwani, Tulsi Bhavan, Pan Bazar, Secunderabad. 3. Naraiadas Hassomal, Pan Bazar, Secunderabad. 4. Mrs. Ganga Bai Mohanlal Nallagutta, Secunderabad. 5. Inderlal Mohanlal Bharwani, 50 Nallgutta, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property : Plot No. 6 of 156 to 159 (2-11-30) at Sardar Patel Road, Secunderabad. Area : 757.77 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Date : 20-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Smt. Hushnufunisa Begum, 156 to 159 at Paigah House, Sardar Patel Road, Secunderabad. 2. Jainayyan Misra, 26-A S. Patel Road, Secunderabad.
(Transferor)
- (2) Smt. B. Sharadha Bai, W/o Sri B. Bhoomiah 2-4-430 at Ramgopalpet, Secunderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 20th January 1976

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. RAC. No. 235/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961
(43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot. No. 22 of 156 to 159 situated at Sardar Patel Road, Secunderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 30-6-75.
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

Property: Plot No. 22 in the premises of 156 to 159 Paigah House Sardar Patel Road, Secunderabad. Area: 334.40 Sq. Mts.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date: 20-1-1976.
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Smt. Hushmuthunisa Begum, 156 to 159 at Paigah House Sardar Patel Road, Secunderabad.

(2) Jainarayan Misra, 26-A, S. Patel Road, Secunderabad,

(Transferor)

(2) Mrs. Chaturi Gope Lalwani, House No. 1-8-303 at Prendargast Road, Secunderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.**

Hyderabad, the 20th January 1976

Ref. No. RAC. No. 234/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 34 of 156 to 159 situated at Sardar Patel Road, Secunderabad

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 23-6-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Plot No. 34 (as per sanctioned layout 389.00 Sq. Yds. (325.20 Sq. Mts.) in premises No. 156 to 159 at Paigah House, Sardar Patel Road, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Date : 20-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Hushmuthunisa Begam, 156 to 159 Sardar Patel Road, Secunderabad. 2. Sri Jainarayan Misra, 26-A, S. Patel Road, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 20th January 1976

Ref. No. RAC. 232/75-76.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 7 of 156 to 159 situated at Sardar Patel Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 19-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) 1. Smt. Ishwari Bai Khanchand, Pan Baazar, Secunderabad. 2. Mrs. Rukmani Bai Ghanshamdas Lalwani, Tulsi Bhavan Pan Bazar, Secunderabad. 3. Narajadas Hassomal, Pan Bazar Secunderabad. 4. Mrs. Ganga Bai Mohanlal Nallagutta, Secunderabad. 5. Inderlal Mohanlal Bharwani, 50 Nallagutta, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Plot No. 7 of 156 to 159 premises at Sardar Patel Road, Secunderabad. Area : 806.66 Sq. Yds.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

22—466GT/75

Date : 20-1-1976.

Seal

FORM ITNS —————

(1) Shrimati Alema Khatoon 21/1, Tiljala Road, 24-Parganas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA.

Calcutta-16, the 15th January 1976

Ref. No. 312/Acq. R-III/75-76/Cal.—Whereas, I L. K. BALASUBRAMANIAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 25/1 situated at Topsia Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Sub-Registering Officer at Alipore on 23-6-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(2) 1. Shri Manzoorul Islam 2. Minhajul Islam 3. Masihul Islam 4. Noorul Islam 4, Raj Mohon Street, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of marshy land measuring 15 Cot-taas 2 Chattaks and 18 Sq. ft. of land in C. S. Dag No. 794 Kh. No. 417 under Mouza Kusthiq P. S. Jadavpore, Dist. 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 15-1-76

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Balai Chandra Ghosh 17, Ralcharan Ghosh Lane, 24-Parganas.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Manzoorul Islam 2. Minhajul Islam 3. Masi-hul Islam 4. Noorul Islam 4. Rajmohan Street, Calcutta.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta-16, the 15th January 1975

Ref. No. 313/Acq. R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15 and 16, situated at Topsia Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Sub Registering Officer at Alipore on 23-6-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

All the piece and parcel of marshy land measuring 17 Cottas 12 Chittaks & 12 Sq. ft. being portion of C.S. Dag Nos. 808 & 809 Kh. No. 237 and Dag Nos. 807, 810, 792, 793 Kh. No. 24 under Mouza Kusthia P.S. Jadavpore, Dist. 24-Parganas.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 15-1-76
Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Shr Haladhar Ghosh, 2. Hrishikesh Ghosh, 3. Sasadhar Ghosh 4. Pravat Kumar Ghosh, 5. Sudhakar Ghosh and 6. Makhan Lal Ghosh, All of 24, Raicharan Ghosh Lane Dist. 24-Parganas.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA.

Calcutta-16, the 15th January 1976

Ref. No. 314/Acq. R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15, 16 situated at Topsia Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Sub-Registering Officer at Alipore on 23-6-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) 1. Shri Manzoorul Islam 2. Minhejul Islam 3. Masih-ul Islam 4. Noorul Islam, 4. Raj Mohan St. Calcutta.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of marshy land measuring 17 Cattahs 12 Chattaks and 12 Sq. ft. of land being portion of C.S. Dag No. 797, 798 805 Kh. No. 43, 217 under Mouza Kusthia P.S. Jadavpore, Dist. 24-Parganas.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the Said Act to the follow-aforesaid property by the issue of this notice under sub-persons, namely :—

Date : 15-1-76
Seal :

FORM ITNS

(1) Kanailal Ghosh,
17 Raicharan Ghosh, Lane, Calcutta-39.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
CALCUTTA

Calcutta-16, the 15th January 1976

Ref. No. 315/Acq. R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15, 16, situated at Topsia Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Sub-Registering Officer at Alipore on 30-6-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the Said Act to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-
ing persons, namely :—

- (2) 1. Manzookul Islam,
2. Minzagul Islam,
3. Masihul Islam & 4. Noorul Islam,
All of 4, Raicharan Street, Calcutta.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of marshy land measuring 17 cottahs 12 chittacks & 12 sq. ft. of land being portion of C.S. Dag Nos. 796 797 & 798 Kh. No. 43 under Mouza-Kusthia P.S. Jadavpur, Dist. 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,

54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 15-1-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
CALCUTTA**

Calcutta-16, the 15th January 1976

Ref. No. 316/Acq. R-III/75-76/Cat.—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15, 16, situated at Topsia Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Sub-Registering Officer at Alipore on 30-6-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Krishna Chandra Ghosh,
17 Raicharan Ghosh Lane,
24-Pgs.

(Transferor)

(2) 1. Manzoonul Islam,
2. Minhagul Islam,
3. Masihul Islam & 4. Noorul Islam—
All sons of Mokhter Ahmed, 4, Rajmohan Street,
Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of marshy land measuring 17 cottahs 12 chittacks & 12 sq. ft. of land being portion of C.S. Dag No. 808 & 792, Kh. No. 24 & 237 under Mouza-Kusthia P.S. Jadavpur, Dist. 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date, 15-1-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Ruby Construction Company.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jayanta Kumar Banerjee.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta-16, the 15th January 1976

Ref. No. TR-41/C-34/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 75C (Unit No. 5D), situated at Park Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 10-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 5D on 5th floor on premises No. 15C Park Street, Calcutta.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

S. K. CHAKRAVARTY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 29-1-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Ruby Construction Company.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Malay Kumar Banerjee

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta-16, the 15th January 1976

Ref. No. TR-42/C-33/Cal.1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

75C (Unit No. 5E), situated at Park Street, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 10-6-1975 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Unit No. 5F on 5th floor on premises No. 75C Park Street, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. CHAKRAVARTY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely.—

Date . 29-1-1976

Seal :

FORM ITNS(1) Shri Amritlal Sadhukhan and
Shri Sadananda Sadhukhan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA**

Calcutta, the 29th January 1976

Ref. No. TR-44/C-31/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 21, situated at Tirretta Bazar St., Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer 5, Govt. Place North, Calcutta on 12-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri Adambhoy Abdullabhoi and
Shri Taherbhoi Abdulla Bhoy.

(Transferee)

- (3) 1. P. M. Packi & Co.
2. Abubakar,
3. M. T. Shering
4. Sk Ayub Ali,
5. Abdul Wahid,
6. Abdul Malik, &
7. K. P. Md. Osman.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Partly two storied and partly three storied brick-built house and all other structures together with land containing an area of two Cottahs 13 Chitticks & 17 Sq. ft. being premises No. 21, Tirretta Bazar Street, Calcutta.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and / or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. K. CHAKRAVARTY
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

23—466GI/75

Date : 29-1-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Sital Rani Pal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pratul Chandra Dam .

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta-16, the 29th January 1976

Ref. No. TR-54/C-56/Cal-2/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2/3B, situated at Deb Lane, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah on 27-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring more or less 3 cottahs together with partly two storied and partly three storied building at 2/3B Deb Lane, Calcutta.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

S. K. CHAKRAVARTY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 29-1-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Provarani Kundu.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bina Dam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta-16, the 29th January 1976

Ref. No. TR-55/C-55/CAL-2/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2/3A, situated at Deb Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah on 27-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or;

Land measuring more or less 3 cottahs together with partly two storied land partly three storied building at 2/3A Deb Lane, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons namely :—

Date : 29-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Sm. Kamala Ghose.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Eastern Paper Mills Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA**

Calcutta, the 27th January 1976

Ref. No. 230/R-IV/Cal/75-76.—Whereas, I, A. K. BATABYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 133 Block A, situated at Lake Town P.S. Dum-Dum 24-Parganas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alipore on 3-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 Cottah of land together with two storied building, e.c. at plot No. 133 Block A, Lake Town, P.S. Dum Dum 24-Parganas

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1911 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

A. K. BATABYAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date : 27-1-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Panchanan Saha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Dipti Mitra

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA**

Calcutta, the 27th January 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 Kottah 10 chittaks 42 sft. of land and building thereon at No. 1, Adyanath Saha Road, Kh. No. 570, Dag No. 519, 520, Mouza-Patipukur, P.S. Dum Dum, Dist. 24-Parganas.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

A. K. BATABYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date : 27-1-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Renuka Ganguli,
59K, Pratapaditya Road, Calcutta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,

Calcutta, the 27th January 1976

Ref. No. 317/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14, situated at Golf Club Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Sub Registering Officer at Alipore on 27-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Manoranjan Das,
Bademashar, P.S. Jadavpur, 24-Pgs.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring 3 cottahs 9 chittack and 31 sq. ft. at premises No. 14 Golf Club Road, P.S. Jadavpur Dist. 24-Parganas under deed No. 3233 of 1975 before the Sub-Registrar, Alipore Sadar, 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commission of Income-tax,
Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,

Date : 27-1-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Hope's Metal Industries (India) Ltd., Regd. office at P-23, Transport Depot Road, Calcutta-27.
(Transferor)

(2) M/s Universal Autocrafts Pvt. Ltd., Regd. office at P-1, Transport Depot Rd., Calcutta-27.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta-16, the 31st January 1976.

Ref. No. AC-39/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I, R. V. LALMAWIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P-23, situated at Transport Depot Rd., Calcutta-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 24-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 1701.170 sq. meters or thereabouts situate and lying at portion of premises No. P-23, Transport Depot Rd., Calcutta-27, together with buildings, sheds, walls, fixtures and fittings.

R. V. LALMAWIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 31-1-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bikramjeet Roy Chowdhury.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V,
CALCUTTA

Calcutta-16, the 22nd January 1976

Ref. No. AC-40/Acq.R-V/Cal/75-76.—Whereas, I, S. S. INAMDAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act', has reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mouza Bonhooghly,
situated at P.S. Baranagar, Dist-24-Pgs.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering officer at
Cossipore, 24-Pgs on 3-6-1975
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter
XXA of the 'Said Act', shall have the
same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 7 K.
situated at Mouza Bonhooghly, P.S. Baranagar, Dist-24-Pgs.
being the portion of CS Dag No. 644 of Khattan
No. 1392 & 1393 more particularly as per deed No. 5470
dated 3-6-1975.

S. S. INAMDAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-V, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 22-1-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bikramjeet Roy Chowdhury.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Calcutta Kamini Transport Company.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V,
CALCUTTA

Calcutta-16, the 22nd January 1976

Ref No. AC-41/Acq R-V/Cal/75-76.—Whereas, I, S. S. INAMDAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Mouza Bonhoogly, situated at P.S. Baranagar, Dist.-24-Pgs. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cossipore, 24-Pgs on 3-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

24-466GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 7 K. situated at Mouza Bonhoogly, P.S. Baranagar, Dist-24-Pgs. being the portion of CS Dag No. 644 of Khatian No. 1392 & 1393 more particularly as per deed No. 5475 dt. 3-6-1975

S. S. INAMDAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-V, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 22-1-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Bangur Land Development Corporation Ltd.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pativariket a registered Society.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V,
CALCUTTA

Calcutta, the 22nd January 1976

Ref. No. AC-42/Acq R-V/Cal/75-76.—Whereas, I, S. S. INAMDAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 56 & 57,
situated at North Block 'C' in Bangur Park Calcutta.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 7 K. 5 Ch. 40 sft. being amalgamated plots No. 56 & 57 of North Block 'C' in Bangur Park and being part of premises No. 168, Prince Anwar Shah Rd., P. S. Tollygunge, Calcutta more particularly as per deed No. 3764 dated 28-6-1975 registered in the office of the Registrar of Assurances, Calcutta.

S. S. INAMDAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-V, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 22-1-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gobind Lal Bangur

(Transferor)

(2) M/s. Bangur Land Development Corporation Ltd.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-16

Calcutta, the 24th January 1976

Ref. No. AC-43 Acq.R-V/Cal/75-76.—Whereas, I, S. S. INAMDAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 166, situated at Prince Anwar Shah Rd., Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Beliaghata (SR Alipore) 24-Pgs. on 25-6-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 3K. 8 ch. 25 ft. situated at Premises No. 166, Prince Anwar Shah Road, P.S. Tollygunge being Dag No. 3/33, 3/34 and 17 of Kh. 121, 122, 3 & 4 in Mouza Gobindpur more particularly as per deed No. 3105 dated 25-6-1975.

S. S. INAMDAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-V, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 24-1-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gobind Lal Bangur,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-V,
 CALCUTTA

Calcutta, the 24th January 1976

Ref. No. AC-44/Acq.R-V/Cal/75-76.—Whereas, I, S. S. INAMDAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 166, situated at Prince Anwar Shah Rd., Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Behala (SR. Alipore) 24-Pgs. on 24-6-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) M/s. Bangur Land Development Corporation Ltd.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 3K 14ch. 18 sft. situated at 166, Prince Anwar Shah Road, Calcutta, P.S. Tollygunge being Dag No. 3/32 of Kh. No. 123 in Mouza Gobindpur more particularly as per deed No. 3068 dated 24-6-1975.

S. S. INAMDAR
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of
 Acquisition Range-V, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
 Calcutta-16.

Date : 24-1-1976
 Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gobind Lal Bangur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Bangur Land Development Corporation Ltd.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-V,
CALCUTTA

Calcutta, the 24th January 1976

Ref. No. AC-45/Acq.R-V/Cal/75-76.—Whereas, I, S. S. INAMDAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No. 166, situated at Prince Anwar Shah Rd., Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Behala (SR. Alipore) 24-Pgs. on 18-6-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 2K. 15 ch. 11 sft. situated at 166, Prince Anwar Shah Road, P.S. Tollygunge, Calcutta, being Dag No. 3/29 & 3/35 of Kh. No. 124 & 125 in Mouza Gobindpur, more particularly as per deed No. 2979 dt. 18-6-1975.

- (i) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (ii) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S. S. INAMDAR

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-V, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 24-1-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gobind Lal Bangur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Bangur Land Development Corporation Ltd.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V,
CALCUTTA

Calcutta, the 24th January 1976

Ref. No. AC-46/Acq.R-V/Cal/75-76.—Whereas, I, S. S. INAMDAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 166, situated at Prince Anwar Shah Rd., Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Behala (S.R. Alipore) 24-Pgs. on 21-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

*
(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 2K 15 ch. 5 sft. situated at 166, Prince Anwar Shah Road, P.S. Tollygunge, Calcutta, being Dag No. 3/30 & 3/34 of Kh. No 123 & 122 in Mouza Gobindpur, more particularly as per deed No. 3014 dated 21-6-1975.

S. S. INAMDAR
Competent Authority

Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, 54, Rafi Ahmed Kiwai Road,
Calcutta-16.

Date : 24-1-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Gobind Lal Bangur.

(Transferor)

(2) M/s. Bangur Land Development Corporation Ltd.
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V,
CALCUTTA

Calcutta, the 24th January 1976

Ref. No. AC-47/Acq.R-V/Cal/75-76.—Whereas, I, S. S. INAMDAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 166, situated at Prince Anwar Shah Rd, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Behal (S.R. Alipore) on 23-Pgs. on 23-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 2K 11 ch. 3 st. situated at 166, Prince Anwar Shah Road, P.S. Jollygunge, Calcutta, being Dag No. 3/31, 3/32 of Kh. No. 121 & 123 in Mouza Gobindpur more particularly as per deed No. 3048 dated 23-6-1975.

S. S. INAMDAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range-V, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 24-1-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gobind Lal Bangur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Bangur Land Development Corporation Ltd.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V,
CALCUTTA

Calcutta, the 24th January 1976

Ref. No. AC-48/Acq R V/Cal 75-76.—Whereas, I, S. S. INAMDAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

166, situated at Prince Anwar Shah Rd., Calcutta (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhala (S.R. Alipore) 24-Pgs. on 23-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the education or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 2K. 8Ch. 4 sft. situated at 166, Prince Anwar Shah Road, Calcutta, P.S. Tollygunge, being Dag No 3/31 & 3/32 of Kh. No. 121 & 123 in Mouza Gobindpur, more particularly as per deed No. 3049 dated 23-6-1975.

S. S. INAMDAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range-V, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 24-1-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JYOTHI BUILDINGS, GOPALAPRABHU ROAD,
ERNAKULAM, COCHIN-11
Ernakulam, the 28th January 1976

Ref. L C No. 49/75-76.—Whereas, I, M. M. KURUP, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. Nos. as per Schedule situated at Aryadu Thekku Village in Alleppey Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alleppey on 3-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Thankappan Pillai,
Puthen Veedu, A.M.C. No. 29/717, Thumboly,
Alleppey-7.
2. Krishnaswamy Pillai,
Puthen Veedu, A.M.C. No. 29/717, Thumboly,
Alleppey-7.
3. Lakshmanan Pillai,
Puthen Veedu, A.M.C. No. 29/717, Thumboly,
Alleppey-7.
4. Gopinatha Pillai,
Puthen Veedu, A.M.C. No. 29/717, Thumboly,
Alleppey-7.
5. Parthasarathy,
Puthen Veedu, A.M.C. No. 29/717, Thumboly,
Alleppey-7.
6. Rajan,
Puthen Veedu, A.M.C. No. 29/717, Thumboly,
Alleppey-7.

7. Subramania Pillai,
Puthen Veedu, A.M.C. No. 29/717, Thumboly,
Alleppey-7.
8. Rajammal,
Puthen Veedu, A.M.C. No. 29/717, Thumboly,
Alleppey-7.
9. Ponnammal, w/o Late Arjunan Pillai,
Puthen Veedu, A.M.C. No. 29/717, Thumboly,
Alleppey-7.
10. Arjunan Pillai,
Puthen Veedu, A.M.C. No. 29/717, Thumboly,
Alleppey-7.
11. Balahariharan,
Puthen Veedu, A.M.C. No. 29/717, Thumboly,
Alleppey-7.
12. Sathymurthy by Guardian Rajammal,
Puthen Veedu, A.M.C. No. 29/717, Thumboly,
Alleppey-7.
13. Ponnammal, by guardian Rajammal,
Puthen Veedu, A.M.C. No. 29/717, Thumboly,
Alleppey-7.
14. Rankan by guardian Rajammal,
Puthen Veedu, A.M.C. No. 29/717, Thumboly,
Alleppey-7.
15. Santhy by guardian Rajammal,
Puthen Veedu, A.M.C. No. 29/717, Thumboly,
Alleppey-7.
16. Sethulakshmi by guardian Rajammal,
Puthen Veedu, A.M.C. No. 29/717, Thumboly,
Alleppey-7.
17. Rajalakshmi by guardian Rajammal,
Puthen Veedu, A.M.C. No. 29/717, Thumboly,
Alleppey-7.

(Transferors)

- (2) Dr. P. Santhammal,

Puthen Veedu, A.M.C. No. 29/717, Thumboly,
Alleppey-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

As noted in the schedules to the document No. 1168/75.

M. M. KURUP
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,****HYDERABAD**

Hyderabad, the 28th January 1976

Ref. No. RAC.No. 236/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Door No. 40/39, situated at Kallur village, Kurnool (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kurnool on 12-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Koti Veeramma, W/o Sri P. Babji, C/o A.C. Theatre at Kurnool—Kurnool-Dist. (Transferor)
- (2) 1. Shri G. Thimma Reddy, S/o Virupakshi Reddy, 2 G. Hanumantha Reddy, S/o Virupakshi Reddy, 3. G. Srinivasa Reddy, All three residing at M/G Mother G. Sumitramma, Gajihalli, Alur-Tq. Kurnool-Dist.
4. Sri H. Thamma Reddy, S/o Dharma Reddy, Adoni.
5. Gopala Reddy, S/o Dharma Reddy, Adoni, 6. Uday Shankar Reddy, S/o Dharmareddy R/o Adoni.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Door No. 40/39 in Survey No. 781/A2/2C of Kallur Villg. Kurnool Municipal area, Kurnool.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 28-1-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. P. Kotiveeramma, W/o Sri P. Babji.
N. R. Peta, Kurnool.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 28th January 1976

Ref. No. RAC No. 237/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 781/A2/2C No. 40/39, situated at Kurnool (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kurnool on 12-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. P. Kotiveeramma, W/o Sri P. Babji.
N. R. Peta, Kurnool.
- (2) Sri G. Thimmareddy, and two others,
Gajjihalli Alur-Tq.
2. H. Udayashankar Reddy, S/o Dharma Reddy, Adoni.
3. H. Gopala Reddy, S/o Dharma Reddy Adoni,
4. Sri H. Thammareddy, S/o Dharma Reddy, R/o Adoni.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property. "Anand A-C. Theatre" situated in Street No. 40/39 (land and building) survey No. 781/A2/2-C in Kurnool.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 28-1-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. P. Koti Vecramma, W/o P. Babji,
N. R. Peta, Kurnool.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 28th January 1976

Ref. No. RAC. No 238/75-76 — Whereas K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey Nos. 781/A2/2C No. 40/39, situated at Kallur village, Kurnool (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kurnool on 12-6-1975

(for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) 1. S/Sri S. G. Thimma Reddy, and two others.
Gajjihalli, Alur-Tq.
2. H. Udayashankar Reddy, S/o Dharma Reddy,
Adoni.
3. H. Gopala Reddy, S/o Dharma Reddy,
Adoni.
4. H. Thamma Reddy, S/o Dharma Reddy,
R/o Adoni.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : "Anand A-G Theatre" situated in Street No. 40/39 (land and building) survey No. 781/A2/2-C in Kurnool.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 28-1-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Koti Veeramma, W/o Sri P. Babji,
R/o N. R. Peta, Kurnool.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 28th January 1976

Ref. No. RAC. No. 239/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 40/39, situated at Anand A.C. Theatre, Kurnool, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kurnool on 12-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (2) 1. S/Sri G. Thimma Reddy, S/o Virupaksh Reddy,
2. G. Hanumantha Reddy,
3. G. Srinivasa Reddy,
three residing at M/g Mother G. Sumitramma,
Gajjihalli, Alur-Tq.
Kurnool Distt.
(Transferee)
4. H. Thamma Reddy,
5. Gopala Reddy,
6. Udaya Shankar Reddy,
all three residing at Adoni.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : M. No. 40/39 "Anand A.G. theatre at Kurnool.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 28-1-1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

(2) M/s Sanjeevkumar Dhanji, Represented by Seven partners Sri Lakhamsi Ghellabhai, & others, No. 5-2-468 Pandit Jawaharlal Nehru Road, Hyderabad.

(Transferee)

Hyderabad, the 28th January 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. RAC. No. 240/75-76—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-9-989, 990, 991, situated at Nizamshai Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 3-6-1975
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : G.F. House and land bearing No. 5-2-989, 990, and 991 and first floor bearing No. 5-2-468 and 991/A situated at Nizamshai Road, Hyderabad.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating for concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 28-1-1976

Seal :

FORM ITNS(1) M/s. D.L.F. United Ltd.,
40-F, Connaught Place, New Delhi.

1

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI**

New Delhi, the 30th January 1976

Ref. No. IAC/Acq I/SR.JII/75-76/819/June-1.—Whereas, I, C. V. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-213, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 4th June, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(2) Shri Parmatma Saran, Adopted S/o Shri Bharoo Singh, .V. & PO. Chitadungra, Thesil Rewari, Distt. Mahendergarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land bearing No. 213 Block 'E' measuring 251 Sq. yds. and situated in a residential Colony known as Greater Kailash-II, at village Bhapur in the Union Territory of Delhi and bounded as under :—

North : Plot No. E-215
South : Plot No. E-211
East : Service Lane
West : Road.

C. V. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 30-1-1976

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI.**

New Delhi, the 27th January 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/Oct.II/9/984/75-76.—Whereas, I, C. V. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8, Block No. 134, 15, situated at Curzon Road, New Delhi,

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 18.10.1975

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Shri Narsing Dass, s/o Sh. Shankar Dass
2. Smt. Radha Rani, W/o Sh. Narsing Dass
3. Sh. Umesh Dass
4. Sh. Rajiv Seth
5. Sh. Rahul Seth, s/o Shri Narsing Dass, all r/o 815, Neel Katra, Ch. Chowk, Delhi, now at A-15, Green Park, New Delhi.
(Transferor)

(2) M/s. New Delhi Hotels Ltd., (Having its Registered Office at Hotel Ambassador, Sujan Singh Park, New Delhi-3, through its Director Shri Ram Pershad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A lease-hold plot of land being No. 8, Block No. 134, situated at 15, Curzon Road, New Delhi measuring about 1.03 acres (4,980.20 sq. yds.) now known as premises No. 15, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi and all structures existing on the said plot and bounded as under :—

North : No. 17, Kasturba Gandhi Road.

South : Tolstoy Marg.

East : Kasturba Gandhi Marg.

West : Service Road.

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 27th January, 1976.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Kuldip Malhotra s/o Shri K. L. Malhotra,
r/o C-III/42, Lajpat Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDERR SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI.

New Delhi, the 30th January 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/1003/Oct-II(34)/75-76.—
Whereas, I, C. V. GUPTA,
being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'Said Act'),
have reason to believe that the immovable property, having a
fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. III-1/9, situated at Lajpat Nagar, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has
been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)
in the office of the Registering Officer
at Delhi on 30/10/75.
for an apparent
consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-Tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—
26—466GI/75

(2) Shri Darshan Singh s/o Shri Hari Singh,
r/o 72, National Park, Lajpat Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the 'Said Act',
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 200 sq. yds situated at No. III-
1/9, Lajpat Nagar, New Delhi and bounded as under :—

East : Lane.
West : Road.
North : Prop. No. III-1/8.
South : Property No. III-1/10.

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 30-1-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
7/43-B, TILAK NAGAR,
KANPUR.

Kanpur, the 6th January 1976

Ref. No. 323/Acq/Agra/75-76.—Whereas, I, Vijay Bhargava being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. (As per Schedule) situated at (As per Schedule) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 2-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

(1) The Development Trust (Pvt.) Ltd.
6, M.G. Road, Agra,
Through its Directors, Sri Satish Chandra Gupta & Suresh Chandra Gupta,

(Transferor)

(2) Mekenzies Ltd.
Acharya Dondo Marg,
Sewri, Bombay,
Through its Attorney, Sri S. N. Jain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot No. 75, Western portion, situated at Gandhi Nagar, Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 13,750/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Kanpur.

Date : 6-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Manmohan Singh s/o Mahan Singh,
R/o Vill. Basauti,
Distt. Mathura.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR.

Kanpur, the 22nd January 1976

Ref. No. 754-A/Acq/Mathura/75-76.— Whereas, I, F. J. BAHADUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 23-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) 1. Sari Bipati Singh S/o Kalla Singh,
2. Shri Lal Singh, and
3. Shri Rajendra Singh, S/o Bipati Singh,
R/o Gunsara, Teh. Kumber,
Distt. Bharatpur (Rajasthan).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Immovable property consisting of land being 1/4 of 101 acres measuring about 25 acres, situated at Vill. Basauti, Distt. Mathura, transferred for an apparent consideration of Rs. 20,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 22-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR.**

Kanpur, the 22nd January 1976

Ref. No. 755-A/Acq/Mathura/75-76/2565.—Whereas, I, F. J. BAHADUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule, situated at As per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 23-8-1975,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Indrajit Singh S/o Mahan Singh,
R/o Vill. Basauti, Post Radha Kund,
Distt. Mathura.

(Transferor)

(2) Shri Badri Prasad,
2. Shri Harman Singh, and
3. Shri Satyaman Singh, Surjan Singh,
(All Minors) S/o Shri Badri Prasad,
R/o Vill. Gunsara, Post. Khas
Distt. Bharatpur (Rajasthan).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land being 1/4 of 101 acres measuring about 25 acres., situated at Vill. Basauti, Distt. Mathura, transferred for an apparent consideration of Rs. 20,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Kanpur.

Date : 22-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Harcharan Singh S/o Mahan Singh,
R/o Vill. Basauti, Post Radha Kund,
Distt. Mathura.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR.

Kanpur, the 22nd January 1976

Ref. No. 756-Acq/Mathura/75-76/2566.—Whereas, I, F. J. BAHADUR, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at As per schedule. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 23-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act,' to the following persons, namely :—

(2) Shri Kare Singh S/o Kalla Singh,
2. Shri Sher Singh S/o Kare Singh, and
3. Shri Ratan Singh,
4. Shri Ranvir Singh,
5. Shri Veerpal Singh, and
6. Shri Satveer Singh (Minors)
S/o Shri Kare Singh,
R/o Vill. Gunsara, Post-Khas, Teh. Kumher,
Distt. Bharatpur (Rajasthan).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land being 1/4 of 101 acres, measuring about 25 acres, comprised in Khasra Nos. 24/74, 30/44 and 31/20, situated at Village Basauti, Distt. Mathura, transferred for an apparent consideration of Rs. 20,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Kanpur.

Date : 22-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sajit Singh S/o Sri Mahan Singh,
R/o Vill. Basauti, Post Radha Kund,
Distt. Mathura.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

KANPUR.

Kanpur, the 22nd January 1976

Ref No. 756-A/Acq/Mathura/75-76/2567.—Whereas, I,
F. J. BAHADUR,

being the competent authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act')
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. As per schedule, situated at As per schedule,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 23-8-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated.
in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act'
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the follow-
ing persons, namely :—

(2) 1. Shri Hira Singh S/o Kalla Singh,
2. Shri Kartar Singh (Adult) and
Rishpal Singh, Asaram, Deshraj Singh,
Gajendrapal Singh, and Sujan Singh (Minors)
S/o Shri Hira Singh,
R/o Vill. Gunsara, Teh. Kumher
Distt. Bharatpur (Rajasthan).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land being 1/4 of 101
acres measuring about 25 acres., situated at Vill. Basauti, Distt.
Mathura, transferred for an apparent consideration of
Rs. 20,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur.

Date : 22-1-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Balwant Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 22nd January 1976

Ref. No. 59-B/ACQUISITION—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23 and 84 situated at Vill. Barhpura Majra Maheshpur Khem Distt. Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 7.7.1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by the other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land Nos. 23 and 84 measuring 8-93 acres situated in Village Barhpura Majra Maheshpur Khem, Distt. Moradabad.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 22nd Jan. 1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Puran Chandra Choudhry.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Brij Mohan Mehra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 27th January 1976

Ref. No. 60-B/ACQUISITION.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Malli Tal Distt. Nainital (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nainital on 8th July 75, for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of commercial Building situated at Malli Tal Distt. Nainital comprising of two shops, one store room on ground floor and seven rooms on the first floor.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 27th Jan. 1976

Seal .

FORM ITNS

(1) Shri Kailash Prasad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Devi Prasad Jaiswal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

*(3) At S. No. 2.
(Person in occupation of the property)OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW*(4) Anybody interested in the Property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Lucknow, the 27th January 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

Ref. No. 24-D/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 384 and 389 situated at Mauza Maiya Jaitam Tappa, Ahasi Distt. Azamgarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer
at Azamgarh on 14-7-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agricultural land Nos. 384 and 389, total measuring 126 Kari situated at Mauza Maiya Jaitam Tappa Ahasi, Pargana Nizamabad, Distt. Azamgarh.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

27—466GI/75

Date : 27th Jan. 1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Dr K. B. Mathur

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Gola Ganj Co-operative Housing Society Ltd
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 22nd January 1976

Ref. No. 29-G/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 8 situated at Jagat Narain Road Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 22-7-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land bearing No. 8, measuring 42,000 sqr. ft., situated in 55, Jagat Narain Road, Lucknow

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 22nd Jan. 1976.
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Kusum Beni Lal.

(Transferor)

(2) Shri Narendra Singh.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW**

Lucknow, the 23rd January 1976

Ref. No. 14-N/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-1/122-C2-B2 situated at Dumraon Bagh Colony Shahi Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 10th July 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of a House No. B-1/122-C2-B2 situated in Dumraon Bagh Colony Mohalla Assi Shahi, Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date : 23rd Jan. 1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Kusum Beni Lal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Piema Singh.

(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 23rd January 1976

Ref. No. 45 P/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-1/122 C2-B2 situated at Dumaraon Bagh Colony Moh. Assi Shahr Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 10th July 75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Half portion of a House No. B-1/122-C2-B2 situated in Dumaraon Bagh Colony Mohalla Assi Shahr, Va'andas

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 23rd Jan. 1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt Aloka Basu,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pyare Lal,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 27th January 1976

Ref. No. 46-P/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 58, situated at Tagore Town-Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 12th August 75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house property No. 58, situated at Tagore Town, Allahabad.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 27th Jan. 1976.

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Prayag Upnideshan Aavas Eavan Nirman Sahkari Samiti Ltd.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 22nd January 1976

Ref. No. 47-P/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH,
being the Competent Authority under Section 269-B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that
the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 192 and 187 situated at Vill Harwara Teh. Chail, Distt.
Allahabad
(and more fully described
in the Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of
the Registering Officer at
Allahabad on 25-7-75
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot Nos. 192 and 187 total measuring 1 Bigha 9 Biswas and 16 Biswas situated in Village Harwara, Tehsil Chail Distt. Allahabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date : 27th Jan. 1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Abdul Rashid.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 22nd January 1976

Ref. No. 47-P(B)/ACQUISITION.—Whereas I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 191 and 187 situated at Village Harwara Teh. Chail, Distt. Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 25-7-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay, under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

(2) The Prayag Upnideshan Aavas Eevam Nirman Sahakari Samiti Ltd.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Nos. 191 and 187 total measuring 1 Bigha 11 Biswas and 10 Biswas situated in Village Harwara, Tehsil Chail, Distt. Allahabad.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 22nd Jan. 1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Km. Tinka.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 22nd January 1976

Ref. No. 80-R/ACQUISITION —Whereas I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1736, 1737 and 205 situated at Vill. Pharenda Shukla Distt. Gonda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gonda on 11-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Nos. 1736, 1737 and 205 total measuring 13-16 acres situated in Village Pharenda Distt. Gonda.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 22nd Jan. 1976.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mahendra Kumar Goel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shiv Saran & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

Lucknow, the 22nd January 1976

Ref. No. 108-S/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. — situated at Mohalla Alamgiri Ganj Distt. Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 22-7-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transference for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

28—466 GI/75

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of a house situated in Mohalla Alamgiri Ganj Distt. Bareilly.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 22-1-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) (1) Shri Ranchhoddas Marburdas Gokuldas,
 (2) Shri Mulraj Dwarkadas Gokuldas,
 53-57, Laxmi Insurance Building,
 Sir P. M. Road, Bombay 1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 28th January 1976

Ref. No. C.A.5/June '75/Haveli-II/(Poona)/264/75-76.—
 Whereas, I, H. S. AULAKH,
 being the competent authority under section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe
 that the immovable property, having a fair market value
 exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 S. No. 415, Hissa No. 18 situated at Bhosari (Poona)
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the
 Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
 Registering Officer at
 Haveli-II (Poona) on 24-6-75
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen percent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said Instrument of
 transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
 (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

(2) (1) Shri Chotubhai Tajmohamed Amalani.
 (2) Shri Mulraj Dwarkadas Gokuldas,
 11 Boat Club Road, Poona 1.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons, whichever
 period expires later;

(b) by any of the person interested in the said
 immovable property, within 45 days from the
 date of the publication of this notice in the
 Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold open plot at Survey No. 415 Hissa No. 1 B
 at Mouja Bhosari, Tal. Haveli, District Poona. Area : 1
 Acre 20 gunthas (0.62 R)

(property as mentioned in the Registered Deed No. 1381
 of June 75 in the Registering Authority, Haveli-II, Poona)

H. S. AULAKH,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisiton Range, Poona.

Date : 28-1-76.
 Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri M. Vairakannu
Plot No. 40, Alamelumangapuram, Thanjavur
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. Murugesu Mudaliar,
Matti Mesthiri Lane, Thanjavur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 23rd January 1976

Ref. No. F. 3332/75-76.—Whereas, I. G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 40, situated at Alamelumangapuram, Srinivasapuram, Thanjavur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR 1, Thanjavur (Doc. No. 1749/75) on 28-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated at Plot No. 40, Alamelumangapuram, Srinivasapuram, Thanjavur (T.S. No. 3018/I-B).

G. B. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Madras-6.

Date : 23-1-1976.
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. N. Dawes,
Clydesdale Cottage,
Coonoor-1.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 23rd January 1976

Ref. No. F. 2489/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 979, situated at Coonoor (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coonoor (Document No. 595/75) on 30-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Lt. Col. A. J. Ambrose,
S/o S. Ananda Gounden,
C/o Shri A. J. S. Mariadoss,
Palghat Road, Pollachi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

49 Cents of land in R.S. No. 979 of Coonoor with buildings thereon.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Madras-6.

Date : 23-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Avtar Singh s/o Shri Pritam Singh, Pritam Bagh (Sandhu Farm) Near Jagatjit Textile Mills, Phagwara.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

AMRITSAR

Amritsar, the 29th January 1976

Ref. No. PHG/238/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 property situated at Rattanpura Mohalla, Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in May 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(2) Shri Gurjei Singh s/o Shri Chanan Singh V. Partapura Tch. Phialaur Distt. Jullundur Now Mohalla Rattanpura near Sandhu Farm, Phagwara.

(Transferee)

*(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any (Person in occupied of the property)

(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

property situated in Rattanpura Mohalla (Near Sandhu Farm) Phagwara as mentioned in the Registered Deeds No. 267 of May, 1975 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 29-1-76.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Avtar Singh s/o Shri Pritam Singh, Pritam Bagh (Sandhu Farm) Near Jagatjit Textile Mills, Phagwara.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
AMRITSAR

Amritsar, the 29th January 1976

Ref. No. PHG/239/75-76.—Whereas, I. V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 property situated at Rattanpura Mohalla, Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phagwara in May 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(2) Smt. Tarseem Kaur d/o Shri Chanan Singh and w/o Shri Gurmej Singh V. Partarpura Teh. Phillaur Distt. Jullundur, Now Mohalla Rattanpura Near Sandhu Farm, Phagwara.

(Transferee)

- (a) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any (Person in occupied of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 property situated in Rattanpura Mohalla (Near Sandhu Farm) Phagwara as mentioned in the Registered Deed No. 268 of May, 1975 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range
Amritsar

Date : 29-1-76.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
AMRITSAR

Amritsar, the 29th January 1976

Ref. No. PHG/240/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property situated at Rattanpura Mohalla, Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in May 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Avtar Singh s/o Shri Pritam Singh Pritam Bagh, (Sandhu Farm) Near Jagatjit Textile Mills, Phagwara.
(Transferor)

(2) Shri Gurmej Singh s/o Shri Chanan Singh Smt. Tarseem Kaur d/o Shri Chanan Singh & w/o of Shri Gurmej Singh V. Partap pura Teh. Phillaur Distt. Jullundur now Mohalla Rattanpura Near Sandhu Farm, Phagwara.
(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any (Person in occupied of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated in Rattanpura Mohalla (Near Sandhu Farm) Phagwara as mentioned in the Registered Deeds Nos. 267 & 268 of May, 1975 of the Registering Authority Phagwara.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range,
Amritsar

Date : 29-1-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) Rajesh Dyeing & Bleaching Works Pvt. Ltd.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Subash Silk Mills Pvt. Ltd.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V,
BOMBAY-400002.

Bombay-400002, the 29th January 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground together with the meausages, tenements, buildings, and structures, standing thereon situate lying and being at Village Mohili in the registration district, Bombay City and Bombay Suburban containing by admeasurement 5750 sq. yds. or thereabouts, equivalent to 4807.57 sq. meters, including area of 290 square yards, i.e. square meters being half of the area of land used as common road situate on the East being sub plot 3 of Private lay-out and bearing survey numbers and Hissa Numbers as shown below :—

Survey No.	Hissa No.
19	2(Part)
52	21(Part)
61	3(Part) & 4(Part)

bearing City Survey Nos. 686 and 687 part and assessed by the Assessor & Collector of Rates and Taxes under L Ward No. 3938(4A) and Street No. 52DA Mohili and bounded as follows, that is to say: On or towards the North by the private common road referred to above, on or towards the South by property bearing Survey No. 52 Hissa No. 21 part, on or towards the East by Nala and on or towards the West by property bearing Survey No. 19 Hissa No. 2(part) being Small Plot No. 2.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V,
Ayurvedic Hospital Bldg., 5th Floor,
Room No. 520, Near Charni Rd. Station,
Bombay-400002.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date : 29-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Lamber Ram S/o Shri Rakha Ram V.
Gandwan
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th February 1976

Ref. No. Phg./241/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at V. Gandwan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in May 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sodar S/o Shri Hazma, V. Sangatpur.
(Transferor)

29-466GI/75

- (2) Shri Lamber Ram S/o Shri Rakha Ram V.
Gandwan
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 216 of May, 1975 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 5th February 1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sodaar S/o Shri Hazara, V. Sangatpur.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th February 1976

Ref. No. Phg./242/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at V. Gandwan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Phagwara in May 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

- (2) Smt. Gurmej Kaur W/o Shri Lamber Ram V. Gandwan,
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 361 of May, 1975 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 5th February 1976.
Seal :

FORM ITNS _____

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B**

Chandigarh, the 7th February 1976

Ref. No. SMN/1047/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land, measuring 8 kanals, situated at Samana, Tehsil Samana,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer
at Samana in May 1975,
for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 8 kanals, situated on Mata Rani Road,
Samana, Tehsil Samana, District Patiala.
Khata No. 190/229,

Khasra No. 5 _____, 15 Min., 16 Min as per
 6 _____ 6-0 0-16 Jamabandi
2 Min. 1970-71
 1-4

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 211
on May, 1975 of the Registering Authority, Samana.)

V. P. MINOCHA,
Competent Authority

**Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh**

Date : 7-2-1976.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Koduri Sreeramulu, S/o Kistamma, Anantpally.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kakinada, the 28th January 1976

Ref. No. Acq. File No. 305 ME. No. 63.—Whereas, I B. V. SUBBARAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 8 situated at Gundipally village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anantpally on 30-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Meka Veera Venkata Satyanarayana S/o Srirama Satyanarayananamurty, Anantpally.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 746/75 of the S.R.O., Anantpally registered during the fortnight ended on 30-6-1975.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 28-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Chikkala Ramanamma, W/o Krishnarao,
Nedunuru village Amalapuram Taluk
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chikkala Tammanna Naidu S/o Ramamurthy,
Nedunuru village, Amalapuram Taluk.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

KAKINADA

Kakinada, the 6th January 1976

Ref. No. Acq. File No. 299 J. No. 60/EG/75-76.—Whereas, I, B. V. SUBBARAO, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land 9-074 situated at Nedunuru village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amalapuram on 15-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 1396/75 of the S.R.O., Amalapuram registered during the fortnight ended on 15-5-1975.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

Date 6-1-1976.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jetti Venkataratnam S/o Panakalu, Laxmipuram, Guntur.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Anumolu Santa Devi W/o Krishnavardhanarao, Laxmipuram Guntur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 6th January 1976

Ref. No. Acq. File No. 300 J. No. 25/GTR/75-76.—
 Whereas, I, B. V. SUBBARAO,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. 5-72-36 situated at Guntur,
 (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 15-5-1975
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 1592 of the S.R.O. Guntur and registered during the fortnight ended on 15-5-1975.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

B. V. SUBBARAO,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of
 Income-Tax
 Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date 6-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Neti Sita Mahalaxmi W/o Narayana
Murthy, Tenali.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 6th January 1976

Ref. No. Acq. File No. 301 J. No. 104/GTR/75-76.—
Whereas, I, B. V. SUBBARAO,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

D. No. 1-7-72 situated at Relangivari Street Tenali,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Tenali on 31-5-75,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth Tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons,
namely :—

(2) Shri Katragadda Subba Rao S/o Venkaiah, Chadarlavada village Tenali Taluk.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same
meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 1333/75 of
S.R.O. Tenali registered during the fortnight ended 31-5-75.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date 6-1-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 6th January 1976

Ref. No. Acq. File No. 302 ME. No. 228.—Whereas, T. B. V. SUBBARAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Land 19-83 situated at Mastyapuri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Narasapur on 15-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

1. (1) Gadi Kasiviswanadham S/o Venkataratnam
 (2) Gadi Nageswararao S/o Kasiviswanadham
 (3) Gadi Reddiyya S/o Kasiviswanadham
 (4) Gadi Venkatasatyaranarayananmurthy S/o Kasiviswanadham
 (5) Gadi Muralikrishna
 (6) Gadi Ramamohanarao S/o Kasiviswanadham
 (7) Gadi Kasiviswanadham S/o Nageswararao
 (8) Gadi Sivakumar S/o Nageswararao
 (9) Gadi Kasiviswanadham S/o Reddiyya,
 (Transferor)

2. (1) Shri Tumu Satyanarayana S/a Subbaraidu
 (2) Shri Tumu Narasimhamurthy
 (3) Shri Tumu Venkataraao
 (4) Smt. Tumu Annapurna,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

The schedule property as per document No. 1904/75 of the S.R.O. Narasapur Registered during the fortnight ended on 15-6-1975.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—
..

Date 6-1-1976

Seal :

FORM ITNS

1. Shri Kanumuri Naga Bhushanam S/o late Lakshmayya, Rangayyanaidu Sri Kakinada
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1. (1) Sri Oruganti Guruprasada Lakshminarayana Sarma,

(2) Sri P. V. Kondala Rao,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 8th January 1976

Ref. No. File No. 304 J. No. 167/EG/75-76.—Whereas, I,

B. V. SUBBARAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 67/1 Ac-8-98 Gudugunta Village Outskirts of Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 15-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 4485/75 of the S.R.O. Kakinada registered during the fortnight ended on 15-7-1975.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date 8-1-1976.

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I do hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

30—466G1/75

FORM ITNS

1. Shri Narapareddy Venkateswararao S/o Sri N.
Venkata Gangadhar Prataparao Naidu **Guthen-**
devi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.

KAKINADA

Kakinada, the 6th January 1976

Ref. No. Acq. File No. 303 ME, No. 253/75-76.—Whereas, I, B V. SUBBARAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 414-1; 414-3 and 444-5 situated at Mallavaram village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 31-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

2. (1) Smt. G. Subbamma W/o late Sri Bullayya
Ainavilli village.
(2) Smt. Sudha Satyavati W/o Swamy Naidu Yanam

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Scheduled property as per the document No. 5353/75 of the S.R.O. Kakinada registered during August 1975.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date 6-1-1976.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Sahib Kaur Daughter of Shri Pare Lal R/o
village Ghewra, Delhi State, Delhi,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt Ballo Devi W/o Shri Med Singh R/o village
and PO. Ghewra, Delhi State, Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 31st January 1976

Ref. No. IAC. ACQ.III/SR.II/July/962(19)/75-76/7098.—
Whereas, I, S. C. PARIJA,
being the competent authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Agricultural land 28 Bighas 3 Biswas situated at village Ghewra, Delhi State,
(and more fully described in the schedule annexed
hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi on 29-7-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of agricultural land measuring 28 bighas 3 biswas (out of total land mg. 80 bighas 11 biswas) comprising Khasra Nos. 23 min (4-18), 1689/87 (2-10), 1693/88 (0-11), 89(3-12), 151(4-3), 1799/183(5-1), 1800/183 (61-1), 251(1-13), 272(8-3), 277(14-9), 361(3-6), 376 (1-16), 381(2-17), 399(2-15), 405(1-19), 416(2-19), 1694/506(5-5), 613(318), 182 min (4-15, out of (8-15), situated at Village Ghewra Delhi State, Delhi.

S. C. PARIJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi.

Date : 31-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAFAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 31st January 1976

Ref. No. IAC. ACQ.III/SR.II/July/937(15)/75-76/7098.—
Whereas, I, S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property No. 9, Industrial Area situated at Tilak Nagar New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at New Delhi on 16-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act, to the following persons namely :—

(1) M/s. Paradise Industries No. 14, Najafgarh Road, New Delhi-15 through Shri Amrik Chand Chawla S/o Shri Ladha Mal Chawla R/o 80/10, Punjabi Bagh, New Delhi-26.

(Transferor)

(2) S/Shri Ram Sarup and Om Parkash S/o Ch. Hira Nand R/o D-2/31, Janakpuri, New Delhi.

(Transferee)

(3) M/s. Rana Enterprises 9, Industrial Area, Tilak Nagar, New Delhi.
[Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A factory built on plot of land No. 9, measuring 1140 sq. yds., situated at Industrial Area, Tilak Nagar, New Delhi, in the Revestate of village Tihar Delhi State and is 12 storeyed pucca built and bounded as under :—

North : Industrial plot No. 8.

South : Industrial plot No. 10.

East : Road and Lawn

West : Road and lawn.

S. C. PARIJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III, New Delhi.

Date : 31-1-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 31st January 1976

Ref. No. IAC. ACQ.III/SR.II/July/947(28)/75-76/7098.—
Whereas, I, S. C. PARIJA,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason
to believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
H. No. WZ-336, Block-B situated at Fateh Nagar area of
village Tehar, New Delhi,
(and more fully
described in the Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the
office of the Registering Officer
at New Delhi on 18-7-1975,
for an apparent
consideration which is less than the fair market value
of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to
between the Parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with
the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act', in
respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) of the 'said Act' or the Wealth Tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

(1) Shri Som Nath Grover S/o Shri Sukha Nand
Goveri R/o B-31, Fateh Nagar, New Delhi, as
General Attorney of Shri Narianjan Singh Bindra
S/o Shri Asa Singh Bindra R/o WZ-836, Mohalla
Guru Nanakpura, Fateh Nagar, New Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Joginder Kaur W/o Shri Chetan Singh R/o
15/10158, WPA, Karol Bagh, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. WZ-336, situated in Abadi Fateh Nagar, Block
B, area of village Tehar, New Delhi built on the free-hold
land measuring 150 sq. yds. bearing plot No. 137, Block-B and
bounded as under :—

North : Rasta 15 ft. wide.
South : Rasta 20 ft. wide.
East : Plot No. 138.
West : Plot No. 136

S. C. PARIJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 31-1-1976.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Usha Rani Agarwal W/o Shri S. P. Agarwal,
R/o C-4/132, Safdarjung Development Area, New
Delhi-110016.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, 3RD FLOOR
NEW DELHI

New Delhi, the 31st January 1976

Ref. No. IAC./Acq.I/SR.III/June-II/39/75-76.—Whereas, I, C. V. GUPTE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-16 situated at Greater Kailash-II New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 30-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(2) Shri Magha Ram S/o Shri Lal Chand, R/o Majith Mandi, Amritsar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free hold plot of land bearing No. 116, Block No. 'M' measuring 400 sq. yds. together with a one and a half storied residential building constructed thereon, situated in the residential colony, known as Greater Kailash-II, New Delhi and bounded as under :—

East : Road.
North : Plot No. M-114.
West : Service Lane.
South : Plot No. M-118.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I
New Delhi

Date : 31-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. D.L.F. United Limited 40-F, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Anand Parkash, Karta of H.U.F. son of Late Shri Bal Krishan Dass R/o 27, Rajpur Road, Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd February 1976

Ref. No. IAC./ Acq.I/SR.III/June-I/823/(25)/75-76.—
Whereas I, C. V. GUPTE,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason
to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. W-17, situated at Greater Kailash, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi on 4/6/1975,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 1000 sq. yds. bearing No. W-17 in the residential colony known as Greater Kailash-II, situate at Village Baharpur, in the Union Territory of Delhi and bounded as under :—

North : Road
East : Plot No. W/15
South : Colony Boundary
West : Plot No. W/19

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I

New Delhi

Date : 3-2-1976.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Garibo widow of Shri Hari Singh R/o village Bijwasan, Delhi State, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Om Devi W/o Shri Bhagwani Singh R/o village Bijwasan Tehsil Mehrauli, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
4-A/14, ASAFAI ALI ROAD, 3RD FLOOR
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/842/June-II(10)/75-76.—
Whereas, I, C. V. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As specified in the Schedule situated at village Bijwasan, Tehsil Mehrauli, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 19/6/1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 8 Bighas 19 Biswas bearing Khasia No. 1044, Khata No. 326, situated at Village Bijwasan, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the Said Act to the following following persons, namely:—

Date : 2-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri S. Gurcharan Singh S/o Late Dalip Singh Sirrah R/o 304, May Fair Garden 4, May Fair Road, Calcutta-19.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
41/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/4/June-II/75-76.—Whereas, I. C. V. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. W-151 situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 16/6/1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, by the following person, namely :—
31—466GI/75

(2) S. Amar Bir Singh S/o Late Attar Singh R/o A-7, Greater Kailash Enclave-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

$\frac{1}{3}$ share of the free hold plot of land measuring 271.25 sq. yds. and, bearing No. 151 in Block 'W' situated in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi and bounded as under :—

East : Road
North : W/149
West : Service Lane
South : W/153.

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I
New Delhi

Date : 4-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Subhash Silk Mills Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V
BOMBAY-400002

Bombay-400 002, the 5th February 1976

Ref. No. AR.V/341/16/75-76.—Whereas, I, J. M. MEHRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 61 H. No. 3(Pt.) and 4(Pt.) S. No. 18 H. No. 2(Pt) and S. No. 18 H. No. 1. Plot No. 5, situated at Mohille Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 30/6/75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(2) Vijay Synthetic Prints Pvt. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of vacant land or ground situate, lying and being in the village of Mohilli, Kurla in the registration City and Bombay Suburban, District Bombay admeasuring about 5900 sq. yards equivalent to approximately 4933.15sq. metres bearing Survey No. 61 Hissa No. 3 part and No. 4 part Survey No. 18 Hissa No. 2 Part and Survey No. 18 Hissa No. 1 being plot No. 5 on sub-division as sanctioned by the Municipal Corporation of Greater Bombay and bounded as follows, that is to say :—on or towards the West by Nala, on or towards the East by Municipal Pipe Line, on or towards the south by land bearing Survey No. 18 Hissa No. 4 and Survey No. 18 Hissa No. 3 being sub-plot No. 6 belonging to the Vendor Subhash Silk Mills Pvt. Ltd. and on or towards the North by Survey No. 61 Hissa No. 3 and Survey No. 52 Hissa No. 3 being sub-plot No. 4 also belonging to the Vendor Subhash Silk Mills P. Ltd. and bearing City Survey No. 663 part 665 part 683 part.

J. M. MEHRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range-V
Ayurvedic Hospital Building, 5th Floor
Room No. 520, Near Charni Road Station,
Bombay-400 002

Date : 5-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Haridas M. Bachani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IAAYKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 5th February 1976

Ref. No. ARI/1201-5/June 75.—Whereas, I, V. R. AMIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

CS. No. 1270 of Mahim Division, TPS 3 situated at Final plot No. 769 Mahim (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 20-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(2) Mahim White Rose Co-op. Hsg. Society Ltd.
(Transferee)

(3) Tenants
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building popularly known as "Mahim White Rose" situated on Final plot No. 769, TPS 3 (Mahim) admeasuring 877 sq. yards or 733/sq. Metres being part of C.S. 1270 of Mahim Division, Mahim, Bombay-11.

V. R. AMIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 5-2-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) The Raymond Woollen Mills Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sarnath Co-op. Hsg. Soc. Ltd

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Tenants.
(Person in occupation of the property).OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IAAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG.
BOMBAY-20

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bombay-20, the 5th February 1976

Ref. No. ARI/1185-4/June/75.—Whereas, I, V. R. AMIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 764 Malabar and Cumballa Hill Division situated at North side of Sophia College Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 9-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of freehold pension and tax land or ground together with the messuages, tenements or dwelling house being Sarnath Building No. 1 standing thereon situate lying and being on the North Side of Sophia College Road without the Fort of Bombay in the Island and registration and Sub-district of Bombay admeasuring 1077 square yards (equivalent to 900.50 square metres) or thereabouts being a portion of the larger land hereditaments and premises registered in the books of the Collector of Land Revenue under Old No. 52 New No. A/455, Old Survey No. 81, New Survey Nos. 4/7131, 5/7131 and 6/7131 and Cadstral Survey No. 764 Malabar Hill and Cumballa Hill Division and bounded as follows: That is to say, On or towards the North partly by the property known as Sea View belonging to Kalyanji Manjhi and partly by the property known as Kashmir House formerly belonging to Mrs. Roda Dhanjibhoy and others. On or towards the South by Sophia College Road. On or towards the East by the portion of the larger property hereinabove mentioned and on or towards the West by another portion of the larger property by property hereinabove mentioned.

V. R. AMIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I Bombay

Date : 5-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V
BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 7th February 1976

Ref. No. AR.V/352/9/75.—Whereas, I, J. M. MEHRA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 18, Asha Nagar, C.T.S. No. 652 situated at Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 8/7/75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

1. Shri Madan Lal Kapur
M/s. Shah and Savani Construction Corporation.
(Transferor)
- (2) Mr. M. Golia
(Transferee)
- (3) (1) Mr. M. Thomas
(2) Mr. M. Golia
(3) Mr. G. Viswanathan
- (4) Mrs. Arokiam Machado (wife of Late Mr. Henry Machado)
- (5) Mr. V. H. Subramanian
- (6) Mr. L. S. Raman
- (7) Mr. A. V. Philips
- (8) Mrs. Leela Velayudhan
- (9) Mrs. A. V. Patil
- (10) Mr. P. M. Sunder Rajan.
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel or plot of land bearing Plot No. 18 in the layout of the Building Estate known as "Asha Nagar" and delineated on the Plan thereof admeasuring 600 Square Yards i.e. 501.66 square Metres being part of Survey No. 36A and 36B and C.T.S. Nos. 652 situate at Chembur on the Eastern Side of Ghatkopar-Mahul Road in the Registration Sub-District of Bandra District Bombay Suburban in Greater Bombay and bounded as follows that is to say, on or towards the North by Garden Plot & beyond that by Plot No. 19 of the said Scheme, on or towards the East by Nilla-Mulla Power Lines, on or towards the South by the plot No. 17 of the said Scheme and on or towards the West by 20 feet Wide Road of the said Scheme.

J. M. MEHRA,
Competent Authority;
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Ayurvedic Hospital Building, 5th Floor,
Room No. 520, Near Charni Rd. Station,
Bombay-400 002

Date : 7-2-1976.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Vishnu Gajanan Parchure.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
K. G. M. BUILDING 5TH FLOOR
BOMBAY-2

Bombay, the 5th February 1976

Ref. No. ARI/1183-2/Junc/75.—Whereas, I, V. R. AMIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C & No. 1853 of Mahim Division situated at Plot No. 144 of Shivaji Park Scheme, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 4-6-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely.—

(2) Anand Bharati Co-op. Hsg. Society Ltd.

(Transferee)

(3) Tenants (Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground together with the structures standing thereon containing an area of 758 square yards, or thereabouts situate on and being Plot No. 144 of the Shivaji Park Scheme at Mahim of the Corporation in the City and Island and Sub-Registration District of Bombay bounded on the North-East by Plot No. 145 of the said Scheme agreed to be leased to Rukhmanibai wife of Dwarakadas Bhatia and others, on the South-East by a fifty feet road, on the South-West by a forty feet road and on the North-West by Plot No. 146 of the said Scheme leased to W.G. Sahani, which piece of land forms portion of New Survey No. 1057 and bears Cadstral Survey No. 1853 of Mahim Division and assessed by the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes under "G" Ward Nos. 4841 (5) and 4851 (5A) and Street No. 170-D and 170-DA and which premises are held under an Indenture of Lease bearing date the 11th day of February 1946 and expressed to be made between the Municipal Corporation of the City of Bombay of the First Part; the Municipal Commissioner of the Second Part and Lady Parvati Devi Ghorpade, Her Highness the Rani Saheb of Mundhel, of the Third Part and registered under No. 1919 at pages 15 to 23 Volume 273 of Additional Book No. 1 under date 14th August, 1946.

V. R. AMIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 5-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Rev. Benito DSouza.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nina Fernandes.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 6th February 1976

Ref. No. ARI/1305-16/June/75.—Whereas, I, V. R. AMIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing City Survey No. C/579 situated at Bandra, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bandra on 6-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

775.57 sq. metres land and Building thereon, plot No. 174-A, New City Survey No. C/579, Bandra.

V. R. AMIN,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-2-1976.
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt Tarabai Ramchari Dhote.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Lona Industries Pvt. Ltd.,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
K. G. M. BUILDING
BOMBAY-2

Bombay, the 5th February 1976

Ref. No ARI/1184-3/Junc/75.—Whereas, I, V. R. AMIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 1792 of Mahim Division situated at Plot No. 82 of Shivaji Park Scheme, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 9-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 82 of Shavaji Park Scheme with the messuages and tencments thereon, situate lying and being at cadell Road, Mahim.

Property at :— C. S. No. 1972 of Mahim Division
Area : 445 sq. yds.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

V. R. AMIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 5-2-1976.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Subash Silk Mills Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Rajesh Dyeing & Bleaching Works Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V
BOMBAY-400 002

Bombay-400002, the 5th February 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.V/342/17/75-76/II.—Whereas, I, J. M. MEHRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 61 H. No. 3(Pt) and S. No. 52 H. No. 3 being sub-plot No. 4, City S. No. 665 and 695G situated at Mohille Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registered Bombay on 30-6-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

32—466GI/75

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that pieces or parcel of vacant land or ground situate lying and being in the village of Mohilli, Kurla in the registration District Bombay City and Bombay Suburban admeasuring about 5000 (five thousand) sq. yds. equivalent to 4180.64 sq. meters bearing Survey No. 61 Hissa No. 3 (Part) and Survey No. 52 Hissa No. 3 being sub-plot No. 4 as sanctioned by the Municipal Corporation of Greater Bombay and bounded as follows, that is to say :

On or towards the North by Nala, on or towards the East by Municipal Pipe Line, on or towards the South by Plot No. 5 now being conveyed to Vijay Synthetic Prints Pvt. Ltd. and on or towards the West also by a Nala, bearing City Survey No. 665 and 695 G.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V,
Ayurvedic Hospital Bldg., 5th Floor,
Room No. 520, Near Charni Road Station,
Bombay-400 002

Date : 5-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

(4) Smt. Pramila Devi W/o Govindas all four persons are residing at H. No. 4-3-348, Bank Street, Sultan Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd February 1976.

Ref. No. RAC. No. 241/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15-9-373 situated at Mahaboob Gunj, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 18-6-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act,' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(1) Sri Bhagwanda S/o late Girdhardas, H. No. 4-3-339 at Bank Street, Sultan Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) (1) Smt. Chandramani Bai W/o Late Dwarkadas,
(2) Smt. Indu Ben W/o Late Balkishandas,
(3) Smt. Chandra Prabha Devi, W/o Damodardas

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : M. C. H. No. 15-9-373 at Mahaboob Gunj, Hyderabad.

Area : 412 sq. yds.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 2-2-1976,
Seal ;

FORM ITNS—

(1) M/s Hindustan Builder of Unity House at Abid Road, Hyderabad Rep. by partner Sri Hari Kishen.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Ali Mohammed, H. No. 16/18 Taher Mansion, Chuman Kilan Street, 3rd floor, Bombay-3.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd February 1976

Ref. No. RAC. No. 243/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 41 situated at Unity House, Abid Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 27-6-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property: Shop No. 41 on ground floor of Unity House, (5-9-250 to 257) at Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 2-2-1976.
Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd February 1976

Ref. No. R.A.C. No. 245/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat-No. B-4 F-2 situated at Poona Apartment, at Abid Road, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on 20-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Pushpalata Gupta, Partner and G.P.A. holder for 11 other partners in M/s. Associated Builders and Real Estate Agent, 4-1-968, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) (1) Smt. I. Ratnamanikayam,
(2) Smt. K. Salochanareddy,
residing at H. No. 3-6-218 at Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule 'T' Referred to

All that piece or parcel of land or ground situate, lying and being at Chirag Ali Lane, Hyderabad, Andhra Pradesh in the Registration District and Sub-District of Hyderabad City, Andhra Pradesh in the City and Municipal limits of the Municipal Corporation of Hyderabad, bearing Municipal No. 5-8-512 to 517 C, formed out of 3000 square yards (three thousand square yards) or there about and bounded as under :—

On or towards the North by Estate Road facing Hotel Emerald.

On or towards the South by Neighbour's Property.

On or towards the East by Neighbour's Property.

On or towards the West by T. P. Road.

THE SCHEDULE 'T' ABOVE REFERRED TO

All that the undivided 1.9804% share or portion in the piece and parcel of land bearing Municipal No. 5-8-512 to 517 C, situate, lying and being at Chirag Ali Lane, Hyderabad, in the City and Municipal Limits of the Municipal Corporation of Hyderabad in the Registration District and Sub-District of Hyderabad more particularly described in the Schedule 'T' hereinabove written, together with the entire proprietary rights in all that the premises bearing Car Park/Storing Unit/Flat No. B-4 F-2 in Poonam Apartment Hyderabad, on the First Floor admeasuring 1085 square feet in the said Building known as "Poonam Apartments" constructed on the said plot admeasuring 3000 square yards at Chirag Ali Lane, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 2-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd February 1976

Ref. No. R.A.C. No. 249/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. A-2 1-2 in Poonam Apartment situated at Abid Road, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 26-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Smt. Pushpalata Gupta, Partner and G.P.A. holder for 11 other partners in M/s. Associated Builders and Real Estate Agent, 4-1-968, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt D. Pushpa, H. No. 3-6-599 at Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE**The Schedule 'I' Referred to**

All that piece or parcel of land or ground situate, lying and being at Chirag Ali Lane, Hyderabad, Andhra Pradesh in the Registration District and Sub-District of Hyderabad City, Andhra Pradesh in the City and Municipal limits of the Municipal Corporation of Hyderabad, bearing Municipal No. 5-8-512 to 517 C, formed out of 3000 square yards (three thousand square yards) or there about and bounded as under :—

On or towards the North by Estate Road facing Hotel Emerald.

On or towards the South by Neighbour's Property.

On or towards the East by Neighbour's Property.

On or towards the West by T. P. Road.

THE SCHEDULE 'II' ABOVE REFERRED TO

All that the undivided 1.9804% share or portion in the piece and parcel of land bearing Municipal No. 5-8-512 to 517 C, situate, lying and being at Chirag Ali Lane, Hyderabad, in the City and Municipal Limits of the Municipal Corporation of Hyderabad in the Registration District and Sub-District of Hyderabad more particularly described in the Schedule 'I' hereinabove written, together with the entire proprietary rights in all that the premises bearing Car Park/Storing Unit/Flat No. A-2, 1-2, in Poonam Apartment at Abid Road, Hyderabad on the First Floor admeasuring 1085 square feet in the said Building known as "Poonam Apartments", constructed on the said plot admeasuring 3000 square yards at Chirag Ali Lane, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 2-2-1976.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Smt. Pushpalata Gupta, Partner and G.P.A. holder for 11 other partners in M/s. Associated Builders and Real Estate Agent, 4-1-968, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Maheshwari Bai, R/o Flat No. A-1 F-7 in Poonam Apartment, Abid Road, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 2nd February 1976

Ref. No. R.A.C. No. 246/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. A-1 F-7 in Poonam Apartment situated at Abid Road, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 20-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE
THE SCHEDULE I REFERRED TO**

All that piece or parcel of land or ground situate, lying and being at Chirag Ali Lane, Hyderabad, Andhra Pradesh in the Registration District and Sub-District of Hyderabad City, Andhra Pradesh in the City and Municipal limits of the Municipal Corporation of Hyderabad, bearing Municipal No. 5-8-512 to 517 C, formed out of 3000 square yards (three thousand square yards) or there about and bounded as under :—

On or towards the North by Estate Road facing Hotel Emerald.

On or towards the South by Neighbour's Property.

On or towards the East by Neighbour's Property.

On or towards the West by T. P. Road.

THE SCHEDULE II ABOVE REFERRED TO

All that the undivided 1.9804% share or portion in the piece and parcel of land bearing Municipal No. 5-8-512 to 517 C, situate, lying and being at Chirag Ali Lane, Hyderabad, in the City and Municipal Limits of the Municipal Corporation of Hyderabad in the Registration District and Sub-District of Hyderabad more particularly described in the Schedule 'I' hereinabove written, together with the entire proprietary rights in all that the premises bearing Car Park/Storing Unit/Flat No. A-1 F 7/ in Poonam Apartment at Abid Road, Hyderabad, on the Fourth Floor admeasuring 1085 square feet in the said Building known as "Poonam Apartments" constructed on the said plot admeasuring 3000 square yards at Chirag Ali Lane, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 2-2-1976.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) M/s. Hindustan Builders, Unity House, at Abid Road, Hyderabad its partner Sri Hari Kishen.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**

(2) Sri Sunil Goel (Minor) represented by guardian
Sri B. L. Goel, H. No. D-27 C.C. Colony, Delhi-6.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 2nd February 1976

Ref. No. R.A.C. No. 242/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Shop No. 19 situated at Unity House, at Abid Road Hyderabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 12-6-75,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Shop No. 19 ground floor Unity House (5-9-250 to 257) at Abid Road, Hyderabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 2nd February 1976

Ref. No. R.A.C. No. 248/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. A-1 F-3 in Poonam Apartment situated at Abid Road, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on 25-6-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Pushpalata Gupta, Partner and G.P.A. holder for 11 other partners in M/s. Associated Builders and Real Estate Agent, 4-1-968, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Miss. Anuradha Waghra, D/o R. N. Waghra, R/o Flat No. A-1 F-3 in Poonam Apartment at Abid Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE
THE SCHEDULE T REFERRED TO**

All that piece or parcel of land or ground situate, lying and being at Chirag Ali Lane, Hyderabad, Andhra Pradesh in the Registration District and Sub-District of Hyderabad City, Andhra Pradesh in the City and Municipal limits of the Municipal Corporation of Hyderabad, bearing Municipal No. 5-8-512 to 517 C, formed out of 3000 square yards (three thousand square yards) or there about and bounded as under :—

On or towards the North by Estate Road facing Hotel Emerald.

On or towards the South by Neighbour's Property.

On or towards the East by Neighbour's Property.

On or towards the West by T. P. Road.

THE SCHEDULE 'T' ABOVE REFERRED TO

All that the undivided 1.9804% share or portion in the piece and parcel of land bearing Municipal No. 5-8-512 to 517 C, situate, lying and being at Chirag Ali Lane, Hyderabad, in the City and Municipal Limits of the Municipal Corporation of Hyderabad in the Registration District and Sub-District of Hyderabad more particularly described in the Schedule T hereinabove written, together with the entire proprietary rights in all that the premises bearing Car Park/Storing Unit/Flat No. A-1 F-3 in Poonam Apartment at Abid Road, Hyderabad, on the Second Floor admeasuring 1085 square feet in the said Building known as "Poonam Apartments", constructed on the said plot admeasuring 3000 square yards at Chirag Ali Lane, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 2-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad the 2nd February 1976

Ref. No. R.A.C. No. 247/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. B-3 F-3 in Poonam Apartment situated at Abid Road, Hyderabad.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 20-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act,' to the following persons namely :—
3—446GI/75

(1) Smt. Pushpalata Gupta, Partner and G.P.A. holder for 11 other partners in M/s. Associated Builders and Reaal Estate Agent, 4-1-968, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri K. Krishnakumar, H. No. 49 at M.I.G. H. at Vijayanagar Colony, Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

THE SCHEDULE 'T' REFERRED TO

All that piece or parcel of land or ground situate, lying and being at Chirag Ali Lane, Hyderabad, Andhra Pradesh in the Registration District and Sub-District of Hyderabad City, Andhra Pradesh in the City and Municipal limits of the Municipal Corporation of Hyderabad, bearing Municipal No. 5-8-512 to 517 C. formed out of 3000 square yards (three thousand square yards) or there about and bounded as under :—

On or towards the North by Estate Road facing Hotel Fmrald.

On or towards the South by Neighbour's Property.

On or towards the East by Neighbour's Property.

On or towards the West by T.P. Road.

THE SCHEDULE 'II' ABOVE REFERRED TO

All that the undivided 1.9804% share or portion in the piece and parcel of land bearing Municipal No. 5-8-512 to 517 C. situate, lying and being at Chirag Ali Lane, Hyderabad, in the City and Municipal Limits of the Municipal Corporation of Hyderabad in the Registration District and Sub-District of Hyderabad more particularly described in the Schedule 'T' hereinabove written together with the entire proprietary rights in all that the premises bearing Car Park/Storing Unit/Flat No. B-3 F-3 in Poonam Apartment, at Abid Road, Hyderabad, on the Ground/First Floor admeasuring 1085 square feet in the said Building known as "Poonam Apartment", constructed on the said plot admeasuring 3000 square yards at Chirag Ali Lane, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Hyderabad

Date : 2-2-1976

Seal

FORM ITNS.

(1) Smt. Pushpalata Gupta, Partner and G.P.A. holder for 11 other partners in M/s. Associated Builders and Reaal Estate Agent, 4-1-968, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Dr. Bansilal Vigg, H. No. 34-845/3 at Barakat-pura, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd February 1976

Ref. No. R.A.C. No. 244/75-76.—Whereas, I. K. S. VEN-KATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. B-4 F-5 in Poonam Apartment situated at Abid Road, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 20-6-1975, for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

THE SCHEDULE 'I' REFERRED TO

All that Piece or parcel of land or ground situate, lying and being at Chirag Ali Lane, Hyderabad, Andhra Pradesh in the Registration District and Sub-District of Hyderabad City, Andhra Pradesh in the City and Municipal limits of the Municipal Corporation of Hyderabad, bearing Municipal No. 5-8-512 to 517 C, formed out of 3000 square yards (three thousand square yards) or there about and bounded as under :—

On or towards the North by Estate Road facing Hotel Emerald.

On or towards the South by Neighbour's Property.

On or towards the East by Neighbour's Property.

On or towards the West by T.P. Road.

THE SCHEDULE 'II' ABOVE REFERRED TO

All that the undivided 1.9804% share or portion in the piece and parcel of land bearing Municipal No 5-8 5'2 to 517, C, situate, lying and being at Chirag Ali Lane, Hyderabad, in the City and Municipal Limits of the Municipal Corporation of Hyderabad in the Registration District and Sub-District of Hyderabad more particularly described in the Schedule 'I' hereinabove written, together with the entire proprietary rights in all that the premises bearing Car Park/Storing Unit/Flat No. B-4 F-5 Second Floor admeasuring 1085 square feet in the said Building known as "Poonam Apartments", constructed on the said plot admeasuring 3000 square yards at Chirag Ali Lane, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 2-2-1976.

Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd February 1976

Ref. No. R.A.C. No. 250/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. A-2 F-1 in Poonam Apartment situated at Abid Road, Hyderabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 26-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Pushpalata Gupta, Partner and G. P. A. holder for 11 other partners in M/s. Associated Builders and Real Estate Agent, 4-1-968, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. D. Hamsa Devi H. No. 3-6-599 at Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE**THE SCHEDULE 'I' REFERRED TO**

All that piece or parcel of land or ground situate, lying and being at Chirag Ali Lane, Hyderabad, Andhra Pradesh in the Registration District and Sub-District of Hyderabad City, Andhra Pradesh in the City and Municipal limits of the Municipal Corporation of Hyderabad, bearing Municipal No. 5-8-512 to 517 C, formed out of 3000 square yards (three thousand square yards) or there about and bounded as under :—

On or towards the North by Estate Road facing Hotel Emerald.

On or towards the South by Neighbour's Property.

On or towards the East by Neighbour's Property.

On or towards the West by T.P. Road.

THE SCHEDULE 'II' ABOVE REFERRED TO

All that the undivided 1.9804% share or Portion in the piece and parcel of land bearing Municipal No. 5-8-512 to 517 C, situate, lying and being at Chirag Ali Lane, Hyderabad, in the City and Municipal Limits of the Municipal Corporation of Hyderabad in the Registration District and Sub-District of Hyderabad more particularly described in the Schedule 'I' hereinabove written, together with the entire proprietary rights in all that the premises bearing Car Park/Storing Unit/Flat No. A-2 F-1 in Poonam Apartment at Abid Road, Hyderabad, on the First Floor admeasuring 1085 square feet in the said Building known as "Poonam Apartments", constructed on the said plot admeasuring 3000 square yards at Chirag Ali Lane, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 2-2-1976.

Seal .

FORM ITNS—

(1) (1) Sri Kalva Kolamu Satyamurthy
H. No. 1-10-15 at Ashoknagar, Hyderabad.

(2) Smt. Bhagirathi Devi,
H. No. 3-5-141/3/34 at Kingh Koti Road,
Hyderabad.

(3) Smt. Sharda Devi,
H. No. 21-2-672 at Urdu Shareef, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Dr. Narendra Swarup, Karta of H.U.F. R/o Ranga
Reddy, Building at Tilak Road, Hyderabad.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 4th February 1976

Ref. No. R.A.C. No. 253/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 147/1 situated at Dwarakapuri Colony, Hyderabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 16-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Land measuring 1065 sq. Mts. with compound wall in S. No. 147/1 situated at Dwarakapuri Colony, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 4-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd February 1976

Ref. No. R.A.C. No. 251/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. A-1 F-4 in Poonam Apartment situated at Abid Road, Hyderabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 17-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Smt. Pushpalata Gupta, Partner and G. P. A. holder for 11 other partners in M/s. Associated Builders and Real Estate Agent, 4-1-968, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Sanka Sulochna R/o Maredpally, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE**THE SCHEDULE 'T' REFERRED TO**

All that piece or parcel of land or ground situate, lying and being a Chirag Ali Lane, Hyderabad, Andhra Pradesh in the Registration District and Sub-District of Hyderabad City, Andhra Pradesh in the City and Municipal limits of the Municipal Corporation of Hyderabad, bearing Municipal No. 5-8-512 to 517 C, formed out of 3000 square yards (three thousand square yards) or there about and bounded as under :—

On or towards the North by Estate Road facing Hotel Emerald.

On or towards the South by Neighbour's Property.

On or towards the East by Neighbour's Property.

On or towards the West by T.P. Road.

THE SCHEDULE 'II' ABOVE REFERRED TO

All that the undivided 1.9804% share or Portion in the piece and parcel of land bearing Municipal No. 5-8-512 to 517 C, situate, lying and being at Chirag Ali Lane, Hyderabad, in the City and Municipal Limits of the Municipal Corporation of Hyderabad in the Registration District and Sub-District of Hyderabad more particularly described in the Schedule 'I' hereinabove written, together with the entire proprietary rights in all that the premises bearing Car Park/Storing Unit/Flat No. A-1 F-4 in Poonam Apartment at Abid Road, Hyderabad, on the First Floor admeasuring 1085 square feet in the said Building known as "Poonam Apartments" constructed on the said plot admeasuring 3000 square yards at Chirag Ali Lane, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 3-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Yarramreddi, Chenchu Rangareddy S/o Lakshmi Narayanreddy, Land Holder, East-Gudur Municipality Gudur-Post, Gudur-Tq. Nellore District,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Yarramreddi, Manojkumar, being minor guardian Father Sri Jayaprabhakarreddy, S/o Laxminarayana Reddy, R/o Nandimangudi Street, Gudur-Post, Gudur-Tq. Nellore District.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th February 1976

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property : Ward No. 13 Door No. 127 Asst. No. 5059 of 45 Ankanams Old and dilapidated Terresed House at Gudur Municipality at Nandima Gudi Street, Gudur-Tq. Nellore District.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

Date : 6-2-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Amar Nath and Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hari Kishan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 30th January 1976

Ref. No. 21-H/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. C-20/1-15, Arazzi No. 614, situated at Ramakant Nagar Varanasi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Varanasi on 18-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. C-2/1-15 alongwith land Arazzi No. 614, measuring 1800 sqr. fts. situated at Ramakant Nagar, Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date : 30-1-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Chamoli Devi.

(Transferor)

(2) Shri Ravish Kumar Gaur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 4th February 1976

Ref. No. 8-2 R/ACQUISITION.— Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Khasra No. 169 situated at Village Dhaturi Bulandshahr, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahr on 11-9-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 169, situated in Village Dhaturi—Paragana Baran—District Bulandshahr.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 4-2-1976.

Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
ENGINEERING SERVICES EXAMINATION, 1976
New Delhi, the 21st February 1976

NOTICE

No. 1/2/9/75-HI(B).—A combined competitive examination for recruitment to the Services/posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, MADRAS, NAGPUR, PATIALA, PATNA, SHILLONG, SRINAGAR AND TRIVANDRUM commencing on 3rd August, 1976 in accordance with the Rules published by the Ministry of Railways (Railway Board) in the Gazette of India dated 21st February, 1976.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure II, para 10).

2. The Services/posts to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in the various Service/posts are given below:—

GROUP-A

(i) The Indian Railway Service of Engineers	15**
(ii) The Indian Railway Service of Electrical Engineers	10**
(iii) The Indian Railway Service of Signal Engineers	6**
(iv) The Indian Railway Service of Mechanical Engineers	15**
(v) The Indian Railway Stores Service:—	
(a) Civil Engineering Post	3**
(b) Mechanical Engineering Posts	3**
(c) Electrical Engineering Posts	1**
(d) Telecommunication/Electronics Engineering Posts	1**
(vi) The Central Engineering Services.	20 (Includes 3 vacancies reserved for Scheduled Castes and 4 vacancies for Scheduled Tribes candidates).
(vii) The Central Electrical Engineering Service.	5 (Includes 1 vacancy each reserved for Scheduled Castes and Scheduled Tribes Candidates).
(viii) The Indian Supply Service:—	
(a) Mechanical Engineering Posts	1 (Vacancy Reserved for Sch. Castes candidates).
(b) Electrical Engineering Posts	1
(ix) The Military Engineer Services (Buildings and Roads Cadre)	23 (Includes 6 vacancies reserved for Scheduled Castes and 4 vacancies for Scheduled Tribes candidates).

(x) The Military Engineer Services, (Electrical & Mechanical Cadre) :—	
(a) Mechanical Engineering Posts	10 (Includes 2 vacancies reserved for Scheduled Castes and 1 vacancy for Sch. Tribes candidates).
(b) Electrical Engineering Posts	10 (Includes 3 vacancies reserved for Scheduled Castes and 1 vacancy for Sch. Tribes candidates.)
(xi) The Indian Ordnance Factories Service, (Engineering Branch):—	
(a) Civil Engineering Posts	3 (Includes 1 vacancy reserved for Scheduled Castes candidates).
(b) Mechanical Engineering Posts.	32 (Includes 6 vacancies reserved for Scheduled Castes and 3 vacancies for Sch. Tribes candidates.)
(c) Electrical Engineering posts	5 (Includes 1 vacancy reserved for Scheduled Castes and 1 vacancy for Sch. Tribes candidates.)
(d) Electronics Engineering Posts	5 (Includes 1 vacancy reserved for Scheduled Castes and 1 vacancy for Sch. Tribes candidates.)
(xii) The Telegraph Engineering Service,	50 (Includes 16 vacancies reserved for Sch. Castes and 9 vacancies for Sch. Tribes candidates)
(xiii) The Central Water Engineering Service:—	
(a) Civil Engineering Posts	20 (Includes 3 vacancies reserved for Scheduled Castes and 2 vacancies for Sch. Tribes candidates.)
(b) Mechanical Engineering* Posts	
(xiv) The Central Power Engineering Service:—	
(a) Electrical Engineering Posts	21 (Includes 4 vacancies reserved for Scheduled Castes and 2 vacancies for Sch. Tribes candidates.)
(b) Mechanical Engineering Posts	4 (Includes 1 vacancy reserved for Scheduled Castes candidates).
(xv) The Central Engineering Service (Roads)	2 (Includes 1 vacancy reserved for Scheduled Castes candidates).
(xvi) Posts of Deputy Armament Supply Officer, Grade II :—	
(a) Mechanical	2 (Includes 1 vacancy reserved for Scheduled Tribes candidates).
(b) Electronics	

(c) Electrical	2 (Includes 1 vacancy reserved for Sch. Castes candidates).	(xxxii) Post of Technical Assistant, (Non-Gazetted) in the Overseas Communications Service Ministry of Communications.	6 (Includes 3 vacancies reserved for Scheduled Castes and 1 vacancy for Scheduled Tribes candidates).
(xvii) Post of Assistant Drilling Engineer, in the Geological Survey of India.	*		
(xviii) Post of Mechanical Engineer (Junior) in the Geological Survey of India.	*		The vacancies shown against the Services/posts at items (i), (ii), (iii), (iv), (v) and (xi) are permanent.
(xix) Posts of Assistant Executive Engineer, in the P. & T. Civil Engineering Wing:—			The vacancies shown against the Services/posts at items (vi), (vii), (viii), (ix), (x), (xiii), (xiv), (xv), (xvi), (xx), (xxi), (xxii), (xxiii), (xxx), (xxxii) and (xxxii) are temporary.
(a) Civil	12**		The vacancies shown against the Services/posts at items (xii), (xix) and (xxviii) are temporary but are likely to be made permanent.
(b) Electrical	3**		The above numbers are liable to alteration.
(xx) Post of Assistant Manager (Factories) in the P. & T. Telecom. Factories Organisation.	2 (Includes 1 vacancy reserved for Sch. Tribes candidates).		*Vacancies not intimated by Government.
(xxi) Post of Engineer, in the Wireless Planning and Co-ordination Wing/Monitoring Organisation, Ministry of Communications.	1		**The number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates, if any, will be determined by Government.
(xxii) Post of Deputy Engineer-in-Charge, in the Overseas Communications Service, Ministry of Communications.	2 (Includes 1 vacancy reserved for Scheduled Tribes candidates).		NOTE.—Recruitment to the Services/posts, mentioned above will be made on the basis of the scheme (s) of examination prescribed in para 2 of Appendix I to the Rules.
(xxiii) Post of Assistant Station Engineer, in the All India Radio, Ministry of Information and Broadcasting.	4		3. A candidate may apply for admission to the examination in respect of all or any of the Services/posts mentioned in para 2 above. If a candidate wishes to be admitted for more than one Service/post he need send in only one application. He will be required to pay the fee, mentioned in Annexure I once only and will not be required to pay separate fee for each Service/post for which he applies.
(xxiv) Post of Technical Officer in the Civil Aviation Department, Ministry of Tourism and Civil Aviation.	*		N.B. 1.—Candidates are required to specify clearly in their applications the Services/posts for which they wish to be considered in the order of preference. They are advised to indicate as many preferences as they wish to, so that having regard to their ranks in the order of merit, due consideration can be given to their preferences when making appointments.
(xxv) Post of Communication Officer, in the Civil Aviation Department, Ministry of Tourism and Civil Aviation.	*		Services/posts with both permanent and temporary vacancies (cf. para 2 of the Notice) should be indicated separately and specifically for permanent and temporary vacancies.
GROUP-B			
(xxvi) The Telegraph Traffic Service	*		Thus, if desired, the same Service/post may be mentioned more than once.
(xxvii) Post of Assistant Mechanical Engineer, in the Geological Survey of India.			No request for alteration in the preferences indicated by a candidate in respect of Services/posts, covered by the group or groups of services/posts viz. Civil Engineering, Mechanical Engineering, Electrical Engineering and Tele-communication and Electronics Engineering (cf. preamble to the Rules), for which he is competing would be considered unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission on or before the 30th October, 1976.
(xxviii) Post of Assistant Engineer, in the P. & T. Civil Engineering Wing :—			N.B. 2.—Candidates should give their preferences only for the Services and posts for which they are eligible in terms of the Rules and for which they are competing. Preferences given for Services and posts for which they are not eligible and for Services and posts in respect of which they are not admitted to the examination will be ignored. Thus candidates admitted to the examination under rule 5(b) or 5(c) or 5(d) will be eligible to compete only for the Services/posts mentioned therein and their preferences for other Services and posts will be ignored. Similarly, preferences of candidates admitted to the examination under the proviso to rule 6 will be considered only for the posts mentioned in the said proviso, and preferences for other Services and posts, if any, will be ignored.
(a) Civil	20**		
(b) Electrical	5**		
(xxix) Posts of Assistant Engineer, in the Civil Construction Wing of All India Radio:—			4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public
(a) Civil	*		
(b) Electrical	*		
(xxx) Post of Assistant Engineer, in the All India Radio, Ministry of Information & Broadcasting.	37 (Includes 5 vacancies reserved for Scheduled Castes and 3 vacancies for Scheduled Tribes candidates)		
(xxxii) Post of Assistant Engineer, in the Overseas Communications Service, Ministry of Communications	4 (Includes 1 vacancy reserved for Sch. Castes and 1 vacancy for Scheduled Tribes candidates.)		

service Commission, at New Delhi General Post Office, cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. *Any amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.*

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE ENGINEERING SERVICES EXAMINATION, 1976. APPLICATION ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE ENGINEERING SERVICES EXAMINATION, 1976 WILL NOT BE ENTERTAINED.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 5th April 1976 (19th April 1976 in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 5th April 1976) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

6. Candidates seeking admission to the examination, must pay to the Commission with the completed application form the fee prescribed in Annexure I in the manner indicated therein.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 2 OF ANNEXURE I.

7. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

M. S. PRUTHI,
Deputy Secretary.

ANNEXURE I

1. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 80.00 (Rs. 20.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) by means of CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft drawn on the State Bank of India, New Delhi.

The Commission will not accept payment made otherwise except in the case of candidates residing abroad at the time of submitting their applications, who may deposit the amount of prescribed fee in the Indian Missions concerned.

2. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

3. A refund of Rs. 54.00 (Rs. 14.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note 1 below rule 6 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

ANNEXURE II

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. A copy each of the Notice, the Rules, the Application Form and other papers relating to the examination is obtainable from the office of the Union Public Service Commission in the manner indicated in para 4 of the Notice. Before filling in the application form, the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH I OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. (i) The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

(ii) The completed application form, and the acknowledgement card should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

No application received by the Commission after the date prescribed in the Notice will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 5th April, 1976.

Persons already in Government Service, whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily rated employees, must submit their applications through the Head of their Department or Office concerned who will complete the endorsement at the end of the application form and forward them to the Commission. Such candidates should, in their own interest, submit advance copies of their applications direct to the Commission. These, if accompanied by the prescribed fee, will be considered provisionally, but the original application should ordinarily reach the Commission within a fortnight after the closing date. If a person already in Government Service does not submit an advance copy of his application along with the prescribed fee or if the advance copy submitted by him is not received in the Commission's office on or before the closing date the application submitted by him through the Head of his Department or Office if received in the Commission's Office after the closing date, will not be considered.

Applications from all other candidates, whether in private employment or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations can be entertained direct. If such a candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date, will not be entertained.

3. A candidate must send the following documents with his application.—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee. (See Annexure I).
- (ii) Attested/certified copy of Certificate of age.
- (iii) Attested/certified copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm approx.) photograph of the candidate.
- (v) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
- (vi) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession/fee remission, where applicable (See para 5 below).

(vii) In the case of candidates offering Surveying as an Optional Subject an Attested/certified copy of a certificate showing that the candidate has undergone satisfactory training in Surveying including practical Surveying (see Syllabus).

NOTE.—CANDIDATE ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii), (iii) (v), (vi) AND (vii) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF DECEMBER, 1976. CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT THEM TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL, AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) and item (vii) are given below and of those in items (v) and (vi) are given in paras 4 and 5 :—

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—

Each Postal Order should invariably be crossed as shown below :—



and completed as follows—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office".

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee—

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of the Secretary Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

NOTE.—Candidates residing abroad at the time of submitting their applications may deposit the amount of the prescribed fee (the equivalent of Rs. 80.00, Rs. 20.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) in the office of India's High Commissioner or Ambassador or Representative, as the case may be, in that country who should be asked to credit the amount to the account head "051. Public Service Commission—Examination fees". The candidates should forward the receipt from that office with the application.

(ii) *Certificate of Age.*—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation /Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admision Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) *Certificate of Educational Qualification.*—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the authority (*i.e.* University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

In case a candidate is not in possession of the degree prescribed in Rule 6 at the time of submitting his application to the Commission, he should submit a copy of a certificate from the Principal/Registrar/Dean of the College/University concerned certifying that he has passed the qualifying examination and complied with all requirements necessary for the award of the degree in the form prescribed in para 1 of the form of certificate given under Note 1 below.

NOTE 1.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination, but has not been informed of the result, may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, in the form prescribed below, as soon as possible and in any case not later than 30th October, 1976.

Certificate showing proof of passing qualifying Examination.

1. Certified that Shri/Smt./Km. _____ son/daughter* of _____ who has been a student in this college has passed the _____ examination and has become eligible for the award of _____ degree and that he/she* has been placed in _____ division,

2. Certified that Shri/Smt./Km. _____ son/daughter* of _____ is expected to appear has appeared* at _____ examination conducted by _____ in the month of _____ 19_____, and that the result of the above examination is likely to be announced by _____ 19_____.

Signature _____

Designation _____

Name of Institution _____

Where situated _____

Date _____

*Strick out whichever is not applicable.

NOTE 2.—A candidate seeking admission to the examination with the qualification mentioned in proviso to Rule 6 must submit an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Dean of the College/Institution/University Concerned showing that he has passed/taken the M.Sc. degree examination or its equivalent with one of the special subjects mentioned therein.

(iv) *Photograph*.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. x 7 cm., approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy, should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

(v) *Certificate of Practical Training in Surveying*.—A candidate who takes Surveying as an optional subject must produce an attested/certified copy of a certificate that he has undergone satisfactory training in surveying including practical surveying, in a college or institution recognised for the purpose of admission to the competitive examination for the Service. The training must be equivalent to that given in the full course for a degree or diploma in Civil Engineering. The certificate must be signed by the Principal or the Head of the Department of Surveying of the College or Institution.

In exceptional cases the Commission may waive this requirement in any individual case, if they are satisfied that even though the candidate had not undergone training in surveying in a recognised institution as aforementioned, he had undergone other training and/or in-service experience and had reached a standard of proficiency in Surveying which, in their opinion is equivalent to that attained by a candidate completing successfully the full course for degree or diploma in Civil Engineering.

THE FORM OF THE CERTIFICATE TO BE PRODUCED BY THE CANDIDATE

Certified that Shri/Shrimati/Kumari _____ who has been a student in this College/Institution has undergone in this College/Institution a practical course of training in Surveying equivalent to that given in the full course for a degree or diploma in Civil Engineering.

2. Certified also that this College is affiliated to the University of.....

Signature.....

Name of College or Institution.....
Where situated

Date.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii), 3(iv) and 3(vii) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office except as provided for in Note 1 under paragraph 3(iii) above within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise the application is liable to be rejected.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below, from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment of posts under the Government of India.

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari* _____ son/daughter* of _____ of village/town* _____ in District/Division* _____ of the State/Union Territory* _____ belongs to the _____ Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Tribe* under :—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, and the North Eastern Areas Reorganisation) Act, 1971]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Caste Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*.

2. Shri, Shrimati/Kumari* and/or* his/her* family ordinarily reside(s) in village/town..... or..... District/Division* of the State/Union Territory* of.....

Signature.....

**Designation.....
(with seal of office)

Place.....State/Union Territory*.

Date.....

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(e)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.
- †(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate)
- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate;
- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar;
- (iv) Sub-divisional Officers of the area where the candidate and/or his family normally resides;
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, 'Lakshadweep'.

5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 5(e) (ii) or 5(e) (iii) should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India on or after 1st January, 1964, but before 25th March, 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakanya Project or of Relief Camps in various States.
- (2) District Magistrate of the Areas in which he may, for the time being be resident;
- (3) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in their respective district;
- (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge.
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 5(e) (iv) or 5(e) (v) should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania claiming age concession under Rule 5(e) (vi) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.

(iv) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 5(e) (vii) or 5(e) (viii), should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who migrated to India on or after 1st June 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(v) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 5(e) (ix) or 5(e) (x) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Resettlement, Ministry of Defence to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No..... Shri.....
..... of Unit..... was disabled
while in the Defence Services, in operation during hostilities
with a foreign country/in a disturbed area* and was released
as a result of such disability.

Signature.....

Designation.....

Date.....

*Strike out whichever is not applicable.

(vi) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under rule 5(e) (xi) or 5(e) (xii) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Border Security Force, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No..... Shri.....
..... of Unit..... was disabled
while in the Border Security Force in operations
during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a
result of such disability.

Signature.....

Designations.....

Date.....

6. A person in whose case a certificate of eligibility is required should apply to the Government of India, Ministry of Railways/Works and Housing/Defence/Energy/Agriculture and Irrigation/Communications/Industry and Civil Supplies/Supply and Rehabilitation/Steel and Mines/Shipping and Transport/Information and Broadcasting/Tourism and Civil Aviation for issue of the required certificate of eligibility in his favour.

7. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered-fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

8. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

9. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of

receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

10. Every candidate for this examination will be informed, at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

11. Copies of pamphlets containing rules and question papers of the five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications Civil Lines Delhi-110006 and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, C' Block, Baba Kharak Singh Marg, New Delhi-110001 and (ii) Sale counters of the Publications Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110001 and office of the Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, and (iii) the Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India publications at various mofussil towns.

12. Communications regarding applications.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY,

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—

- (i) NAME OF EXAMINATION.
- (ii) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (iii) ROLL NO. OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (iv) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (v) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

13. Change in address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED. IF NECESSARY, CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 12 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES, THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

